पान मसाला पर उपकर वाले विधेयक को लोकसभा ने दी मंजूरी -7

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- जीडीपी में सहकारिता की हिस्सेदारी करेंगे तीन गुना -10

गांधी की समाधि पर नतमस्तक हुए पुतिन, अहिंसा और सच्चाई के लिए किया याद - 11

एशेज सीरीज के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 44 रनों की बढ़त - 12

आज का मौसम
23.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.43
सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष द्वितीया 09:25 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शनिवार, 6 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 307, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

मुर्शिदाबाद में मस्जिद के शिलान्यास में कोई हस्तक्षेप नहीं: हाईकोर्ट

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर, तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा प्रस्तावित एक मस्जिद के निर्माण में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। अदालत की यह टिप्पणी छह दिसंबर को प्रस्तावित ''बाबरी मस्जिद'' के लिए निर्धारित शिलान्यास समारोह से पहले आई है, जो मूल ढांचे के विध्वंस की बरसी भी है। केंद्र ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 19 कंपनियां इस साल अप्रैल में मुर्शिदाबाद जिले में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद क्षेत्र में तैनात की गई थीं। वह अभी भी तैनात हैं और हिंसा की स्थिति में तैयार रहेंगी।

काले हिरण के शिकार में तीन लोग गिरफ्तार

रायसेन। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में शुक्रवार को काले हिरण का शिकार करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई एक मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई। आरोपियों के पास से मृत हिरण, खाल, एक राइफल, कारतूस, दो कार सहित अन्य औजार बरामद किए गए हैं। वन विभाग के रेंजर मनीष सिंह ठाकुर ने बताया कि सागर जिले की सीमा से लगे बेगमगंज–राहतगढ़ के पास ग्राम बेरखेड़ी बीट में बृहस्पतिवार रात काले हिरण के शिकार की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि इसके बाद शुक्रवार सुबह करीब चार बजे घेराबंदी कर आरोपियों की दो कारों को रोककर तलाशी ली गई।

पांच करोड़ के सोने के बिस्कुट किए जब्त

कृष्णनगर। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में बीएसएफ ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास 5 .47 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सोने के 36 बिस्कुट जब्त किए और भारतीय तस्कर को पकड़ा। बीएसएफ के एक बयान में कहा गया है कि बानपुर सीमा चौकी पर दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 32वीं बटालियन के जवानों ने गुरुवार को विशिष्ट खुफिया जानकारी मिलने के बाद यह अभियान चलाया तथा संदिग्ध तस्करी मार्गों पर पैनी नजर रखी। अभियान के दौरान जवानों ने एक व्यक्ति को सीमावर्ती सड़क से बानपुर गांव की ओर संदिग्ध रूप से जाते देखा। बुलाने पर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन उसे पकड़ लिया गया।

100वें जन्मदिन पर दान में दिए 3.4 करोड़

भुवनेश्वर। ओडिशा की एक स्त्री रोग विशेषज्ञ ने शुक्रवार को अपने 100वें जन्मदिन पर भुवनेश्वर एम्स के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग को 3 .4 करोड़ रुपये दान कर दिए। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि मशहूर प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ प्रो. के लक्ष्मी बाई ने एम्स को विश्वास और भलाई का एक असाधारण तोहफा दिया है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि 1945 में अपनी डिग्री हासिल करने और 1986 में बरहामपुर के एमकेसीजी चिकित्सा महाविद्यालय से सेवानिवृत्त होने तक देश की निस्वार्थ सेवा करने वाली प्रो. बाई का यह योगदान अविश्वस्नीय है।

बिना दबाव भारत को जारी रहेगी तेल आपूर्ति : पुतिन

रूस के साथ मित्रता ध्रुव तारे की तरह अडिग : मोदी

दोनों देशों ने पंचवर्षीय आर्थिक मसौदे पर जताई सहमति, 11 समझौतों पर हस्ताक्षर, 100 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य

- हेल्थ, फूड सेफ्टी और शिपबिल्डिंग समेत कई समझौतों पर मुहर
- देश के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट कुडनकुलम में सहयोग करेगा रूस

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और रूस ने अमेरिका द्वारा दंडात्मक शुल्क और प्रतिबंध लगाने से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए शुक्रवार को आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक पंचवर्षीय योजना पर सहमति जताई। इस दौरान पुतिन ने भारत को बिना दबाव के तेल आपूर्ति जारी रखने और देश के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट कुडनकुलम को पूरी क्षमता तक पहुंचाने में सहयोग की बात कही। पुतिन के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी सेना में काम कर रहे भारतीय नागरिकों की रिहाई का भी आह्वान किया।

नई दिल्ली में भारत–रूस के 23वें शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

मोदी ने कहा कि भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद यह मित्रता ध्रुव तारे की तरह अडिग बनी हुई है। दोनों पक्षों ने कुल 11 समझौतों पर हस्ताक्षर किए जिनमें भारत से रूस तक कुशल श्रमिकों की आवाजाही से संबंधित एक समझौता भी शामिल है। ये समझौते नौवहन, उर्वरक, स्वास्थ्य सेवा, वैज्ञानिक अनुसंधान, शिक्षा और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान के क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करने से संबंधित हैं। मोदी ने द्विपक्षीय शिखर वार्ता के बाद कहा, गत आठ दशकों में दुनिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। मानवता को अनेक चुनौतियों और संकटों से गुजरना पड़ा है। लेकिन आपसी सम्मान और गहरे विश्वास पर आधारित यह संबंध हमेशा समय की कसौटी पर खरा उतरा है। पुतिन ने कहा कि दोनों पक्ष वार्षिक व्यापार को वर्तमान 64 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर विचार कर रहे हैं। आईएनएसटीसी, उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक गलियारे पर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे। मुझे खुशी है कि अब हम ध्रुवीय जल में भारतीय नाविकों को प्रशिक्षित करने के लिए सहयोग करेंगे। पुतिन दो दिवसीय भारत यात्रा के समापन के बाद दिल्ली से रवाना हो गए। विदेश मंत्री. जयशंकर ने विदाई दी।

यूक्रेन संकट पर भारत तटस्थ नहीं, शांति का पक्षधर

दोनों शासनाध्यक्षों की बातचीत के दौरान यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा कि भारत ने उस देश में शांति की वकालत की है। उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे के शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान के लिए सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। भारत हमेशा योगदान देने के लिए तैयार रहा है और आगे भी ऐसा करता रहेगा।

ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण को लेकर दोनों देश उत्सुक

पुतिन ने संकेत दिया कि रूस भारतीय उत्पादों के लिए अपने बाजार को और सुलभ बनाएगा तथा दोनों पक्ष छोटे एवं मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर तथा फ्लोटिंग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण में सहयोग के लिए उत्सुक हैं। रूस परमाणु प्रौद्योगिकियों के गैर–ऊर्जा अनुप्रयोग में भी भारत को सहायता दे सकता है, उदाहरण के लिए चिकित्सा और कृषि में। ऊर्जा सुरक्षा भारत–रूस साझेदारी का एक मजबूत और महत्वपूर्ण स्तंभ रही है।

रूसी पर्यटकों को 30 दिन का फ्री वीजा देगा भारत

मोदी ने इस अवसर पर घोषणा की कि भारत शीघ्र ही रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन का नि:शुल्क ई–पर्यटक वीजा तथा 30 दिन का समूह पर्यटक वीजा शुरू करेगा। पुतिन ने अपने वक्तव्य में कहा कि दोनों पक्ष वार्षिक व्यापार को वर्तमान 64 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर विचार कर रहे हैं और रूस भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तेल, गैस, कोयला और अन्य सभी आवश्यक वस्तुओं का विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता है। उन्होंने कहा, रूस तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है।

आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने पर चर्चा

वार्ता में आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। मोदी ने आतंकवाद के खतरे पर कहा कि भारत और रूस लंबे समय से इस खतरे के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। चाहे पहलगाम में हमला हो या क्रोकस सिटी हॉल पर कायरतापूर्ण हमला इन सभी घटनाओं की जड़ एक ही है। भारत का यह दृढ़ विश्वास है कि आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर सीधा हमला है और इसके खिलाफ एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

रेपो दर में 0.25 % की कटौती घर-गाड़ी खरीदना होगा सस्ता

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने दी जानकारी, फरवरी 2025 से यह चौथी कटौती
- चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 6.8 से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत किया

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को नीतिगत रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की। इससे घर, वाहन और अन्य कर्ज सस्ता होने की उम्मीद है। इसके साथ ही आरबीआई ने बैंकों में एक लाख करोड़ रुपये की नकदी डालने की भी घोषणा की। इससे अर्थव्यवस्था को अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से सुरक्षित रखने और रुपये की कीमत में आई गिरावट से निपटने में मदद मिलेगी।

आरबीआई की छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.25 प्रतिशत करने का निर्णय लिया। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया। यह फरवरी 2025 के बाद से चौथी कटौती है और अब तक कुल 1.25 प्रतिशत कटौती हो चुकी है। रेपो दर में छह महीने के अंतराल के बाद की गई इस कटौती से आवास, वाहन और अन्य उपभोक्ता ऋणों के सस्ते होने का रास्ता खुल गया है। दरअसल रेपो दर में कटौती का सीधा असर बैंकों की उधारी लागत पर होता है।

बैंकों को अब केंद्रीय बैंक से सस्ते में उधार मिलेगा लिहाजा वे एमसीएलआर (कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर) और अन्य ऋण दरों में कमी कर सकेंगे। इससे घर, वाहन और व्यावसायिक ऋणों की मासिक किस्तें घटेंगी। रेपो दर में इस कटौती से आरबीआई ने डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 90 के भी पार चले जाने से जुड़ी आशंकाएं दरकिनार करने की कोशिश की है। इस साल डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में पांच प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है जो एशिया की सभी मुद्राओं में सबसे खराब प्रदर्शन है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुवाई वाली एमपीसी ने मौद्रिक नीति के रुख को 'तटस्थ' बनाए रखने का भी फैसला किया।

ऐसे हुई कटौती

- फरवरी : 0.25 %
- अप्रैल : 0 .25 %
- जून : 0 .50%
- दिसंबर : 0 .25

महंगाई का अनुमान घटाया

आरबीआई ने महंगाई दर के अनुमान को 2.6 से घटाकर 2% कर दिया है। गवर्नर ने कहा, मुद्रास्फीति 2.2% के संतोषजनक स्तर पर है और वित्त वर्ष की पहली छमाही में आर्थिक वृद्धि 8 .0 प्रतिशत रही है। जो अर्थव्यवस्था के लिए खुशनुमा दौर बनता है।

दो पासपोर्ट मामले में भी अब्दुल्ला आजम को सात साल की सजा

रामपुर। दो पासपोर्ट रखने के मामले में शुक्रवार को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश शोभित बंसल ने आजम खां के पुत्र पूर्व विधायक अब्दुल्ला को दोषी मानते हुए सात साल के कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। उन्होंने 332 पेज का फैसला तैयार किया था। वह दो पैन कार्ड के मामले में हुई सजा में रामपुर जेल में बंद हैं।

- एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने सुनाई सजा

अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो पासपोर्ट के मामले में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला आजम एक पासपोर्ट का इस्तेमाल विदेश यात्रा में भी कर चुके हैं। जन्मतिथि शैक्षिक प्रमाण पत्रों हाईस्कूल बीटेक व एमटेक में एक जनवरी 1993 अंकित है। पासपोर्ट संख्या जेड 4307442 में जन्मतिथि 30 सितंबर 1990 अंकित है। अब्दुल्ला के शैक्षिक प्रमाण पत्र तथा पासपोर्ट का विवरण जन्मतिथि व जन्म स्थान भी विरोधाभासी है। शुक्रवार को अब्दुल्ला वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। विधायक के अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि धारा 420 में तीन वर्ष की सजा 10 हजार का जुर्माना, धारा 467 में 7 साल की सजा 20 हजार का जुर्माना, 468 में 3 वर्ष की सजा 10 हजार का जुर्माना, धारा 471 में दो वर्ष की सजा और 10 हजार का जुर्माना लगाया है।

एक जिला–एक व्यंजन भी बनेगा ब्रांड यूपी : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीएम योगी ने समीक्षा बैठक में ओडीओपी 2.0 की कार्ययोजना को दी मंजूरी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में ओडीओपी 2.0 की कार्ययोजना को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि 'एक जनपद–एक उत्पाद' अब 'एक जिला-एक व्यंजन' भी ब्रांड यूपी बनेगा। योगी ने स्थानीय उद्योगों को आधुनिक तकनीक, बेहतर पैकेजिंग, गुणवत्ता उन्नयन और बड़े बाजारों से जोड़ने पर जोर दिया। कहा कि बदलती वैश्विक मांग को देखते हुए योजना को अधिक व्यावसायिक रूप में आगे बढ़ाना समय की जरूरत है।

योगी ने बैठक में बताया कि ओडीओपी 2.0 का उद्देश्य है कि पारंपरिक उत्पाद स्थायी रोजगार का आधार बनें और निर्यात में वृद्धि हो। उन्होंने निर्देश दिए कि पहले चरण में अच्छा काम करने वाले उद्यमियों को विस्तार के अवसर दिए जाएं, ताकि वे बड़े स्तर पर कारोबार कर सकें। मुख्यमंत्री ने 'एक जनपद–एक व्यंजन' (ओडीओसी) योजना लागू करने का निर्देश देते हुए कहा कि अब प्रदेश के खान-पान की परंपरा को भी नई पहचान मिलेगी। इसके तहत हर जिले के प्रमुख व्यंजन की पहचान, गुणवत्ता, स्वच्छता, पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न जिलों में विशिष्ट स्वाद की समृद्ध परंपरा है, जिसे संगठित रूप से प्रचारित किए जाने की जरूरत है।

विशेषज्ञों की मदद से उपयोगी बनें कॉमन फैसिलिटी सेंटर

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉमन फैसिलिटी सेंटर को और उपयोगी बनाया जाए। विशेषज्ञों की मदद से उद्यमियों को डिजाइन, पैकेजिंग और उत्पादन संबंधी सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ओडीओपी उत्पादों को केवल पारंपरिक बाजारों तक सीमित न रखते हुए उन्हें बड़े रीटेल नेटवर्क से जोड़ा जाए। देश में स्थापित सभी यूनिटी मॉल में उत्तर प्रदेश के उत्पादों के लिए अलग स्थान सुनिश्चित किया जाएगा।

मंत्री ने गिनाई ओडीओपी की उपलब्धियां : बैठक में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान समेत अधिकारियों ने उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि वर्ष 2018 से शुरू ओडीओपी योजना के तहत अब तक 1.25 लाख से अधिक टूलकिट, छह हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का ऋण और आठ हजार से अधिक उद्यमियों को विपणन सहायता उपलब्ध कराई गई है।

अनुशासनात्मक 'बरी' आपराधिक कार्यवाही समाप्ति का आधार नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बार काउंसिल की अनुशासनात्मक कार्यवाही में अनुकूल आदेश या दोषमुक्ति किसी अधिवक्ता के खिलाफ लंबित वैध आपराधिक मुकदमे को स्वतः रद्द करने का आधार नहीं बन सकती। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जय प्रकाश तिवारी की एकलपीठ ने योगेश कुमार भेंटवाल द्वारा सीआरपीसी की धारा 482 के तहत दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने आगे कहा कि दोनों कार्यवाहियां, आपराधिक और अनुशासनात्मक, स्वतंत्र प्रकृति की हैं, जिनके उद्देश्य, प्रक्रिया और प्रमाण-मानक भिन्न होते हैं और इसलिए वे समानांतर चल सकती हैं। याचिका में याची ने गाजियाबाद की अदालत द्वारा आईपीसी की धारा 420 के तहत जारी समन को चुनौती दी थी। मामला महावीर सिंह द्वारा 2012 में अधिवक्ता अधिनियम की धारा 35 के तहत दायर उस शिकायत से जुड़ा है, जिसमें आरोप था कि याची ने अनुकूल आदेश दिलाने का भरोसा देकर 6.36 लाख रुपये लिए। बार काउंसिल की अनुशासन समिति ने 2014 में एकपक्षीय आदेश से उन्हें पांच वर्ष के लिए निलंबित कर दिया था, जिसे बाद में रिकॉल याचिका में रद्द कर दिया गया। इसके उपरांत शिकायतकर्ता ने ठगी का परिवाद दाखिल किया, जिस पर 2017 में समन जारी हुआ। याची ने तर्क दिया कि अनुशासन समिति द्वारा शिकायत खारिज किए जाने के बाद एक ही तथ्यों पर दर्ज आपराधिक मामला दुर्भावनापूर्ण है और न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

उन्होंने यह भी कहा कि आरोप दीवानी प्रकृति के हैं। कोर्ट ने इन दलीलों को अस्वीकार करते हुए कहा कि अनुशासनात्मक 'बरी' अपने आप में आपराधिक कार्यवाही समाप्त करने का मान्य आधार नहीं है। अधिवक्ता अधिनियम के तहत अनुशासनात्मक जांच "अर्ध-आपराधिक" होती है। जिसका उद्देश्य वकालत पेशे की नैतिक मर्यादा को सुरक्षित रखना है। जबकि आपराधिक मुकदमे में अपराध के कानूनी तत्वों की जांच की जाती है। वर्तमान मामले में समन आदेश अदालत द्वारा शिकायतकर्ता और गवाहों के बयानों के आधार पर विधिसम्मत रूप से पारित हुआ था। अंत में कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

सौहार्द | छह दिसंबर को अयोध्या में कोलाहल नहीं, राममंदिर का उल्लास, रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार, शान से लहरा रहा है धर्म ध्वज

छह साल में ही बदल गई 33 साल की रामनगरी की तस्वीर

विवेक सक्सेना, अयोध्या

अमृत विचार : 06 दिसंबर 1992, 09 नवंबर 2019, 25 मार्च 2020, 22 जनवरी 2024 और 25 नवंबर 2025, ये तिथियां अयोध्या के इतिहास में दर्ज हो गईं हैं। वर्ष 1992 से 2025 तक इन 33 वर्षों में रामनगरी की तस्वीर ऐसी बदली कि आज अयोध्या अद्भुत, अकल्पनीय कहलाने लगी है।

वर्ष 2019 में श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला आने और 2025 में श्रीराम मंदिर पूरा बनकर तैयार होने पर धर्म ध्वजारोहण होने के दौरान इन छह वर्षों में अयोध्या सम्पूर्ण विश्व में छा गई। हर साल 06 दिसंबर को छाने वाला कोलाहल फिजाओं में गुम हो गया। न सिर्फ मां सरयू नदी अपनी धुन में बह रही है, अपितु चौक, बाजार, गली-मोहल्ले और यहां के निवासी भी सहज हैं। इस दिन रह-रह कर गूंजने वाला सायरन और सुरक्षा बलों के बूटों की धमक की जगह आपसी सौहार्द का गहरा हुआ रंग रिश्तों की

डोर मजबूत कर रहा है। गंगा-जमुनी तहजीब की धूप में तनाव की बदली की सिहरन से लोग मुक्त हो चुके हैं। एहतियात के तौर पर भले ही पुलिस, सुरक्षा बल और खुफिया तंत्र सतर्क हैं, लेकिन दशकों पहले परिस्थितियों वाली गंभीरता नहीं है। यौमे स्याह और शौर्य दिवस का दूर-दूर तक कोई जिक्र नहीं है। कुछ संगठनों ले रस्म अदायगी जरूर की जाती है, लेकिन आमजन रामलला की धुन में है। तारीखें बहुत कुछ बदल देती हैं। 06 दिसंबर 1992 से लेकर 08 नवंबर 2019 तक की खाई को 09 नवंबर 2019 को श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने पाट दिया। मस्जिद के लिए अलग से पांच एकड़ जमीन मुस्लिम पक्ष को देने के आदेश ने बचा-खुचा तनाव भी खत्म कर दिया।

25 मार्च 2020 को रामलला टेंट से निकलकर फाइबर के मंदिर में शिफ्ट हुए और 05 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। इसके बाद शुरू हुए श्रीराम मंदिर निर्माण और 22 जनवरी 2024 को भव्य मंदिर में बाल स्वरूप रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने 500 वर्षों की साधना को फलक तक पहुंचा दिया। 25 नवंबर 2025 को मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने और प्रधानमंत्री द्वारा धर्म ध्वजारोहण करने के बाद देश-विदेश के सनातनी ही नहीं अपितु सर्व समाज आनंदित है।

"अयोध्या प्राचीन नगरी है। यहां देश–विदेश से लोग आते हैं। हर धर्म हर जाति के देवी–देवता यहां विराजमान हैं। 6 दिसंबर को जो कुछ होना था वह हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला कर दिया। मंदिर बन गया। अब हिंदू और मुसलमानों में कोई मतभेद नहीं है। हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ी ऐसा काम करें जिससे लोग एक–दूसरे से मिल कर रहें। नफरत को भूल जाएं। जिससे पूरा देश और दुनिया अयोध्या के लोगों को याद करे।

– **इकबाल अंसारी**, बाबरी मस्जिद विवाद के मुद्दई।

"6 दिसंबर को लेकर सुरक्षा के इंतजाम किए गए है। परिसर की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों के साथ मंथन किया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखते हुए दर्शन चलेगा। अब कहीं कोई विवाद नहीं। – **डॉ. अनिल मिश्रा**, सदस्य श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट।

न्यूज ब्रीफ

कौशल विकास मिशन में दक्षता बढ़ाने पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में युवाओं को कौशल विकसित कर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित कौशल विकास मिशन को और अधिक प्रभावी तथा परिणाम-उन्मुख बनाने के लिए शुक्रवार को मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में समस्त अधिकारियों की कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यशाला में आईआईएम के प्रोफेसर ने "रिचर्ड विलियम्स केस स्टडी" के माध्यम से रणनीतिक सोच, प्रभावी योजना निर्माण और लक्ष्यों की प्राप्ति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। मिशन निदेशक ने कहा कि सबको हुनर, सबको काम" मिशन का मूल मंत्र है। उन्होंने बताया कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और उन्हें स्थानीय रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ने के लिए स्पष्ट विज़न, मौजूदा स्थिति का ठोस विश्लेषण, संसाधनों का दक्ष उपयोग, टीम वर्क और समन्वित कार्यशैली अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मिशन संचालन के शॉर्ट-टर्म, मिड-टर्म और लॉन्ग-टर्म गोल्स पर समान ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

सरकार दिव्यांगजन सशक्तीकरण के लिए पूरी तरह समर्पित

अमृत विचार, लखनऊ: पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास, पुनर्वास और आत्मनिर्भरता के प्रति निष्ठा से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समावेशी एवं सुलभ समाज के निर्माण हेतु राज्य सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम लगातार मजबूत हो रहे हैं। मंत्री ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी संस्थाओं, प्रतिभागियों और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री, शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने दिव्यांगजन सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 व्यक्तियों, संस्थाओं, नियोक्ताओं और श्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारियों को राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किए। 03 से 05 दिसम्बर तक आयोजित इस कार्यक्रम में जागरूकता रैलियां, परिचर्चाएं, स्वास्थ्य शिविर, सहायक उपकरण वितरण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं कौशल विकास गतिविधियां आयोजित की गईं।

अवैध नशे पर सरकार का प्रहार, प्रदेश भर में दर्ज हुई 128 फर्मों पर एफआईआर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कोडीनयुक्त कफ सिरप व नॉरकोटिक दवाओं के संगठित दुरुपयोग पर सरकार सख्त
- अबतक लाखों की अवैध दवाएं जब्त, आधा दर्जन से अधिक आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार: प्रदेश में अवैध नशे के कारोबार पर योगी सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए कोडीनयुक्त कफ सिरप और नॉरकोटिक दवाओं के संगठित दुरुपयोग पर कड़ा प्रहार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एएनटीएफ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की संयुक्त कार्रवाई में 128 फर्मों पर एफआईआर दर्ज की गई है, जबकि लाखों रुपये मूल्य की अवैध दवाएं जब्त की गई हैं। अब तक आधा दर्जन से अधिक आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

सरकार ने अवैध, नकली और नशे के रूप में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर लगाम कसने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 8756128434 भी जारी किया है, जिस पर आम नागरिक सूचना दे सकेंगे। अभियान के दौरान सबसे अधिक वाराणसी में 38, जौनपुर में 16, कानपुर नगर में 8, गाजीपुर में 6, लखीमपुर खीरी में 4 और लखनऊ में 4 एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, प्रदेश के अन्य 22 जिलों में कुल 52 मामले दर्ज किए गए हैं। कुल मिलाकर 28 जिलों में 128 एफआईआर की कार्रवाई अवैध नशे के नेटवर्क पर बड़ी चोट मानी जा रही है।

दर्जनों मेडिकल स्टोरों पर बिक्री पर रोक

- आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि विशेष अभियान के तहत प्रदेशभर में प्रतिष्ठानों पर व्यापक निरीक्षण किया गया। लाखों की संदिग्ध दवाएं जब्त की गईं और दो दर्जन से अधिक मेडिकल स्टोर्स पर कोडीनयुक्त सिरप एवं नॉरकोटिक औषधियों की बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई। उन्होंने कहा कि संदिग्ध दवा आपूर्ति, अवैध भंडारण और बिना बिल के बिक्री की जांच तेज की गई है। कई मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की गई है।

अवैध दवा कारोबार पर सख्त निगरानी

- सरकार ने साफ किया है कि युवाओं को नशे की चपेट में धकेलने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। कोडीन-आधारित दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए ट्रांसपोर्ट, स्टॉक और बिक्री पर एकीकृत निगरानी तंत्र तैयार किया गया है। एफएसडीए और एएनटीएफ की टीमों द्वारा की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई से अवैध नशे का नेटवर्क काफी हद तक कमजोर हुआ है। आने वाले दिनों में और जिलों में भी जांचतेजकीजाएगी।

अमित और आलोक को भेजी गई थी करोड़ों की कफ सिरप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसटीएफ ने 22 माह पहले सुशांत गोल्फ सिटी से की थी बरामद

अमृत विचार: सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में 22 माह पूर्व पिछले वर्ष फरवरी में करोड़ों रुपये की फेंसेडिल कफ सिरप बरामद की गई थी। यह कफ सिरप शुभम जायसवाल ने बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह व उसके साथी अमित सिंह टाटा के लिए भेजी थी। जिसे पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश में तस्करी कर पहुंचाना था। एसटीएफ और एफएसडीए की टीम ने सिरप पकड़ लिया। शुरूआती दौर में जांच की गई तो अमित का नाम सामने आया। पर, शुभम और आलोक सिंह की भूमिका नहीं मिली।

जांच आगे बढ़ी तो आलोक सिंह का नाम सामने आया। इसकी पुष्टि नहीं हो रही थी कि वह आलोक बर्खास्त सिपाही है। पर, विभोर राणा व साथी की गिरफ्तारी के बाद इसकी पुष्टि हुई।

पूर्व बाहुबली सांसद का करीबी होने की वजह से आलोक पर कार्रवाई नहीं हुई। इस बीच ही गाजियाबाद में कफ सिरप की सप्लाई को लेकर मामला दर्ज हुआ। जांच बढ़ी तो अमित टाटा और आलोक के बारे में पता चला। अब तक एबॉड कम्पनी की इस फेंसेडिल सिरप पर रोक लगा दी गई थी। कम्पनी ने भी दिसम्बर 2024 में उत्पादन बंद कर दिया था। इसके बाद भी सिरप की सप्लाई बड़े पैमाने पर फर्जी कम्पनियों के जरिए बांग्लादेश तक की जाती रही। जांच में कई साक्ष्य मिलने पर एसटीएफ ने अमित टाटा को गिरफ्तार किया तो उसने सबकी पोल खोल दी। मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल ने आलोक के नाम पर धनबाद और वाराणसी में दर्ज कराई दो फर्मों के नाम पर इस सिरप की सप्लाई जारी रखी। इसके लिए फर्जी दस्तावेज और फर्जी ई-बिल लगाने के साक्ष्य भी मिल चुके है। अब एसटीएफ एक साल पहले सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज मुकदमे से जुड़े दस्तावेज खंगाल रही है।

प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों को दलित समाज का पोस्टर दिखाते सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, राष्ट्रीय सचिव एवं मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी, सांसद आर. के. चौधरी और मिठाई लाल भारती। अमृत विचार

आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा निरस्त करना अलोकत्रांतिक

- **अमृत विचार, लखनऊ:** डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर समाजवादी बाबा साहेब अम्बेडकर वाहिनी द्वारा 06 दिसंबर को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रस्तावित श्रद्धांजलि सभा पर राज्य सरकार के निर्देश पर रोक लगा दी गयी है। जिसके बाद सपा नेताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि हम सपाई हर जगह परिनिर्वाण दिवस मनाएंगे, बाबा साहब की मूर्तियों पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने प्रस्तावित कार्यक्रम आवंटन अचानक निरस्त किए जाने को अलोकतांत्रिक और बाबा साहेब के प्रति दुर्भावनापूर्ण व्यवहार करार देते हुए कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के दबाव में पुलिस-प्रशासन द्वारा कार्यक्रम रद्द किये जाने की सूचना तानाशाही और अलोकतांत्रिक कृत्य है। भाजपा सिर्फ वोट के लिए बाबा साहेब का नाम लेती है। हम जनता के बीच जाएंगे।

'स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट' से औद्योगिक विकास को रफ्तार: योगी

मुख्यमंत्री ने की इन्वेस्ट यूपी के सभी कंट्री डेस्क की समीक्षा, एफडीआई बढ़ाने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ललितपुर फार्मा पार्क व प्लग-एंड-प्ले मॉडल के साथ नियमित अंतराल पर हो कॉन्फ्रेंस

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ''स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट'' से ही औद्योगिक विकास की रफ्तार और तेज होगी। यूपी अब निवेश की संभावना नहीं, बल्कि निवेश के भरोसे का राज्य बन चुका है। ऐसे में निवेश को लेकर किसी भी स्तर पर देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर निवेशक को फास्ट ट्रैक सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने आवास पर शुक्रवार को प्रदेश में विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों को स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन्वेस्ट यूपी के सभी कंट्री डेस्क संवाद बढ़ाएं और नियमित अंतराल पर राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस करें। उन्होंने इन्वेस्ट यूपी की टीम से कहा कि हर निवेशक के साथ एकल संपर्क बिंदु तय हो, ताकि उसे प्रणाली में भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री ने उद्योगों को गति देने के लिए 'प्लग एंड प्ले' मॉडल पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि निवेशक को पहले दिन से तैयार अवसंरचना मिलेगी, तो वह तेजी से काम शुरू कर सकेगा और यही मॉडल प्रदेश को अन्य राज्यों से आगे ले जाएगा।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां कंपनियों के कॉरपोरेट और मुख्यालय खोलने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण को लेकर यह भी निर्देश दिए कि वहां आवश्यक मानव संसाधन की कमी न रहे। बैठक में बताया गया कि जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर और खाड़ी देशों के डेस्क सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं तथा निवेशकों के साथ 100 से अधिक वन-टू-वन बैठकें हो चुकी हैं। खाड़ी देशों के साथ छह गोलमेज बैठकों में 83 कंपनियों के साथ संवाद स्थापित हुआ और करीब 5,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव मिले।

मुख्यमंत्री ने ललितपुर फार्मा पार्क के अवसंरचना कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई बड़ी कंपनियों ने रुचि दिखाई है, इसलिए जमीन, बिजली और पानी की उपलब्धता में कोई बाधा नहीं रहनी चाहिए। जापान डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि डेंसो की ब्राउनफील्ड परियोजना पर कार्य आगे बढ़ रहा है, जबकि 125 जापानी कंपनियों के साथ फॉलोअप जारी है। टोयोटा, सुमितोमो और मारुबेनी जैसे समूहों के साथ भी लगातार संवाद है। जापान डेस्क के लिए 20,000 करोड़ रुपये निवेश लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

ताइवान डेस्क के संबंध में मुख्यमंत्री ने प्रयास और तेज करने के निर्देश दिए। 40 कंपनियां चिन्हित की गई हैं और लगभग 100 करोड़ रुपये के निवेश की पाइपलाइन तैयार है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र को इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां एचसीएल-फॉक्सकॉन का 3,700 करोड़ रुपये का निवेश महत्वपूर्ण है। कानपुर को टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी व स्पोर्ट्सवेयर केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना भी प्रस्तुत की गई। दक्षिण कोरिया डेस्क के अंतर्गत सैमसंग, एलजी, केएच वेटेक और ड्रीमटेक से निवेश प्रस्तावों पर बातचीत आगे बढ़ रही है। एलजी का 850 करोड़ और लोट्टे समूह का 400 करोड़ का निवेश प्रक्रियाधीन है। सिंगापुर के टेमासेक, डीबीएस, कैपिटललैंड-असेंडास और सेम्बकॉर्प जैसी कंपनियों ने भी रुचि जताई है।

683 मिलियन डॉलर का हुआ यूपी में एफडीआई

- बैठक में अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के सितंबर तक यूपी में 683 मिलियन डॉलर का एफडीआई आया है। अक्टूबर 2019 से प्रदेश का कुल संचयी विदेशी निवेश 2,754 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। चालू अवधि में 5,963 करोड़ रुपये का एफडीआई प्रवाह दर्ज हुआ है, जो प्रदेश में बढ़ते निवेश विश्वास को दर्शाता है।

88 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों की झड़ी

- एफडीआई-एफसीआई-फॉर्च्यून 500 नीति-2023 के तहत 11 कंपनियों ने 13,610 करोड़ रुपये के प्रस्ताव दिए हैं, जबकि 22 आवेदनों के माध्यम से 17,810 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। 56 हजार करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े 29 आवेदन पाइपलाइन में हैं। जापान, अमेरिका, बेल्जियम, यूके, पोलैंड और सिंगापुर यूपी के प्रमुख निवेश साझेदार हैं।

पौधरोपण में घोटाले की परतें खुलीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मथुरा के मांट रेंजर निलंबित, कई रेंज संदेह के घेरे में

अमृत विचार: प्रदेश में हरियाली बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे बड़े पौधारोपण अभियान में गड़बड़ियों का सिलसिला खुलने लगा है। शासन को भेजी गई रिपोर्टों में कई रेंजों में पौधारोपण के दावे झूठे पाए गए हैं और जमीन पर पौधों की संख्या बेहद कम मिली है। सबसे गंभीर मामला मथुरा के मांट रेंज में सामने आया, जहाँ 12,500 पौधों के रोपण का दावा था, पर निरीक्षण में कुछ सौ पौधे ही जीवित मिले। औचक जांच में सामने आए तथ्यों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए मांट रेंजर बुद्धप्रिय गौतम को निलंबित किया गया है। संबंधित एसडीओ को भी हटाया गया है।

वन मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना के निरीक्षण में पता चला कि कई स्थानों पर गड्ढे तो खोदे गए, लेकिन पौधे लगाए ही नहीं गए। जहाँ लगाए गए, वहाँ संरक्षण और सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं मिल सकी। पौधारोपण की वास्तविकता और रिपोर्ट में भारी अंतर मिलने के बाद विभागीय स्तर पर जांच समिति गठित की गई है। समिति खर्च, पौधों की संख्या, जीवितता दर और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच करेगी।

सूत्रों के अनुसार यह मामला सिर्फ एक रेंज तक सीमित नहीं रहेगा। कई जिलों से मिली रिपोर्टों में भी बड़े स्तर पर अनियमितताओं के संकेत हैं। शासन अब सभी पौधारोपण स्थलों की थर्ड पार्टी सर्वे कराने पर विचार कर रहा है।

मांट रेंज में बड़ा फर्जीवाड़ा

- **दावा:** 12,500 पौधे लगाए गए
- **मिला:** कुछ सौ पौधे ही जीवित
- कई स्थानों पर पौधे लगाए ही नहीं गए
- संरक्षण व सिंचाई की व्यवस्था पूरी तरह नदारद
- रेंजर निलंबित, एसडीओ हटाए गए

प्रदेशभर में होगी जांच

- कई रेंजों की रिपोर्टों में गड़बड़ियों के संकेत
- पौधारोपण के नाम पर बजट खर्च की जांच
- थर्ड पार्टी इवैल्यूएशन लागू करने की तैयारी
- फोटो जियो-टैगिंग और मास सर्वे अनिवार्य करने की योजना
- फर्जी रिपोर्टिंग पर तत्काल निलंबन और प्राथमिकी के निर्देश

ऋण और उद्यम स्थापना में जटिलता न आए : सीईओ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पीएमईजीपी राज्य स्तरीय कार्यशाला में रोजगार सृजन को नई दिशा
- कार्यक्रम में अधिकारियों और बैंकिंग प्रतिनिधियों ने की सहभागिता

अमृत विचार: यूपी खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शिशिर कहा कि पीएमईजीपी राज्य में स्वरोजगार और सूक्ष्म उद्यमों के विकास का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है।

उन्होंने अधिकारियों और बैंकों को निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों को समय से ऋण उपलब्ध हो और उद्यम स्थापना में किसी प्रकार की जटिलता न आए। वे शुक्रवार को आईसीएमआरटी, लखनऊ में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) को प्रदेश में और प्रभावी बनाने तथा युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं राज्य निदेशक, विभागीय अधिकारी तथा अग्रणी बैंकिंग संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यशाला का उद्देश्य पीएमईजीपी के तहत उद्यमियों को उपलब्ध सुविधाओं, ऋण प्रक्रियाओं, अनुदान प्रावधानों और परियोजना स्थापना के नए मॉडल पर विस्तृत चर्चा करना था। राज्य निदेशक ने बताया कि पीएमईजीपी के माध्यम से हजारों युवाओं को रोजगार उपलब्ध हुआ है और राज्य सरकार इस योजना को और व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यूपी खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शिशिर व अन्य।

मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र की नींव: धर्मपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- संगठन महामंत्री ने की एसआईआर अभियान की समीक्षा, कार्यकर्ताओं को हर घर तक पहुंचने के निर्देश

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को आगरा और मथुरा जिले व महानगर के मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की समीक्षा की। बैठक में अभियान जिला संयोजक, मंडल अध्यक्ष, बीएलए-1 और अन्य संगठन पदाधिकारियों ने भाग लिया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया लोकतंत्र का जनजागरण है। एसआईआर केवल प्रशासनिक गतिविधि नहीं, बल्कि चुनावी प्रक्रिया को प्रमाणिक और भरोसेमंद बनाने का आधार है। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक तालमेल, तकनीकी दक्षता और निरंतर मॉनीटरिंग से यह अभियान जन-भागीदारी का आंदोलन बना है। उन्होंने निर्देश दिया कि बीएलए-1, बीएलए-2 और बूथ प्रवासी बूथ अध्यक्षों के साथ समन्वय बनाकर हर मतदाता तक पहुँच सुनिश्चित करें।

जानकारी देते धर्मपाल सिंह।

अबतक के एसआईआर का आंकड़ा सार्वजनिक करें

- **अमृत विचार, लखनऊ:** सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उप्र. में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) पर सवाल उठाते हुए राज्य निर्वाचन आयोग से पूंछा है कि यूपी में कितने प्रतिशत एसआईआर हुआ है, आंकड़ा प्रकाशित किया जाए। इसके अलावा उन्होंने भाजपा सरकार पर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्ग के लोगों के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर हटाने की साजिश करने के आरोप लगाए हैं। सपा प्रमुख ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट के जरिए एसआईआर को लेकर सत्ताधारी दल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीएलओ के साथ अतिरिक्त अधिकृत लोगों को समयावधि के अनुरूप इस काम पर लगाया जाए। साथ ही कहा कि जांच होने चाहिए कि हर विधानसभा में पीडीए समाज के कितने लोगों को वोटर लिस्ट से नाम हटाने की साज़िश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ़ मतदाता सूची का मामला नहीं, बल्कि लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने कहा कि सपा कार्यकर्ता हर बूथ पर नजर रख रहे हैं और किसी भी तरह की गड़बड़ी को बर्दाशत नहीं की जाएगी।

स्वास्थ्य | प्रदेश सरकार ने बजट को दी मंजूरी, आधुनिक उपकरणों से लैस होंगे अस्पताल

13 .46 करोड़ से 20 सरकार अस्पतालों में बढ़ाई जाएंगी सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के 20 अस्पतालों को सरकार ने बजट की संजीवनी प्रदान की है। करीब 13 करोड़ 46 लाख रुपये के मंजूर किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि आधुनिक उपकरणों से अस्पतालों को लैस करने के लिए क्रय प्रक्रिया जारी है।

उन्होंने बताया कि जांच की व्यवस्था को बेहतर करने के लिए डिजिटल एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड मशीनें क्रय की जाएगी। छोटे चीरे से मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए फेको मशीन स्थापित की जाएगी। इससे मरीजों को कम समय अस्पताल में गुजारना होगा। ऑपरेशन की सफलता दर में भी वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि इन अस्पतालों के लिए सात करोड़ पैंतालीस लाख तेरह हजार छह सौ पैंसठ रुपये की मंजूरी प्रदान की गई है।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि मिर्जापुर में नवनिर्मित 50 बेड के अस्पताल में आंखों की बीमारियों का सटीक इलाज हो सकेगा। इसके लिए अस्पताल में नेत्र रोग विभाग स्थापित किया जा रहा है।

भवन निर्माण पूर्ण है लेकिन ऑपरेशन थियेटर निर्माणाधीन है। आधुनिक व उच्चीकृत उपकरणों के लिए छह करोड़ एक लाख 82 हजार 521 रुपए की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

लखनऊ के चार अस्पतालों के लिए भी धनराशि स्वीकृत

- लखनऊ के चार अस्पतालों के लिए भी बजट मंजूर किया गया है। बलरामपुर चिकित्सालय के लिए एक करोड़ 09 लाख 79 हजार 887 रुपये, रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय के लिए 26 लाख 46 हजार 066 रुपये, श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय के लिए 32 लाख 64 हजार 280 रुपये और लोकबन्धु संयुक्त चिकित्सालय के लिए 27 लाख 75 हजार 943 रुपये के बजट मंजूर किए गए हैं।

महोबा जिला अस्पताल को भी मिले 30 लाख रुपये

- महोबा के जिला चिकित्सालय को 29 लाख 98 हजार 739 रुपये, झांसी जिला चिकित्सालय एक करोड़ 42 लाख 42 हजार 312 रुपये, गाजियाबाद के जिला संयुक्त चिकित्सालय को 26 लाख 83 हजार 961 रुपये, गाजियाबाद के एमएमजी जिला चिकित्सालय को 18लाख 83 हजार 961 रुपये से उच्चीकृत किया जाएगा। गाजियाबाद जिला महिला चिकित्सालय आठ लाख, गाजियाबाद लोनी के 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय को 27लाख 44 हजार 250 रुपये, गाजियाबाद डूडाहेड़ा स्थित 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय 27 लाख 44 हजार 250 रुपये, बुलन्दशहर खुर्जा के एलएसपीजी चिकित्सालय को 20 लाख रुपये, मऊ जिला चिकित्सालय को 20 लाख रुपये से संवारा जाएगा।

बीघापुर व बिधूना के सौ शैय्या अस्पताल के लिए भी धनराशि स्वीकृत

- प्रयागराज के मोती लाल नेहरू मण्डलीय चिकित्सालय को 54 लाख 48 हजार 301 रुपये, बरेली के जिला महिला चिकित्सालय को आठ लाख 68 हजार 274 रुपये, मुरादाबाद के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय को 80 लाख 98 हजार 414 रुपये,औरैया के बिधूना स्थित 50 शैय्यायुक्त डॉ. राम मनोहर लोहिया नेत्र चिकित्सालय को 31 लाख 12 हजार 943 रुपये और उन्नाव जिले के बीघापुर 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय को 23 लाख 34 हजार 201 रुपये के बजट को मंजूरी मिली है। लखीमपुर ओयल के ट्रॉमा सेंटर आठ करोड़ 82 हजार 999 रुपये और फर्रुखाबाद का डॉ. राम मनोहर लोहिया महिला चिकित्सालय 20 लाख 44 हजार 884 रुपये से अपग्रेड किया जाएगा।

खूब खरीदारी के बावजूद 320 करोड़ रुपये कम मिला जीएसटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: त्योहारी सीजन में जमकर खरीदारी होने के बाद भी प्रदेश जीएसटी राजस्व में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। वित्त विभाग द्वारा जारी नवंबर के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में हुए कारोबार से राज्य को मिलने वाला जीएसटी राजस्व इस वर्ष 320 करोड़ रुपये कम रहा। नवंबर 2025 में जीएसटी से 7472.59 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जबकि नवंबर 2024 में यह आंकड़ा 7793.48 करोड़ रुपये था। जीएसटी राजस्व में आई गिरावट को सीधे जीएसटी दरों में की गई कमी से जोड़ा जा रहा है। नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहार बाजार में भारी भीड़ और खरीदारी देखी गई।

करों से हुई प्राप्ति करोड़ रुपये में

राज्य कर का नाम	नवंबर 2024	नवंबर 2025
जीएसटी	7793 .48	7472 .59
वैट	2685 .19	2830 .85
आबकारी	4071 .27	4486 .50
स्टांप एवं निबंधन	2263 .77	2585 .62
परिवहन	1205 .28	1208 .46
भूतत्व व खनिकर्म	370 .81	413 .84
कुल योग	18,389 .80	18,997 .86

दरें घटने से बाजार में मांग में इजाफा : वित्त मंत्री

- वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि जीएसटी दरों में कमी से जनता को सीधा लाभ मिला है और इससे बाजार में खरीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि दरें घटने से बाजार में मांग में इजाफा हुआ है। आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। जीएसटी में कमी के बावजूद अन्य कर मदों के बेहतर प्रदर्शन की वजह से नवंबर 2025 में कुल कर एवं करेतर राजस्व 18,997 .86 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष नवंबर के 18,389 .80 करोड़ रुपये की तुलना में 608 .06 करोड़ रुपये अधिक है।

न्यूज ब्रीफ

चोरी की रिपोर्ट के लिए पुलिस ने दौड़ाया

अमृत विचार, आशियाना : थाना क्षेत्र के बिजली पासी किला चौराहा स्थित पुष्पा देवी वाइन शॉप से आईटी सेक्टर में कार्यरत अंजली सिंह निवासी आलमबाग का मोबाइल 17 नवंबर को चोरी हो गया। दुकान के सीसीटीवी कैमरे में आईफोन उठाते हुए एक युवक कैद हुआ। पीड़िता रिपोर्ट दर्ज कराने के दौड़ती रही। अधिकारियों के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। पीड़िता ने बताया कि उन्होंने पहले पास की पुलिस चौकी में शिकायत की, वहां से उन्हें आशियाना थाने भेज दिया गया। थाने में मौजूद सब-इंस्पेक्टर ने सीसीटीवी देखने के बाद भी मामले को साइबर सेल में डालकर टाल दिया। 24 नवंबर तक न तो एफआईआर दर्ज हुई और न ही किसी अधिकारी ने उनसे संपर्क किया। अंजलि ने बताया कि मोबाइल में ऑफिस की महत्वपूर्ण फाइलें थीं और 27 नवंबर को उनकी बंगलुरु वापसी की फ्लाइट थी, लेकिन कार्रवाई में ढिलाई के कारण उन्हें भारी तनाव झेलना पड़ा।

मायके के मायके जाने पर फंदा लगा दी जान

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सीफ़तनगर गांव में पत्नी के मायके जाने पर पति ने फंदा लगाकर जान दे दी।पुलिस के अनुसार सीफ़तनगर गांव का रहने वाला पंकज यादव (23) शुक्रवार की सुबह काफी देर तक अपने कमरे से बाहर नही निकला। परिजन ने जाकर कमरे में देखा तो उनके होश उड़ गए। क्योंकि कमरे में लगे हुक से चादर के सहारे पंकज का शव लटका हुआ था। जिसकी सूचना परिजन ने पुलिस को दी। कमरे का पल्ला तोड़ कर शव को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक परिजन ने बताया कि मृतक की शादी लगभग दो वर्ष पूर्व रायबरेली जिले की रहने वाली वंदना के साथ हुई थी। किन्तु पति नशे का आदी था। इसी कारण पत्नी चार माह की बेटी को लेकर मायके चली गई थी। वहीं 30 नवंबर को पंकज नशामुक्ति केंद्र से घर पहुंचा था। जिसके बाद शुक्रवार की सुबह उसका पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद उसने कमरे में जाकर जान दे दी। इंस्पेक्टर गोसाईगंज दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दो शादी की बात छिपा पति ने रचायी तीसरी

अमृत विचार, सरोजनीनगर : स्थानीय थाने में महिला ने पति पर धोखा देकर उससे तीसरी शादी करने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करायी है। आरोप है कि कम दहेज का ताना देकर उसे पीटा गया। नौकरानी की तरह काम कराया गया। विरोध पर पिटाई कर घर से बाहर कर दिया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय में गुहार के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर राजदेव प्रजापति ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। एलडीए कॉलोनी सेक्टर-एफ निकिता की शादी 8 जून 2020 को आर्य समाज पद्धति से हृदेश महाजन के साथ हुई थी। विवाह के कुछ दिनों बाद से ही पति और सास आशा महाजन ने कम दहेज लाने का ताना देकर प्रताड़ित करना शुरु कर दिया। आरोप है कि ससुरालवाले गाली-गलौज कर बेइज्जत करते हुए नौकरानी की तरह काम कराते और भूखा रखते थे। पीड़िता ने बताया कि कुछ वक्त बाद जानकारी मिली कि पति हृदेश ने उसे बिना बताए पूर्व में दो विवाह और किए थे। पीड़िता ने कागजात दिखाने की मांग की तो पति और उसकी मां हमेशा बहाना बनाकर टालते रहे। आरोप है कि 22 अप्रैल 2022 को पति और सास ने मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। तब से वह अपनी मां के साथ रह रही है।

टक्कर के बाद बेकाबू कार पलटी, दो कारों से टकराई, 10 लोग घायल

कार सवार पांचों परीक्षार्थी कानपुर से परीक्षा देने आ रहे थे इंट्रीगल विवि, घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती, एक की हालत गंभीर

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार: आउटर रिंग रोड पर स्थित इंदौराबाग में शुक्रवार दोपहर बेकाबू स्विफ्ट कार डिवाइडर पर चढ़ कर सड़क की दूसरी पट्टी पर पहुंच गई। दूसरी लेन में दो कारों को टक्कर मार कर बेकाबू कार पलटकर 100 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में स्विफ्ट सवार कानपुर के पांच परीक्षार्थी घायल हो गए। वह इंटीग्रल विश्वविद्यालय परीक्षा देने जा रहे थे। इसके अलावा दो अन्य कारों में सवार प्रापर्टी डीलर समेत पांच लोग घायल हुए। एक घायल की हालत नाजुक बनी हुई है।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार। अमृत विचार

कार को सीधा करने का प्रयास करते लोग। अमृत विचार

इंस्पेक्टर बीकेटी संजय कुमार सिंह ने बताया कि कार सवार घायलों में कानपुर के शिवराजपुर निवासी कार्तिकेय (27), रामादेवी निवासी मिथलेश (32), प्रेमनगर बजरिया की सना (26), नवाबगंज की शिवांगी श्रीवास्तव (30), बर्रा के हर्षित कटियार (27) हैं। स्विफ्ट सवार पांचों परीक्षार्थी कानपुर से गुडंबा कुर्सी रोड पर इंटीग्रल विवि में आयोजित परीक्षा देने जा रहे थे। हादसे के दौरान कार कार्तिकेय चला रहा था। कट मारने से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़कर सड़क की दूसरी पट्टी पर जाकर पलट कर दो अन्य कारों से टकराते हुए 100 मीटर तक घिसटती चली गई।

हादसे में कार सवार पांचों परीक्षार्थियों समेत दो अन्य कारों में सवार पांच लोग भी घायल हो गए। हादसा देख मदद के लिए दौड़े राहगीरों ने डॉयल-112 पर सूचना दी। राहगीरों ने कार में फंसे लोगों को निकालना शुरू किया। इस बीच पुलिस टीम भी पहुंच गई। कार में फंसे घायलों को निकालकर सौ शय्या संयुक्त चिकित्सालय लेकर जाया गया। जहां से हालत गंभीर देख कई को ट्रामा रेफर कर दिया गया।

इसके अलावा दूसरी कार सवार घायलों में जानकीपुरम निवासी त्रिलोकी (30), कल्याणपुर निवासी विजय सिंह (45), गडरियन पुरवा निवासी प्रॉपर्टी डीलर गोविंद गौतम (43) और तीसरी कार में सवार दो युवकों को मामूली चोटे आयी। कार सवार तीनों लोग काकोरी के काकराबाद जा रहे थे। घायलों में प्रॉपर्टी डीलर गोविंद गौतम की हालत गंभीर बताई जा रही है। ट्रामा सेंटर में उन्हें भर्ती कर लिया गया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि अभी इस मामले में तहरीर नहीं मिली है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। दोनों कार को कब्जे में ले लिया गया है।

मंदिर से कीमती सामान चोरी

अमृत विचार, सरोजनीनगर: बंथरा में बुधवार रात चोरों ने मंदिर से कीमती सामान चोरी कर लिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों के सहारे जांच कर रही है। बंथरा के धावापुर मजरा खसरवारा गांव निवासी फतेह बहादुर ने बताया कि 3 दिसंबर की रात चोरों ने गांव के बाहर स्थित शीतला मंदिर में घुसकर पायल, छत्र, मछली-स्वस्तिक चेन, तीन सोने के लॉकेट लगी माला, मंगलसूत्र, पीतल का लड्डू गोपाल, एक बड़ा घंटा और चार छोटे घंटे चोरी कर ले गए। गुरुवार सुबह गांव के लोग पूजा करने पहुंचे तो मंदिर का सामान बिखरा मिला, जिसके बाद इसकी सूचना डायल 112 नंबर पर दी गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने मौके की छानबीन कर रिपोर्ट दर्ज कर ली।

दृष्टिहीन चाचा की गोली मारकर हत्या

दूसरे भतीजे की तहरीर पर आरोपी पिता-पुत्र पर रिपोर्ट, एक हिरासत में

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार: दुबग्गा स्थित टांडखेड़ा में शुक्रवार शाम जन्मांध चाचा की भतीजे ने अपने बेटे के साथ मिलकर गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर दोनों बाइक से भाग निकले। शुरुआती जांच में वारदात के पीछे 12500 रुपये हर महीने की पेंशन और जमीन का विवाद सामने आया है। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव मौके पर छानबीन की। ममेरे भाई की तहरीर पर पुलिस ने पिता और पुत्र के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली।

चार माह पूर्व बेची थी चार बिसवा जमीन

- मृतक की मां अशोका ने मायके में अपने हिस्से की चार बिसवा जमीन करीब चार महीने पहले बेच दी थी। इसकी जानकारी बड़े बेटे नरेंद्र को नहीं थी। दो माह पहले भतीजा जितेंद्र दोनों को लेने के लिए आया था उन्होंने जाने से मना कर दिया। इस पर विवाद भी हुआ था। बताया जा रहा है कि आरोपी पिता-पुत्र हत्या की नियत से ही आए थे। वीरेंद्र को देख घर चलने को कहा। मना करने पर गोली मार दी।

टांड़खेड़ा निवासी कपिल यादव ने बताया कि मानकनगर के मेहंदी खेड़ा निवासी चाचा वीरेंद्र यादव उर्फ डोंगा (48) जन्मजात दृष्टिहीन थे। वह छह महीने से मां अशोका देवी के साथ टांड़खेड़ा स्थित ननिहाल में रह रहे थे। शुक्रवार शाम वह सुरेश के घर के बाहर बनी पानी की हौदिया की दीवार पर बैठकर आग ताप रहे थे। इस दौरान उनका सगा भतीजे जितेंद्र यादव उर्फ अन्नू अपने बेटे चिराग के साथ बाइक से वहां पहुंचा। बाइक पर पीछे बैठे जितेंद्र ने तमंचा निकालकर वीरेंद्र के सीने पर गोली मार दी।

पुलिस ने छानबीन में पता चला कि वीरेंद्र का भाई नरेंद्र से जमीन का विवाद चल रहा था। नरेंद्र की प्रताड़ना से तंग आकर मां अशोका देवी बेटे वीरेंद्र को लेकर मायके में रहने लगी थी। शुक्रवार को नरेंद्र का बेटा जितेंद्र व पौत्र चिराग बाइक से वीरेंद्र के घर पहुंचा। बाइक चिराग चला रहा था। दोनों ने हेल्मेट पहन रखा था। फायरिंग होने पर जानवरों को चारा पानी कर रही प्रीति ने शोर मचाया तो नरेंद्र ने असलहा तानकर जान से मारने की धमकी दी और फिर बेटे संग बाइक से भाग निकला। मृतक के ममेरे भाई कपिल ने पिता-पुत्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव और एसीपी काकोरी शकील अहमद ने घटनास्थल पर जाकर जांच की। पुलिस एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

जल्द गणना प्रपत्र भरकर जमा करें

कार्यालय संवाददात, लखनऊ

अमृत विचार : जिला निर्वाचन अधिकारी विशाख जी ने शुक्रवार को विधानसभा-171 सरोजनी नगर के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण करके गणना प्रपत्रों का कलेक्शन और फीडिंग की प्रगति देखी। मतदाताओं से जल्द गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बीएलओ के पास जमा करने की अपील की।

उन्होंने प्राथमिक विद्यालय सरसवां के बूथ 511, 512, 513, 514, 515, 513 एवं प्राइमरी स्कूल अर्जुनगंज के बूथ संख्या 518, 519, 520, 521 एवं 522 का स्थलीय निरीक्षण करके निर्वाचन संबंधी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। संबंधित बूथ लेवल अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। इसके बाद सेक्टर 9 वृन्दावन योजना स्थित लखनऊ पब्लिक स्कूल के बूथ संख्या 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421 एवं 422 का भी निरीक्षण किया। गणना प्रपत्र के कलेक्शन और फीडिंग की प्रगति का जानी। बूथ लेवल अधिकारी ने बताया कि मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र भरकर जमा करा रहे हैं।

विधानसभा-171 सरोजनी नगर क्षेत्र में बूथ पर निर्वाचन कार्यों की जानकारी करते जिला निर्वाचन अधिकारी विशाख जी। अमृत विचार

महिला प्रोफेसर के उत्पीड़न केस में आरोपी डॉक्टर बरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में महिला प्रोफेसर द्वारा जूनियर डॉक्टर पर लगाए गए उत्पीड़न के आरोपों की जांच पूरी हो गई है। सात सदस्यीय विशाखा कमेटी को जांच के दौरान आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सुबूत नहीं मिले, जिसके बाद आरोपी डॉक्टर को क्लीन चिट दे दी गई है। पूरी रिपोर्ट राज्य महिला आयोग को भेजी जाएगी।

प्रकरण में महिला प्रोफेसर ने विभागीय परचेज कमेटी की बैठक के बाद जूनियर डॉक्टर पर उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए थे। केजीएमयू से सुनवाई न होने पर मामले की शिकायत राज्य महिला आयोग में हुई थी। जिसके बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए केजीएमयू प्रशासन ने इसे विशाखा कमेटी को संदर्भित किया।

जांच टीम ने शिकायतकर्ता और आरोपी दोनों के बयान दर्ज किए। बैठक में मौजूद स्टाफ, विभागीय कर्मचारियों सहित कई लोगों से पूछताछ की गई। साथ ही, आरोपों वाली तारीख और समय के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, परंतु फुटेज में ऐसा कोई दृश्य नहीं मिला जो शिकायतकर्ता के दावों को पुष्ट करता हो।

नेहा राठौर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

विधि संवाददाता,लखनऊ

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पहलगाम में पर्यटकों का धर्म पूछकर हत्या करने के आतंकी हमले के पश्चात सोशल मीडिया पर कथित अनर्गल, धार्मिक व देश विरोधी पोस्ट करने की आरोपी लोक गायिका नेहा सिंह राठौर की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने माना है कि विवेचनाधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के दो सदस्यीय खंडपीठ के आदेश के बावजूद आरोपी विवेचना में सहयोग नहीं कर रही है। जबकि दो सदस्यीय खंडपीठ के उक्त आदेश के विरुद्ध उसकी विशेष अनुमति याचिका भी सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो चुकी है।

यह आदेश न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की एकल पीठ ने पारित किया है। आरोपी नेहा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पुरेंदू चक्रवर्ती ने दलील दी कि सोशल मीडिया पर की गयीं टिप्पणियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का विषय हैं। यह भी कहा गया कि यदि अभियोजन के पूरे कथानक से मामले में देश के एकता-अखण्डता को खतरे में डालने तथा देश के विरुद्ध विद्रोह की धाराएं नहीं लगाई जा सकतीं। अग्रिम जमानत का शासकीय अधिवक्ता डॉ. वीके सिंह ने विरोध करते हुए दलील दिया कि जब देश एक संवेदनशील स्थिति से गुजर रहा था तब 'भाजपा देश को युद्ध में झोंकना और हजारों सैनिकों की जान जोखिम में डालना चाहती है', जैसी टिप्पणियां आरोपी नेहा राठौर ने की। जिनमें पाकिस्तान से ध्यान हटा कर प्रधानमंत्री को कुसूरवार सिद्ध करने के दुष्प्रचार भी शामिल थे। इसी वजह से पाकिस्तान ने नेहा के सोशल मीडिया पोस्ट्स को भारत के खिलाफ दुष्प्रचार का हथियार बनाया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात पारित अपने निर्णय में कहा कि एफआईआर को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए, दो सदस्यीय खंडपीठ ने नेहा को 26 सितंबर की तिथि नियत कर विवेचनाधिकारी के समक्ष उपस्थित होने का आदेश दिया था।

मिट्टी की सेहत ही जीवन और कृषि उत्पादन का आधार है : शाही

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : 'विश्व मृदा दिवस' के अवसर पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उत्तर प्रदेश में 'धरती माता बचाओ अभियान' की शुरुआत की। उन्होंने किसानों और कृषि वैज्ञानिकों से स्वस्थ, लचीली और टिकाऊ कृषि व्यवस्था के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि मिट्टी की सेहत ही जीवन और कृषि उत्पादन का आधार है, और यदि इसकी गिरावट जारी रही तो वर्ष 2050 तक पृथ्वी की हरियाली गंभीर संकट में पड़ सकती है। उन्होंने 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्या' मंत्र का उल्लेख करते हुए पृथ्वी व मानव के संबंध पर बल दिया।

कृषि मंत्री शुक्रवार को निदेशालय में मृदा स्वास्थ्य एवं प्रबन्धन विषयक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे, उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 से लागू मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के अंतर्गत प्रदेश में कुल चार करोड़ सात लाख किसानों को निःशुल्क कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें 2015-2021 के बीच 3.77 करोड़ किसान तथा 2022-2025 के दौरान 30.6 लाख किसान शामिल हैं। वर्तमान में प्रदेश की 260 मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं, जिनमें से 59 एनएबीएल प्रमाणित हैं।

मैडम... यहां भी आइये, रामनगर में बसे हैं 'बाहरी'

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एलडीए ने बेचे थे भूखंड, भू-माफिया ने कब्जा करके बाहरी को बेचे
- 19 साल से आवंटी कब्जा पाने को लगा रहे चक्कर, जिम्मेदार मौन

अमृत विचार : एलडीए की राम नगर कॉलोनी में भी आइये महापौर मैडम... जहां 19 साल से बाहरी लोग आवंटियों के भूखंडों पर कब्जा करके बसे हैं। पक्के मकान बनाकर रिश्तेदार और परिचितों को बुलाकर कुनबा बढ़ा रहे हैं। घरों के अंदर से ही कारोबार करते हैं और धीरे-धीरे सरकारी जमीन पर कब्जा करके बढ़ रहे हैं। इनकी न कभी जांच हुई न ही कार्रवाई की गई। राजनीतिक संरक्षण भी इन्हें प्राप्त है और इसकी आड़ में यह बढ़ते जा रहे हैं और मूल आवंटी अपने भूखंड पाने की आस में चक्कर लगा रहे हैं।

इन दिनों शहर में बसे बांगलादेशी और रोहिंग्या की बस्तियों में जाकर महापौर सुषमा खर्कवाल खुद इनकी पड़ताल करके कार्रवाई कर रहीं है। यह देखते हुए ऐशबाग स्थित राम नगर कॉलोनी के आवंटियों उनके भूखंड पाने की आस जगी है और राम नगर से बाहरी को खदेड़ने की मांग की है। दरअसल, एलडीए ने वर्ष 1985 में 12 बीघा नजूल की जमीन लेकर वर्ष 2001 में तीन बीघा में राम नगर योजना बनाई थी। योजना वर्ष 2003 में लांच करके 900 व 1200 स्क्वायर फीट के 80 भूखंड लॉटरी करके बेच दिए। सभी की मूल आवंटियों ने 2006 में रजिस्ट्री करा ली। उनके काबिज होने से पहले एक भूमाफिया ने जमीन कब्जा करके बाहरी लोगों को बेच दी। उन्हीं भूखंडों पर धीरे-धीरे 40 से अधिक झुग्गी-झोपड़ी बनाकर परिवार रहने लगे और कबाड़, गैराज समेत अन्य कारोबार करने लगे। इनकी गतिविधियां भी संदिग्ध हैं।

जल्द एलडीए करेगा बड़ी कार्रवाई

- बाहरी को हटाने के तमाम प्रयास किए गए। पूर्व में मुनादी कराई गई और पुलिस फोर्स भी गया, लेकिन कभी पथराव तो कभी विरोध करके कामयाब नहीं होने दिया। इस वजह से मूल आवंटी अब तक काबिज नहीं हो पाए हैं। बिजली, पानी, सीवर लाइन, सड़क आदि कार्य कराने के लिए 1.80 करोड़ रुपये का टेंडर जारी हुआ था। यह कार्य भी लोगों ने होने नहीं दिए। इसी जुलाई में एलडीए के समाधान दिवस में आवंटियों द्वारा मंडलायुक्त से शिकायत करने पर कमेटी बनाकर सर्वे कराने के निर्देश दिए थे। इस पर एलडी की तरफ से बड़े स्तर पर कार्रवाई करने की तैयारी है।

घुसपैठियों को निकालने में अधिवक्ताओं को देना होगा योगदान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा विशेष पुनरीक्षण अभियान भारतीय लोकतंत्र की शुद्धता से जुडा हुआ है। भारतीय कानून व सख्त नियम बनाकर घुसपैठियों को देश से बाहर निकल कर राष्ट को बचाने में अधिवक्ताओं को महत्वपूर्ण योगदान देना होगा और राष्ट्र को बचाने की जिम्मेदारी है। भारत देश में करीब पांच करोड़ घुसपैठिये है। यह बातें बाबा साहेब डॉ. भीमराव राम आंबेडकर अधिवक्ता मिलन की ओर से आयोजित 'मतदाता पुनरीक्षण राष्ट्रहित में अनिवार्यता' विषयक गोष्ठी में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहीं।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि निष्पक्ष चुनाव के लिए अधिवक्ताओं को नागरिकों का सहयोग करते हुए मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक कारणों से पूर्व सरकारों में मतदाता सूची में अनियमितताएं रहीं और फर्जी नाम जोड़े जाते रहे। अपर महाधिवक्ता सूर्य मणि सिंह रैकवार और वरिष्ठ अधिवक्ता गिरीश चंद्र वर्मा ने कहा कि अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे अपने क्षेत्र के नागरिकों के फॉर्म सही ढंग से भरवाने में मदद करें और किसी भी फर्जी मतदाता की जानकारी बीएलओ को लिखित रूप से उपलब्ध कराएं, जिससे लोकतंत्र मजबूत हो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघ चालक कृष्ण मोहन ने कहा कि भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और कड़े कानूनों के क्रियान्वयन से निष्पक्ष और पारदर्शी मतदाता सूची सुनिश्चित की जा सकती है। कार्यक्रम का संचालन मिलन प्रमुख मृत्युंजय प्रताप सिंह ने किया।

कार्रवाई

एसटीएफ ने नोएडा के सूरजपुर इलाके से आठ लोगों को पकड़ा

होम लोन के नाम पर 100 करोड़ रुपये की ठगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 10 बैंकों को होम लोन कराने के नाम पर लगाया था चूना

अमृत विचारः यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने होम लोन के नाम पर 100 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। एसटीएफ के हाथ सरगना समेत आठ आरोपी लगे हैं। सभी आरोपी फर्जी आधार, पैन कार्ड व अन्य दस्तावेज तैयार कर बैंकों से रुपये लोन कराये थे। शुरुआती जांच में इस गिरोह ने 10 बैंक से 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने की बात सामने आई है। गिरोह के सदस्य इन रुपयों का बड़े व नामी बिल्डरों व प्रॉपर्टी डीलरों कुछ कारोबारियों के साथ मिलकर निवेश किया है। इसके लिए 220 बैंक खातों का प्रयोग किया है। जिसे फ्रीज करा दिया गया है।

एसटीएफ एएसपी राजेश कुमार मिश्रा के मुताबिक पकड़े गये आरोपियों में गाजियाबाद इंद्रापुरम का राजकुमार, दिल्ली शाहदरा का नितिन जैन, झारखंड का रहने वाला वर्तमान में नोएडा सेक्टर-78 का मो. वसी, बिहार का शमशाद आलम, गुरुग्राम का इंद्रकुमार कर्माकर, गाजियाबाद साहिबाबाद का अनुज यादव दिल्ली पटेलनगर वेस्ट का अशोक कुमार उर्फ दीपक जैन और संभल का ताहिर हुसैन शामिल है। एएसपी राजेश कुमार मिश्र ने बताया एसटीएफ की जांच में सामने आया कि गिरोह काफी लंबे समय से सक्रिय है। गिरोह के सदस्य फर्जी आधार, पैन और पहचान पत्र तैयार करता था और फर्जी प्रोफाइल बनाकर अलग-अलग नामों से होम लोन और पर्सनल लोन व एलआईसी लेता था। एसटीएफ की जांच में सामने आया कि गिरोह का चंडीगढ़, उत्तराखंड,दिल्ली और यूपी के कई बिल्डरों व कारोबारियों के साथ सांठगांठ है। इन सभी को फर्जी प्रोफाइल फंडिंग कराई है। इसकी भी जांच की जा रही है कि आखिर किसके कहने पर यह लोग फर्जी प्रोफाइल बनाकर इन सभी बड़े बिल्डरों व कारोबारियों को फंडिंग कर रहे थे। इसमें बैंक के कुछ कर्मचारियों की भी भूमिका संदिग्ध पाई गई है। फिलहाल उनकी भी जांच की जा रही है।

ये सामान हुआ बरामद

एसटीएफ ने इस गिरोह के पास से भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज़ और उपकरण जब्त किए हैं। इसमें 126 पासबुक और चेकबुक,170 डेबिट कार्ड, 45 आधार कार्ड, 27 पैन कार्ड,15 आईडी कार्ड, 5 वोटर आईडी कार्ड, 26 मोबाइल फोन, 3 लैपटॉप, 3 गाड़ियां सैकड़ों लोगों के होम लोन और पर्सनल लोन के दस्तावेज़ व रजिस्ट्री कागजात शामिल है।

फर्जीवाड़े में पूर्व रजिस्ट्रार की भूमिका संदिग्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पूरब से लेकर पश्चिम तक फैला है फर्जीवाड़ा करने वालों का नेटवर्क
- मऊ के मदरसा जामिया मिफ्ताहुल ओलूम निस्वां हुई फर्जी नियुक्ति को दे दी गई वित्तीय सहमति
- शासन व मदरसा शिक्षा परिषद की सूची नहीं था शिक्षिका नाम

अमृत विचारः मदरसा बोर्ड में फर्जीवाड़े का खेल रुकने का नाम नहीं ले रहा है। पूरब से लेकर पश्चिम तक फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह का नेटवर्क फैला है। मऊ के मदरसा जामिया मिफ्ताहुल ओलूम निस्वां की शिक्षिका समीना परवीन ढाई वर्षों से वेतन भुगतान के लिए विभाग के कार्यालयों के चक्कर काट रही हैं। इनकी नियुक्ति एडी बेसिक द्वितीय सूची पर आधारित दिखाई गई। वहीं सूची न तो शासन, न मदरसा शिक्षा परिषद, गोरखपुर मंडल और आजमगढ़ मंडल के अधिकारियों के पास मौजूद सूची में है। इसके बाद भी पूर्व रजिस्ट्रार ने 9 सितंबर को वेतन भुगतान के लिए वित्तीय सहमति प्रदान कर दी है। इस मामले की जांच भी शुरू हो गई है।

मऊ के मदरसा जामिया मिफ्ताहुल ओलूम निस्वां की शिक्षिका श्रीमती समीना परवीन पिछले ढाई वर्षों से वेतन भुगतान के लिए विभागीय दफ्तरों के चक्कर काट रही हैं। उन्हें आज तक वेतन का भुगतान नहीं मिला। इनकी नियुक्ति जिस एडी बेसिक द्वितीय सूची पर आधारित दिखाई गई है, वही सूची न तो शासन, न मदरसा शिक्षा परिषद, न गोरखपुर मंडल और न ही आज़मगढ़ मंडल के कार्यालय में है। न ही इसे प्रमाणित किया गया है। अभिलेखों की खोज में पूरा मदरसा बोर्ड व शासन उलझा रहा, लेकिन सूची की प्रमाणिकता आज तक नहीं हो सकी। इसके बावजूद तत्कालीन रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद, जगमोहन सिंह बिष्ट ने 9 सितंबर 2025 को वित्तीय सहमति प्रदान कर दी। यहां तक कि अभिलेखीय सत्यापन, बिना सूची की वैधता की जांच कराये ही पूर्व रजिस्ट्रार ने यह कार्रवाई की।

मूल प्रतियां मिली न मंडलीय कार्यालय से हुई पुष्टि

इस मामले विभागीय पत्राचार किया गया। परिषद कार्यालय को वर्षों पुराने संदिग्ध दस्तावेज मिले। जिनकी न तो मूल प्रतियां मिल रहीं हैं और न ही मंडलीय कार्यालय इसकी पुष्टि कर रहा है। गोरखपुर मंडल के एडी बेसिक ने साफ साफ लिखा कि सूचियों का सत्यापन संभव नहीं है। आज़मगढ़ मंडल के एडी बेसिक ने भी 25 वर्ष पुराने अभिलेखों की अनुपलब्धता का हवाला दिया। उसके बाद भी मदरसा शिक्षा परिषद ने न तो दस्तावेजों की जांच कराई, न ही शासन के 20 जून 2022 के उस निर्देश का अनुपालन किया। जिसमें स्पष्ट कहा गया था कि सूची की प्रमाणिकता अभिलेखीय साक्ष्यों के आधार पर स्थापित कर शासन को उपलब्ध कराई जाए।

बिहार में महिलाओं के असर से बदल सकता यूपी का नेतृत्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिशन-2027 में संगठन की कमान को लेकर तेज हुई सुगबुगाहट
- साध्वी निरंजन ज्योति–जेपी नड्डा की मुलाकात से बढ़ा राजनीतिक तापमान

अमृत विचार : भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष चुनाव के मंथन के बीच साध्वी निरंजन ज्योति और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की मुलाकात ने सियासी सरगर्मी को और बढ़ा दी है। गुरुवार को दिल्ली में दोनों नेताओं की भेंट की तस्वीरें सामने आते ही संगठनात्मक बदलाव की अटकलें तेज हो गईं। नेताओं का मानना है कि बिहार विधानसभा चुनाव में जिस तरह से भाजपा को महिलाओं का वोट और सपोर्ट मिला है, उसे देखते हुए यूपी में प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी किसी महिला को सौंपी जा सकती है।

सूत्रों के अनुसार आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी नेतृत्व प्रदेश में नए समीकरण गढ़ने की तैयारी कर रहा है। मुलाकात के बाद साध्वी निरंजन ज्योति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तस्वीरें साझा करते हुए बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत पर जेपी नड्डा को बधाई दी। हालांकि मुलाकात शिष्टाचार बताया गया, लेकिन समय और राजनीतिक परिस्थिति ने इसे खास महत्व दे दिया है।

सूत्रों के अनुसार बिहार में भाजपा की जीत में महिला मतदाताओं की निर्णायक भूमिका को देखते हुए पार्टी उत्तर प्रदेश में पहली बार किसी महिला प्रदेश अध्यक्ष पर विचार कर रही है। ऐसे में साध्वी निरंजन ज्योति एक महत्वपूर्ण नाम बनकर उभर रही हैं। वे न केवल महिला चेहरा हैं, बल्कि पिछड़े वर्ग विशेषकर निषाद-मल्लाह समाज की प्रभावी प्रतिनिधि भी मानी जाती हैं। भाजपा के रणनीतिकार इसे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा–दलित–अल्पसंख्यक) समीकरण की संभावित काट के रूप में देख रहे हैं। हिंदुत्व, संगठनात्मक अनुभव और सामाजिक प्रतिनिधित्व ये तीनों गुण उन्हें रेस में मजबूत बनाते हैं। भले ही आधिकारिक घोषणा में समय लगे, लेकिन नड्डा और साध्वी निरंजन ज्योति की मुलाकात ने यह साफ कर दिया है कि भाजपा अपनी 2027 की रणनीति में नया सामाजिक–संगठनात्मक संतुलन साधने की कोशिश में जुट गई है। आने वाले दिनों में यह तस्वीर और स्पष्ट होगी कि प्रदेश अध्यक्ष का ताज किसके सिर सजता है, लेकिन इतना तय है कि भाजपा इस बार बड़ा संदेश देने की तैयारी कर रही है।

संघ–भाजपा नेतृत्व की सक्रियता बढ़ी

बीते सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने लखनऊ आकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक समेत प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी व प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह से कई चरण में बैठकें करके मिशन–2027 के मद्देनजर केंद्रीय नेतृत्व की मंशा जता दी थी। यूं तो प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर केशव प्रसाद मौर्य से लेकर धर्मपाल सिंह, बाबूराम निषाद, रामशंकर कठेरिया, दिनेश शर्मा और स्वतंत्र देव सिंह जैसे नाम लगातार चर्चा में हैं। लेकिन साध्वी निरंजन ज्योति को अचानक दिल्ली बुलाकर शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात ने नए समीकरण को बल दिया है।

छह जिलों के प्रस्तावों को दिया गया अनुमोदन

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यकारी समिति की बैठक में प्रदेश के सोनभद्र, ललितपुर, बहराइच, चंदौली, लखीमपुर खीरी एवं बलरामपुर, कुल छह जिलों के लिए 72 करोड़ 73 लाख 35 हजार रुपये लागत वाले प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया। अनुमोदनोपरान्त अब ये सभी प्रस्ताव जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की प्रस्तावित पीएसी 2025–26 के समक्ष अंतिम स्वीकृति हेतु भेजे जाएंगे।

सूचना

पहले मेरा नाम ANIL KUMAR NISHAD था अब मैने बदलकर अपना नाम ANIL KUMAR रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O: SURENDRA KUMAR NISHAD R/O : BHATPURA PO KUCHHMUCHH PS KOTWALI DEHAT SULTANPUR, UTTAR PRADESH - 228001**

उत्तर रेलवे
ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य/उ. रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14307-SLR-F1-PYGS-BE-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.12.2025 at 11:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14229-SLR-R1-PYGS-YNRK-22-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.12.2025 at 11:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14260-SLR-F1-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.12.2025 at 11:50 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20402-SLR-F1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.12.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14210-SLR-F1-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.12.2025 at 12:10 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14262-SLR-R1-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.12.2025 at 12:20 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14260-SLR-R1-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.12.2025 at 12:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14262-SLR-F1-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.12.2025 at 12:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14260-SLR-F2-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.12.2025 at 12:50 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12231-SLR-F1-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.12.2025 at 13:00 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders : E-Auction Module of **www.ireps.gov.in**	

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3767/2025

पांचों पुलिसकर्मियों पर होगी विभागीय कार्रवाई

एफआईआर दर्जकर मुख्यालय भेजी गई रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पीजीआई में फर्जी दस्तावेज पर चार्जशीट दाखिल करने में दर्ज हुई थी एफआईआर
- बंथरा के एक मामले में चार निर्दोषों पर फर्जी रिपोर्ट दर्ज कर भेजा था जेल

अमृत विचार: पीजीआई थाने में पांच पुलिसकर्मियों पर फर्जीवाड़ा व पद के दुरुपयोग करने की एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेज दी गई है। चार पुलिसकर्मी बहराइच और एक लखनऊ पुलिस लाइन में तैनात है।

बंथरा थाने में तैनात दरोगा संतोष कुमार ने 30 दिसंबर 2020 को टीम के साथ जुनाबगंज चौराहे के पास एक हाते में छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान दो आरोपितों बंथरा के विकास गुप्ता और दर्शन लाल को पकड़ा गया था। रिपोर्ट में इन दोनों पास से 42 हजार रुपये की सरिया बरामद दिखाई गई थी। इस मामले में लालता सिंह, कौशलेंद्र उर्फ प्रिंस, सतीश सिंह उर्फ रिशू सिंह और कल्लू गुप्ता को भी आरोपित बनाया गया था। बाद में जांच कृष्णानगर पुलिस को दी गई थी। कृष्णानगर पुलिस ने लालता सिंह और कल्लू गुप्ता को जेल भेल दिया था। इस मामले में लालता की पत्नी ने शासन में शिकायत की थी कि फर्जी गुडवर्क दिखा कर कार्रवाई की गई है। इसके बाद जांच एंटी करप्शन को दी गई थी।

शासन ने एंटी करप्शन की जांच रिपोर्ट का किया पर्यवेक्षण

शासन ने एंटी करप्शन की जांच रिपोर्ट का पर्यवेक्षण किया। इसके बाद सभी पांचों पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिए हैं। तत्कालीन बंथरा इंस्पेक्टर प्रहलाद सिंह, वादी दरोगा संतोष कुमार थे। इस मामले की जांच बंथरा थाने से की गई। जांच अधिकारी दरोगा राजेश कुमार और दिनेश कुमार थे। चारों की तैनाती बहराइच में है। वहीं, शिकायत के बाद मामले को कृष्णानगर थाना स्थानांतरित कर दिया गया। जहां जांच दरोगा आलोक कुमार श्रीवास्तव ने की थी। वह वर्तमान में लखनऊ पुलिस लाइन में तैनात हैं। एंटी करप्शन में तैनात इंस्पेक्टर नुरुलहुदा खान की जांच में सामने आया कि कागजों में फर्जीवाड़ा करके हकीकत को झूठा साबित करने का प्रयास किया। इतना ही नहीं अदालत में भी अशुद्ध और अप्रमाणित दस्तावेज दाखिल कर दिए। आरोपित पुलिसकर्मियों ने अपने पद व शक्ति का दुरुपयोग किया। झूठे साक्ष्यों के जरिए निर्दोष लोगों को अपराधी साबित करने का भी प्रयास किया गया। इसी रिपोर्ट के आधार पांचों के खिलाफ पीजीआई थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

76 इनक्यूबेशन सेंटर बने युवा उद्यमिता के नए आधार

अमृत विचार, लखनऊः प्रदेश में नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत इनक्यूबेशन इकोसिस्टम तैयार हुआ है। वर्ष 2017 से पहले जहां प्रदेश में केवल 12–15 इनक्यूबेशन सेंटर सक्रिय थे, वहीं आज 76 इनक्यूबेशन सेंटर युवाओं को विचार से उद्योग तक पहुंचने में सहायता दे रहे हैं। शासन का लक्ष्य हर जिले में कम से कम एक इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित कर उसे 100 की संख्या तक पहुंचाना है।इनक्यूबेशन सेंटर नए विचारों को सफल स्टार्टअप में बदलने का मंच प्रदान करते हैं। यहां युवा उद्यमियों को एक ही स्थान पर तकनीकी मार्गदर्शन, कानूनी सलाह, निवेशकों तक पहुँच, प्रशिक्षण, बाजार से जुड़ाव और संरचनात्मक सुविधा उपलब्ध होती है। इससे स्टार्टअप की शुरुआती चुनौतियां बहुत हद तक कम होती हैं और सफलता की संभावना बढ़ती है। पिछले आठ वर्षों में इन सेंटरों से जुड़े हजारों युवाओं ने कृषि तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, डिजिटल सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है।

यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड / URANIUM CORPORATION OF INDIA LTD

(भारत सरकार का एक उद्यम) (A Government of India Enterprise)
पी.ओ.–जादूगोड़ा माइंस, जिला पूर्वी सिंहभूम झारखंड – 832 102
PO-Jaduguda Mines, Dist. East Singhbhum, Jharkhand-832 102
(CIN: U 12000 JH 1967 GOI 000806)
website: www.uraniumcorp.in

विभिन्न प्रशिक्षुओं के लिए भर्ती सूचना — **RECRUITMENT OF TRAINEES**
विज्ञापन संख्या: UCIL-07-2025 — **Advertisement No. UCIL-07-2025**

यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।
Uranium Corporation of India Limited has invited online applications from Indian citizens for various posts, as follows:

1.	Mining Mate - C
2.	Winding Engine Driver - B
3.	Boiler cum Compressor Attendant - A

रिक्तियों का पूरा विवरण अर्थात योग्यता, अनुभव, वेतनमान आदि यूसीआईएल की वेबसाइट www.uraniumcorp.in पर उपलब्ध है। इस विज्ञापन से संबंधित कोई भी प्रश्न /सूचना/विस्तार/शुद्धिपत्र आदि केवल यूसीआईएल वेबसाइट www.uraniumcorp.in पर उपलब्ध कराया जाएगा।

Full details of vacancies viz. Qualifications, Experience, Scale of pay etc. are available at UCIL website www.uraniumcorp.in. Any queries/information/extension/corrigendum etc. with respect to this advertisement shall be made available on the UCIL website **www.uraniumcorp.in** only.

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31/12/2025 है।
Last date of submission of online application is **31/12/2025.**

CBC 48134/12/0033/2526

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं. 12 वर्ष 2025–26

अधोलिखित कार्यों के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं :– **कार्यों का विवरण:** 1. इज्जतनगर मंडल के पंतनगर–लालकुआँ–हल्द्वानी खण्ड में हाथियों के मूवमेन्ट की मॉनिटरिंग एवं ट्रैकिंग तथा समपार फाटकों को एलर्ट करने हेतु Intrusion Detection System का प्रावधान। **अनुमानित लागतः** ₹ 3,30,28,873.68, **बयाना राशिः** ₹ 3.15,200, **कार्य समापन अवधिः** 6 माह, **ई–निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** दिनाँक 26/12/2025 को 11:00 बजे, • पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गयी है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।

वरि. मंडल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर
मुजाधि/सिग्नल–71 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

गौतम बुद्ध डिग्री कालेज गौरी रोड, बिजनौर, लखनऊ

अल्पसंख्यक संस्थान

डी.एल.एड.(बी0टी0सी0) — कालेज कोड–290053

1.	ऑनलाइन पंजीकरण प्रारम्भ होने की तिथि	24.11.2025
2.	ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि	15.12.2025
3.	ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि	16.12.2025
4.	पूर्ण आवेदन के प्रिंट आउट लेने की अंतिम तिथि	18.12.2025

ऑनलाइन माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम से आवेदन स्वीकार्य एवं विचारणीय नहीं होगें।
प्रवेश हेतु संपर्क करें मो0– 7820236936, 9451077741
वेबसाइट– gbdc.co.in पर Registration करें। नोट– आरक्षित अभ्यार्थियों हेतु विशेष छूट

हेतु संदर्भित करने की सूचना / साधारण प्रारूप

न्यायालयः उपजिलाधिकारी (तहसील स्तर), न्यायिक (पी–2)
मण्डल, लखनऊ, जनपद : लखनऊ, तहसीलः मलिहाबाद
वाद संख्याः–7107/2025
कंप्यूटरीकृत वाद संख्या –T20251046010707
अंतर्गत धाराः– 38(1),
अधिनियमः उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता – 2006
साद रईश आदि बनाम उ0प्र0 सरकार –प्रतिवादी
भाईलाल पुत्र राम आसरे, निवासी– कलिया खेड़ा सदरौना, लखनऊ

चूंकि उपरोक्त नामांकित .... ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि.......... अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 10/12/2025 के दिवस को 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपर्स जाता हूँ और ऐसा करने में असफल रहने पर उनके आवेदन का एक पक्षीय रूप सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 03/12/2025 सन् के दिवस को दिखाई गयी।

आज्ञा से
न्यायालयः उपजिलाधिकारी (तहसील स्तर), न्यायिक (पी–2)
मण्डल, लखनऊ, जनपद : लखनऊ, तहसीलः मलिहाबाद

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत हैः–
क्रम सं.-01, ई-निविदा संख्या:-NER-LJN-2025-189 (One Packet System), कार्य का नाम:- गैजहवा स्टेशन पर स्टेशन पहुंच मार्ग का ऊचाकरण और निर्माण। अनुमानित लागत (रू0): ₹ 1,27,14,150.30, अग्रिम धन (रू0): ₹ 2,13,600/-, समापन अवधिः 09 माह। क्रम सं.-02, ई-निविदा संख्या:-NER-LJN-2025-190 (One Packet System), कार्य का नाम:- बढ़नी स्टेशन पर पानी की सुविधा के लिये आरसीसी ओवर हेड टैंक (50000 गैलन) के साथ गहरे ट्यूबवेल का प्रावधान। अनुमानित लागत (रू0): ₹ 1,56,70,858/-, अग्रिम धन (रू0):₹ 2,28,400/-, समापन अवधिः 12 माह।
(1) उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2025-189-190 के लिये ई-निविदा दिनांक 24-12-2025 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। **(2)** उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग, लखनऊ
मुजाधि/डब्लू-353

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर रेलवे
ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–उ0रे0/वाणिज्य–मण्डल
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20402-SLR-F2-LKO-BSB-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 11:30 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14216-SLR-F2-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 11:40 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14210-SLR-F2-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 11:50 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	24204-SLR-R1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 12:00 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	24204-SLR-F2-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 12:10 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20402-SLR-R1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 12:20 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14210-SLR-R1-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 12:30 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14216-SLR-F1-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 12:40 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14231-SLR-F1-PYGS-BST-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 12:50 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14233-SLR-F1-PYGS-MUR-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 13:00 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	24204-SLR-F1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 13:10 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14233-SLR-F2-PYGS-MUR-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 13:20 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	12231-SLR-R1-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 13:30 hrs
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3768/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं शुभम पुत्र कुंवर बहादुर, निवासी–ग्राम निवाजी खेड़ा पोस्ट बीजेमऊ तहसील लालगंज जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड में शुभम पुत्र कुंवर बहादुर Shubham S/O Kunwar Bahadur दर्ज है। मेरे पिता के आर्मी नंबर 7777043H Family Particulars में Subham हो गया है, जो कि गलत है। मेरा नाम Shubham S/O Kunwar Bahadur अंकित किया जाय जो कि सही है।

सूचना

मैं समीर कुमार सोनी पुत्र स्व. तुलसी राम सोनी, निवासी–9/5/110, टकसाल गली, चौक फैजाबाद, अयोध्या को अब समीर सोनी के नाम से जाना व पहचाना जाय।

सूचना

मैने अपना नाम SAIYEDA KANEEZ ZOHRA से बदलकर KANIZ ZOHRA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-SYED MEHAR ABBAS ADD-546/718A, BHADERSA HOUSEHARDOI ROAD SARFARAZGANJ, POST-CHOWK DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना

सूचित हो कि मैं **मो0 फैसल अहमद पुत्र श्री मोहम्मद अहमद, निवासी– मकान नम्बर 89/87 दलेलपुरवा, कानपुर नगर।** मेरे आधार संख्या 9624 6063 2128 में नाम मो फैसल अहमद अंकित है जो कि सत्य व सही नाम है। जबकि मेरे हाईस्कूल व इंटरमीडिएट प्रमाण पत्र में मेरा नाम फैसल अंकित है जो कि अपूर्ण नाम है। यह कि मो0 फैसल अहमद व फैसल दोनो नाम मेरे ही है किसी अन्य के नही है। भविष्य में मुझे मो0 फैसल अहमद के नाम से जाना माना जाये।

सूचना

मेरे पुत्र तौफीक अहमद की बुरी आदतों से आजिज होकर उसे अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। मेरे पुत्र तौफीक अहमद द्वारा कोई लेने देन या कोई मुकदमेबाजी होती है तो उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा। इसमें मेरा या मेरे परिवार का कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **प्रार्थी – श्रीमती फातमा बेगम पत्नी स्व.खालीक अहमद निवासी मोहल्ला बाघू दीवान सईद बाबा के पास कस्बा व थाना तथा तहसील मौदहा जिला हमीरपुर उ. प्र.**

सूचना

मेरा भारतीय जीवन बीमा पॉलिसी संख्या 219156036 में नाम रीना पुत्री हसीना है। आधार कार्ड में मेरा नाम रुकैया बानो पुत्री अली हुसैन लिखा है। दोनों मेरे ही नाम है और मुझे दोनों नाम से जाना वह पहचाना जाता है। **रुकैया बानो उर्फ रीना पुत्री हसीना पत्नी अली हुसैन, मोहल्ला गदुरहवा परगना, तहसील व जिला बलरामपुर**

सूचना

मेरा इण्टरमीडियट अंक पत्र वर्ष– 2022 अनुक्रमांक –2225968135 वास्तव में कहीं खो गया है। खोजने के बाद भी नहीं मिल रहा है। यदि किसी को मिले तो वह इस पते पर सूचना दें। **यथार्थ सिंह पुत्र रघुवीर सिंह निवासी महाराजपुर मौजा मलगांव थाना मंगलपुर जनपद कानपुर देहात**

सूचना

मेरा नाम आधार कार्ड के अनुसार अम्बरीश पांडेय पुत्र जमुना प्रसाद पांडेय है। जबकि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में त्रुटिवश अंबीश पांडेय दर्ज हो गया है। मेरा सही नाम अम्बरीश पांडेय है। आधार कार्ड में मेरा नाम अम्बरीश पांडेय दर्ज है। मुझे इसी नाम से जाना जाए। **अम्बरीश पांडेय पुत्र जमुना प्रसाद पांडेय निवासी– फलाहारी दास बाबा मंदिर, सिविल लाइन्स, जनपद– गोंडा**

सूचना

मैं **रफीक पुत्र मुस्तफा निवासी– ग्राम व पोस्ट जैतापुर थाना गौरा चौराहा तहसील तुलसीपुर जनपद बलरामपुर**, मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड में मेरा नाम रफीक Rafeeq, माता का नाम Noor nisha व पत्नी का नाम Parveen begum है जबकि पासपोर्ट मे मेरा नाम Rafeek माता का नाम Noorun nisa व पत्नी का नाम Perveen begum हो गया है जो एक ही व्यक्ति व मां तथा पत्नी के नाम है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि साझेदारी फर्म मैसर्स एस के एग्रो एन्डस्ट्री आराजी नम्बर–507 ग्राम शुक्लापुर तहसील बिल्हौर कानपुर नगर जिला कानपुर–उ0प्र0 नामक फर्म में दिनांक 01–03–2023 को साझेदार अभिषेक त्रिपाठी पुत्र एस के त्रिपाठी निवासी–सेक्टर–के 1286 आशियाना कालोनी लखनऊ ने स्वेच्छा से फर्म को त्यागपत्र देकर अलग हो गया उक्त साझेदार का फर्म से कोई लेन देन शेष नही है उक्त दिनांक 01–03–2023 को श्रीमती रानी त्रिपाठी पत्नी श्री शिव कान्त त्रिपाठी निवासिनी–37सी रामपुरम सोसाइटी श्यामनगर कानपुर नगर कानपुर नें फर्म में सम्मिलित हो गयी अब वर्तमान में फर्म में तीन साझेदार हरी कान्त त्रिपाठी, शिखर त्रिपाठी एवं श्रीमती रानी त्रिपाठी है।

हरी कान्त त्रिपाठी –
मैसर्स एस के एग्रो इण्डस्ट्री
आराजी न0–507 ग्राम शुक्लापुर
तहसील–बिल्हौर कानपुर नगर जिला–कानपुर

कार्यालय क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बाराबंकी।

पत्रांक संख्या– 2375 /HWC/2025–26 दिनांक– 28 /11/2025

विज्ञप्ति

(क) शासनादेश संख्या–W–81/96–आयुष –2–2020–127/2016 दिनॉक 04 दिसम्बर 2020 तथा कार्यक्रम प्रबन्धक, उ0प्र0राज्य आयुष सोसाइटी, लखनऊ के पत्र संख्या–599/325/मि0नि0/2022–23 दिनॉक 02 दिसम्बर 2022 के अनुपालन में जनपद बाराबंकी में संचालित आयुर्वेदिक /यूनानी/होम्योपैथिक चिकित्सालयों में संचालित आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों में अंशकालिक योग प्रशिक्षक पुरूष एवं अंशकालिक योग प्रशिक्षक महिला, के रिक्त कुल 10 (पुरूष–4 एवं महिला–06) पदों पर आबद्धीकरण साक्षात्कार के माध्यम से किये जाने हेतु नीचे अंकित तालिका के अनुसार अर्हताधारी अभ्यर्थियों को एकमुश्त पारिश्रमिक (महिला रू0 5000.00 व पुरूष रू0 8000.00 प्रतिमाह) के आधार पर किये जाने हेतु आवेदन पत्र पूर्ण विवरण एवं समस्त शैक्षणिक तथा अनुभव प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रति सहित कार्यालय, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बाराबंकी के पते पर निर्धारित प्रारूप पर आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र प्राप्त किये जाने की अन्तिम तिथि दिनांक 24 दिसम्बर 2025 है।

(ख) शासनादेश संख्या–आ0मि0–110/96–आयुष–2–2020–127/2016 अनुभाग–2 लखनऊ दिनांक–19 अक्टूबर 2022 तथा योग एवं यौगिक क्रियाओं द्वारा उपचार को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन के अन्तर्गत योग वेलनेस सेन्टर में योग सहायक के आबद्धीकरण शासनादेश सख्या–आ0मि0–56/96/–आयुष–2–2017–127/2016, दिनांक 03.07.2017 के अनुपालन में जनपद बाराबंकी में संचालित होम्योपैथिक चिकित्सालय में संचालित योग वेलनेस सेन्टर योग सहायक के रिक्त कुल 01 पदों पर आबद्धीकरण साक्षात्कार के माध्यम से किये जाने हेतु नीचे अंकित तालिका (ख) के अनुसार अर्हताधारी अभ्यर्थियों को एकमुश्त पारिश्रमिक (महिला रू0 10000.00) के आधार पर किये जाने हेतु आवेदन पत्र पूर्ण विवरण एवं समस्त शैक्षणिक तथा अनुभव प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रति सहित कार्यालय, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बाराबंकी के पते पर निर्धारित प्रारूप पर आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र प्राप्त किये जाने की अन्तिम तिथि दिनांक 24 दिसम्बर 2025 है।

क– आयुष विभाग जनपद बाराबंकी में अंशकालिक योग प्रशिक्षक (पुरूष/महिला) के कुल पदों का पृथक–पृथक श्रेणीवार विवरण।

क्र0सं0	विभाग	पदों का विवरण	सामान्य वर्ग	E.W.S	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनु0 जाति	अनु0 जन जाति	योग
01	आयु0/यू0/हो0 विभाग	पुरूष	01	01	01	01	00	04
02		महिला	05	00	00	00	01	06
03		कुल पद	06	01	01	01	01	10

ख– योग वेलनेस सेण्टर्स जनपद बाराबंकी में योग सहायक के कुल पदों का पृथक–पृथक श्रेणीवार विवरण।

क्र0सं0	विभाग	पदों का विवरण	सामान्य वर्ग	E.W.S	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनु0 जाति	अनु0 जन जाति	योग
01	होम्योपैथिक विभाग	पुरूष	01	00	00	00	00	00
02		महिला		00	00	00	00	00
03		कुल पद	01	00	00	00	00	01

(क)

क्र0सं0	आबद्धीकरण हेतु रिक्त पदों की संख्या	आयु सीमा	अनिवार्य अर्हता
1	महिला–06 पुरूष- 04	अंशकालिक योग प्रशिक्षक महिला/पुरूष हेतु न्यूनतम 21 वर्ष से 60 वर्ष तक है। स्वस्थ एवं सुयोग्य 65 वर्ष तक के अभ्यर्थियों को भी अवसर दिया जा सकता है।	➢ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों/संस्थानों से साढ़े पॉच वर्षीय कोर्स बैचलर आफ नेचुरोपैथी एण्ड योगिक सांइस (बी0एन0वाई0एस0) डिग्री धारक। अथवा ➢ बी.ए (योग) अथवा बी0एस0सी0 (योग) तीन वर्षीय डिग्री धारक अथवा एम0एस0सी0(योग)/एम0ए0(योग) डिग्री धारक जिनका एक वर्षीय अनुभव हो। ➢ पी0जी0 डिप्लोमा (न्यूनतम एक वर्षीय पाठ्यक्रम) मा धारक जिनका दो वर्षीय अनुभव हो। ➢ योग सर्टिफिकेशन बोर्ड नई दिल्ली द्वारा "योग वेलनेस इंस्ट्रक्टर" प्रमाण पत्र धारक एवं अनुभव एक वर्ष भी आवेदन के पात्र होगे। ➢ कार्य अनुभव प्रमाण पत्र अर्ह डिग्री/ डिप्लोमा उत्तीर्ण करने के उपरान्त पूर्ण की गयी निर्धारित अवधि जो कि चिकित्सालय/मान्यता प्राप्त विद्यालय/ नेचुरोपैथी क्लीनिक/अस्पताल या योग सेन्टर में कार्य करने का ही मान्य होगा।

(ख)

क्र0सं0	आबद्धीकरण हेतु रिक्त पदों की संख्या	आयु सीमा	अनिवार्य अर्हता
1	महिला–01	योग सहायक यूनतम 21 वर्ष से 60 वर्ष तक है। स्वस्थ एवं सुयोग्य 65 वर्ष तक के अभ्यर्थियों को भी अवसर दिया जा सकता है।	➢ हाईस्कूल अथवा इण्टरमीडिएट के उपरान्त योग में न्यूनतम तीन माह का सर्टिफिकेट कोर्स एवं नैचुरोपैथी क्लीनिक/अस्पताल या योग सेण्टर में कार्य का तीन वर्षीय अनुभव हो। अथवा ➢ इण्टरमीडिएट या समकक्ष योग्यता के उपरान्त योग सेण्टर / नैचुरोपैथी सेण्टर आयुष चिकित्सालय–जिसमें स्वस्थवृत्त एवं योग से सम्बन्धित क्लीनिक (बहिरंग) में कार्य करने का दो वर्षीय अनुभव हो।

नोटः–आवेदन पत्र तथा नियम व शर्तें जनपद बाराबंकी की एन0आई0सी0 वेबसाइट https//barabanki.nic.in पर उपलब्ध रहेंगी।

UP – 241885 दिनांक: 04/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(डा0 वीनम यादव)
क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बाराबंकी।

हनुमानगढ़ी के महंत को जलाकर मारने का प्रयास, बाल-बाल बचे

बाथरूम के रोशनदान की जाली काटकर ज्वलनशील पदार्थ फेंककर लगाई आग

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अयोध्या के सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी मंदिर के बसंतिया पट्टी के एक आश्रम के महंत को जलाकर मारने का नाकाम प्रयास किया गया। घटना गुरुवार रात करीब 2:45 बजे की है। उन्होंने हनुमानगढ़ी के एक पट्टी के महंत, मंदिर से निष्काषित एक साधु व उसके परिवार के ऊपर आश्रम की जमीन कब्जा करने के लिए उनकी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया।

बसंतिया पट्टी के साधु महेश दास उर्फ महेश योगी चेला संतोष दास निवासी गोविंदगढ़ आश्रम हनुमानगढ़ी परिसर रामकोट ने शुक्रवार को बताया कि अज्ञात लोगों ने उनके बाथरूम के रोशनदान की जाली काटकर उसमें से कोई ज्वलनशील पदार्थ कमरे में फेंककर आग लगा दी। उस समय वह सो रहे थे। कमरे में धुआं भरने पर नींद खुली, आग लगी देखकर वह बाहर निकले। वहां बैठे सुरक्षाकर्मियों को बुलाकर उनकी मदद से आग को बुझाया। आग से कंबल और कुछ सामान जल गया। घटना की सूचना पर पहुंची थाना रामजन्मभूमि पुलिस ने जांच पड़ताल की है। पुलिस सीसीटीवी व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के आधार पर छानबीन कर रही है।

बॉथरूम के रोशनदान की कटी जाली।

पुलिस को दी तहरीर में संत ने बसंतिया पट्टी के एक महंत पर आश्रम को कब्जाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। कहा कि उनकी शह पर हनुमानगढ़ी से निष्कासित एक संत उनके भांजे व उसके परिवार की कुछ महिलाएं आए दिन षड्यंत्र कर उनकी हत्या का प्रयास कर रहे हैं।

51 लाख बार कपालभाति कर चुके हैं महेश दास: महंत महेश दास योग की कला में पारंगत हैं, उन्होंने देश ही नहीं विदेशों में भी अपना नाम कमाया है। उन्होंने 1661 घंटों में एक करोड़ 51 लाख बार कपालभाति प्राणायाम कर रिकॉर्ड बनाया है।

घटनास्थल की जांच करती पुलिस की टीम। अमृत विचार

हनुमानगढ़ी से मिलने वाली सहायता की थी बंद

संत महेश दास का आरोप है कि बसंतिया पट्टी के एक महंत ने उन्हें दो साल से हनुमानगढ़ी से मिलने वाली सभी सहायता बंद कर दी है। यहां तक कि दान पात्र में मिले रुपये भी ले लिए हैं, जिसमें करीब दो करोड़ रुपये की धांधली की गई है। इसकी शिकायत उन्होंने गद्दीनशीन महंत प्रेमदास जी महाराज से की थी। गद्दीनशीन ने उक्त महंत को फटकार भी लगाई थी, इसके बाद से वह उनकी हत्या की साजिश रच रहे हैं।

बसंतिया पट्टी में हैं 40 आश्रम

हनुमानगढ़ी में चार पट्टियां उज्जैनिया, बसंतिया, सागरी और हरिद्वारी हैं। चारों महंतों के ऊपर गद्दीनशीन होते हैं। चारों पट्टियों में चार-चार महंत होते हैं। प्रत्येक पट्टियों में 40 से 50 आश्रम हैं। प्रत्येक आश्रम के अलग-अलग महंत होते हैं। बसंतिया पट्टी के 40 आश्रम हैं, जिनमें से एक गोविंदगढ़ आश्रम का महेश दास स्वयं को महंत बताते हैं।

> जांच-पड़ताल की गई है। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। इस संबंध में तहरीर प्राप्त हुई है, लगाए गए आरोपों की जांच के लिए थाना प्रभारी राम जन्मभूमि अभिमन्यु शुक्ला के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया है।
> -आशुतोष तिवारी, सीओ अयोध्या

हंगामे में बदला एडवांस फीस का विवाद, आक्रोश

एसआरएमयू

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : एसआरएमयू में एडवांस फीस को लेकर चल रहा विवाद हंगामे में बदल गया। शुक्रवार को नारेबाजी हुई तो यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से धक्कमुक्की भी। यहां तक हालात पर काबू के लिए बाउंसर बुलाए गए। इस बीच प्रशासनिक व पुलिस अफसरों की मौजूदगी में कुलपति ने 10 दिसंबर तक मौका देकर भले ही दो ऑफर दिए हों पर न विवाद थमा है और न ही मुद्दा हल हुआ। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्रों की कम अटेंडेंस का नया पेच भी मामले में जोड़ दिया।

गुरुवार को एडवांस फीस जमा करने को लेकर शुरू हुआ विवाद दूसरे दिन भी जारी रहा। शुक्रवार को सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने हंगामा किया। इस बीच धक्का-मुक्की भी हुई। छात्र-छात्राओं ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर फीस व कम अटेंडेंस के नाम पर मनमानी का आरोप मढ़ा, बताया कि फाइन पर फाइन लिया जा रहा। जो परीक्षा हुई ही नहीं, उसकी फीस एडवांस जमा कराना नियम विपरीत है। छात्र छात्राएं अपनी बात कहना चाहें तो सुनने को एचओडी, रजिस्ट्रार, डीन, सब रजिस्ट्रार से लेकर कोई तैयार नहीं। छात्र सौभाग्य तिवारी ने बताया कि उसकी उपस्थिति 77 प्रतिशत है, फिर भी उसे एडमिट कार्ड नहीं दिया गया। यश्मित, सौम्या आदि ने बताया कि कॉलेज ने बाउंसर बुला रखे हैं जो छात्रों से मारपीट कर रहे। शुक्रवार को दिनभर हुआ हंगामा व विवाद बढ़ता देख कुलपति प्रो. (डॉ.) विजय तिवारी को आना पड़ा। उन्होंने कहा कि 10 दिसंबर तक का मौका दिया जा रहा।

पांच अंतरजनपदीय शातिर चोर गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : स्वाट, सर्विलांस टीम व थाना जैदपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने पांच अन्तरजनपदीय शातिर चोरों को चोरी की योजना बनाते समय धर दबोचा। इनके पास से चोरी के जेवर, बाइक, तमंचा आदि बरामद किया गया है।

गिरफ्तारी बाईपास तिराहे के पास, जैदपुर धर्मकांटा के सामने की गई। पुलिस ने मौके से चोरी के जेवरात, नकदी, मोबाइल, घटना में प्रयुक्त 3 मोटरसाइकिल, एक तमंचा व अन्य चोरी के उपकरण बरामद किए। गिरफ्तार आरोपियों में सुभाष चौहान, रंजीत गुप्ता, रौनक वर्मा उर्फ सार्थक, विशाल उर्फ छोटू हैं। सभी आरोपी एक संगठित चोरी गैंग के सदस्य हैं, जो अपने साथी वसीम निवासी पाण्डेयपुरवा, थाना शिवरतनगंज, अमेठी के साथ मिलकर बाराबंकी व आसपास के जिलों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। आरोपियों ने बंद पड़े घरों को पहले चिन्हित कर चोरी की घटनाएं कीं। इन चोरों के जरिए कमल विहार कॉलोनी थाना कोतवाली नगर, ग्राम सुरसण्डा, थाना मसौली, लखनऊ के गोसाईगंज, मोहनलालगंज, बिजनौर आदि थाना क्षेत्रों में कई घरों में चोरी का खुलासा हुआ।

राहुल गांधी की नागरिकता पर हुई सुनवाई

रायबरेली, अमृत विचार : जिले के सांसद राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर रायबरेली की एमपी एमएलए कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुनवाई की जानकारी को गोपनीय बताते हुए गुप्त रखा गया है। बंगलुरु के रहने वाले भाजपा से जुड़े एस. विग्नेश शिशिर ने दो दिन पहले राहुल गांधी को ब्रिटिश नागरिक बताते हुए उनकी लोकसभा की सदस्यता रद करने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि उनके पास इस बात के पर्याप्त सुबूत हैं कि राहुल गांधी ने खुद को ब्रिटिश नागरिक बताते हुए विदेश में प्रपत्र भरे हैं।

शिशिर के मुताबिक ऐसे व्यक्ति को जिसके पास ब्रिटिश की नागरिकता हो उसके सांसद बने रहने की वैधता को चैलेन्ज करते हुए ही रायबरेली की एमपी एमएलए कोर्ट में परिवाद डाला गया है। उन्होंने कहा कि इस पर कोर्ट सुनवाई कर रहा है।

महात्मा बुद्ध लोक कल्याण एवं ग्राम्य विकास संस्थान
गौरी रोड, बिजनौर, लखनऊ | अल्पसंख्यक संस्थान
डी.एल.एड. (बी०टी०सी०) | कालेज कोड-290046

1.	ऑनलाइन पंजीकरण प्रारम्भ होने की तिथि	24.11.2025
2.	ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि	15.12.2025
3.	ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि	16.12.2025
4.	पूर्ण आवेदन के प्रिंट आउट लेने की अंतिम तिथि	18.12.2025

ऑनलाइन माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम से आवेदन स्वीकार्य एवं विचारणीय नहीं होगें।
प्रवेश हेतु संपर्क करें मो0- 9565828888,9451077741
वेबसाइट- mblkgs.org पर Registration करें। नोट- आरक्षित अभ्यार्थियों हेतु विशेष छूट

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि 26.12.2025 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेगे।

1	निविदा सूचना संख्या	01292025 दिनांक 04.12.2025
2	निविदा संख्या	28-Sr-DEN-VI-LKO-2025-26
3	कार्य का नाम	पूरे माघ मेला -2026 के लिए पीआरजी, पीएफएम और पीवाईजीएस में यात्रियों और कर्मचारियों के लिए सुविधा केंद्र और शिविर तथा अन्य संबद्ध सुविधाओं जैसे बैरिकेडिंग, बिस्तर आदि के लिए अस्थायी बुनियादी ढांचे का प्रावधान का कार्य।
4	अनुमानित लागत	Rs. 14503440.15
5	धरोहर राशि	Rs. 222500.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से तीन माह।
7	निविदा डालने का प्रारंभ	12.12.2025
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	26.12.2025, 15:00 बजे
9	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट : निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। 3774/25
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सीआरएस ने ट्रैक और सिग्नलिंग का किया निरीक्षण

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : बुढ़वल से घाघरा घाट के बीच नई तैयार की गई तीसरी रेल लाइन का शुक्रवार को रेल संरक्षा आयुक्त पूर्वोत्तर परिमंडल प्रणजीव सक्सेना ने बारीकी से निरीक्षण किया।

उन्होंने पूरी लाइन पर गति, संतुलन, सिग्नलिंग, ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) और सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाइन ट्रेन संचालन के लिए पूरी तरह सुरक्षित है या नहीं। निरीक्षण के दौरान रेलवे के बिजली विभाग के मंडलीय अभियंता, ट्रैक इंजीनियर, सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के तकनीकी अधिकारी, निर्माण इकाई के प्रतिनिधि और अन्य आवश्यक विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से आरपीएफ बुढ़वल के इंस्पेक्टर रवि कुमार अपनी टीम के साथ तैनात रहे।

रावतपुर थाने के सिपाही को एसटीएफ ने उठाया

कानपुर, अमृत विचार : रावतपुर थाने में तैनात सिपाही को आगरा एसटीएफ अपने साथ ले गई। सिपाही के खिलाफ आगरा में एक्सटॉर्शन का मुकदमा दर्ज था। कानपुर कमिश्नरेट ने सिपाही रियाजुद्दीन को निलंबित कर दिया है। रावतपुर थाने में तैनात रियाजुद्दीन पूर्व में आगरा एसओजी में तैनात था। उस दौरान रियाजुद्दीन के खिलाफ आगरा के कमला नगर थाने में एक्सटॉर्शन का मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले में आगरा एसटीएफ शुक्रवार रात रावतपुर थाने पहुंची, जहां मामले में वांछित चल रहे रियाजुद्दीन को एसटीएफ अपने साथ ले गई।

कंपनी के पूर्व निदेशक समेत 9 पर रिपोर्ट दर्ज

बाराबंकी, अमृत विचार : इंफ्राटेक कंपनी से हटने के बावजूद पूर्व निदेशक ने साथियों संग मिलकर न सिर्फ जमीनों का फर्जी बैनामा कराने का प्रयास किया बल्कि जमीन कब्जाने की कोशिश भी की। वर्तमान निदेशक की तहरीर पर पूर्व निदेशक समेत नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। गोरखपुर में दक्षिण काली मंदिर के निकट रहने वाले संजीत श्रीवास्तव डायरेक्टर मंगीरिश इंफ्राटेक ने पुलिस को बताया कि आरोपी अम्बरीश चन्द्र व बागीश चन्द्र श्रीवास्तव, आरएन राय आदि ने साजिश कर कम्पनी की भूमि हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए। बताया कि अम्बरीश श्रीवास्तव वर्ष 2017 में लाभांश लेकर कम्पनी से त्यागपत्र दे चुके हैं। इसके बावजूद आरोपियों ने 30 जनवरी 2024 को कम्पनी की जमीन का फर्जी अनुबंध और 6 मई 2024 को ग्राम शुक्लाई स्थित जमीन का फर्जी बैनामा तैयार कराया। फर्जीवाड़े का खुलासा नकल निकालने पर हुआ। पीड़ित के विरोध करने पर आरोपियों ने न केवल कागजात निरस्त करने से इंकार किया, बल्कि एक और अवैध बैनामा भी कर दिया।

चाची-भतीजी से छेड़छाड़

बाराबंकी, अमृत विचार : जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में चाची भतीजी के पीछे पड़े एक शोहदे ने इनका स्कूल जाना दूभर कर दिया। हद तो यह कि शादी में दोनों का पीछा करते गए शोहदे ने विरोध करने पर सरेआम असलहा लहराते हुए धमकी दे डाली। थाना क्षेत्र के एक गांव की छात्रा ने पुलिस को बताया कि गांव का ही युवक आलोक कुमार वर्मा आए दिन उसके साथ तथा उसकी भतीजी के साथ रास्ते में छेड़छाड़ करता है। छात्रा के अनुसार युवक गांव में कहीं भी मिल जाता है, तो भद्दी-भद्दी टिप्पणी करता है और अश्लील बातें करता है। बताया कि 1 दिसंबर की रात वह दोनों शादी समारोह में गई थीं। तभी आरोपी आलोक वर्मा मौके पर पहुंचा और दोनों को देखकर अभद्र टिप्पणी करने लगा। विरोध करने पर युवक ने अवैध असलहा लहराते हुए गालियां देनी शुरू कर दीं। आरोपी की हरकतों और धमकियों के कारण उसका और उसकी भतीजी का स्कूल जाना कठिन हो गया है। परिजनों द्वारा आरोपी के घर शिकायत करने पर उसके घरवालों ने भी उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

पूर्वोत्तर रेलवे | अधिसूचना सं.: 223/2025

रेल यात्री बन्धुओं के लिये आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने हेतु निम्नलिखित **विशेष गाड़ियों** का संचलन निम्नवत किया जायेगा:-

गाड़ी सं. 05587/05588
गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर विशेष गाड़ी

गाड़ी सं. 05587 गोरखपुर से रविवार को दिनांक 07-12-2025 = 01 ट्रिप
गाड़ी सं. 05588 लोकमान्य तिलक (ट.) से मंगलवार को दिनांक 09-12-2025 = 01 ट्रिप

05587 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (ट.) आगमन	05587 प्रस्थान	स्टेशन	05588 लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर आगमन	05588 प्रस्थान
--	**23:25**	**गोरखपुर**	**20:15**	--
00:30	00:32	बस्ती	19:00	19:02
01:55	02:00	गोण्डा	17:20	17:25
04:25	04:35	गोमती नगर	14:45	14:55
05:05	05:10	बादशाह नगर	14:10	14:12
05:40	05:55	ऐशबाग	13:35	13:45
07:45	07:55	कानपुर सेन्ट्रल	11:55	12:05
10:18	10:20	उरई	08:05	08:07
13:15	13:20	वीरांगना लक्ष्मी बाई जं.	06:50	06:55
16:30	16:40	बीना	04:40	04:50
19:20	19:25	रानी कमलापति	02:35	02:40
21:02	21:12	इटारसी	00:15	00:25
23:40	23:42	खण्डवा	21:35	21:40
01:40	01:45	भुसावल	18:45	18:50
05:13	05:15	नासिक रोड	14:40	14:42
06:25	06:35	इगतपुरी	14:00	14:10
08:05	08:08	कल्याण	11:42	11:45
09:00	--	**लोकमान्य तिलक (ट.)**	--	**11:00**

रेक संरचना: जनरेटर सह लगेज यान-01, पैन्ट्री कार-01 (बन्द), शयनयान-04, वातानुकुलित तृतीय-08, वातानुकुलित द्वितीय-02, वातानुकुलित प्रथम-01, सामान्य द्वितीय श्रेणी-04, एलएसएलआरडी-01=कुल 22 कोच।

गाड़ी सं. 05591/05592
गोरखपुर-आनन्द विहार (ट.)-गोरखपुर विशेष गाड़ी

गाड़ी सं. 05591 गोरखपुर से रविवार एवं सोमवार को दिनांक 07-12-2025 एवं 08-12-2025 = 02 ट्रिप
गाड़ी सं. 05592 आनन्द विहार (ट.) से सोमवार एवं मंगलवार को दिनांक 08-12-2025 एवं 09-12-2025 = 02 ट्रिप

05591 गोरखपुर-आनन्द विहार (ट.) आगमन	05591 प्रस्थान	स्टेशन	05592 आनन्द विहार (ट.)-गोरखपुर आगमन	05592 प्रस्थान
--	**18:00**	**गोरखपुर**	**23:45**	–
18:38	18:40	खलीलाबाद	22:55	22:57
19:20	19:22	बस्ती	22:20	22:22
20:25	20:30	गोण्डा	21:05	21:10
22:05	22:07	बुढ़वल	19:30	19:32
23:45	23:55	सीतापुर	17:40	17:50
01:25	01:27	शाहजहाँपुर	16:08	16:10
02:45	02:50	बरेली	14:45	14:47
04:20	04:30	मुरादाबाद	12:50	13:00
06:45	06:50	गाजियाबाद	10:30	10:32
07:30	--	**आनन्द विहार (ट.)**	--	**10:00**

रेक संरचना: जनरेटर सह लगेज यान-02, वातानुकुलित तृतीय-20=कुल 22 कोच।

मुजाधि/टी-81 | मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

विशेष श्रद्धांजलि सभा

प्रेरक उपस्थिति
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति
केशव प्रसाद मौर्य उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश | **ब्रजेश पाठक** उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
स्वतंत्र देव सिंह मंत्री, जलशक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण, उत्तर प्रदेश | **जयवीर सिंह** मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश | **असीम अरुण** राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण, उत्तर प्रदेश
सुषमा खर्कवाल महापौर, लखनऊ | **डॉ. लालजी प्रसाद 'निर्मल'** सदस्य, विधान परिषद
एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 6 दिसंबर, 2025 | समय : प्रातः 9:30 बजे | स्थान : भारतरत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा कार्यालय परिसर, हजरतगंज, लखनऊ

बाबा साहेब के विचारों के प्रति संकल्पित सरकार
✦ जीरो पॉवर्टी योजना का नाम बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर रखा गया ✦ लखनऊ में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण (बाबासाहेब की 25 फीट ऊंची प्रतिमा की स्थापना, पुस्तकालय, शोध केंद्र, अत्याधुनिक प्रेक्षागृह एवं संग्रहालय) ✦ श्रमिकों एवं वंचितों के बच्चों की उत्तम शिक्षा हेतु सभी 18 मंडल मुख्यालयों पर अटल आवासीय विद्यालयों का संचालन ✦ डॉ. भीमराव आंबेडकर छात्रावास योजना (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्रों को शिक्षा में सहायता के लिए छात्रावासों का पुनर्निर्माण और नवनिर्माण) ✦ प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की तस्वीर लगाना अनिवार्य ✦ कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नामकरण पुनः डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय

विशेष आकर्षण
- बौद्ध भिक्षुओं द्वारा अस्थिकलश कक्ष में बुद्ध वन्दना एवं त्रिशरण पंचशील का पाठ
- बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी के अस्थिकलश पर पुष्पांजलि

▶ लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS | सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

न्यूज ब्रीफ

एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायाजा

कुशीनगर, अमृत विचार : अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा द्वारा थाना कसया क्षेत्र में स्थापित बैरिया बैरियर का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होने सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया तथा अपराध नियंत्रण, संदिग्ध व्यक्तियों एवं अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने व रात्रि में घटित होने वाली घटनाओं के रोकथाम के लिए ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए।

विप की संसदीय अध्ययन समिति की बैठक देवरिया में आज

कुशीनगर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति शुक्रवार को देवरिया पहुंची। समिति का नेतृत्व सभापति किरण पाल कश्यप कर रहे हैं। समिति द्वारा शनिवार को देवरिया एवं कुशीनगर जनपद के अधिकारियों के साथ विकास भवन सभागार देवरिया में प्रातः 11 बजे महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षा बैठक करेगी। इस दौरान विधानमंडल के सदस्यों द्वारा प्रेषित पत्रों पर विभिन्न विभागों द्वारा की गई कार्रवाई की प्रगति, योजनाओं की स्थिति तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में प्रदर्शन जारी

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास खण्ड शोहरतगढ़ परिसर में गुरुवार को पंचायत सचिवों ने आनलाइन उपस्थिति प्रणाली और गैर विभागीय कार्यों के विरोध में गुरुवार को प्रदर्शन किया। सभी सचिवों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया। वरिष्ठ सचिव रामस्वरूप गुप्ता के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में वरिष्ठ सचिव राम सिंह, सचिव अजय भारतीया, प्रभारी एडीओ (पं0) एवं सचिव कुंवर कन्नौजिया, सचिव कामेश्वर मिश्र, सचिव गौरव श्रीवास्तव, सचिव संदीप सरोज, निशा श्रीवास्तव और सचिव लालचन्द चौधरी शामिल रहे।

एक ही आरोपों व तथ्यों के आधार पर दोबारा सजा देना अवैध

हाईकोर्ट ने पीड़ित कर्मचारी की पदावनति को असंवैधानिक व गलत ठहराया

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सेवा नियमों में दोहरे दंड (डबल जियोपार्डी) के सिद्धांत को स्पष्ट किया है। कोर्ट ने कहा कि किसी कर्मचारी को एक ही आरोपों और तथ्यों के आधार पर दोबारा सज़ा देना न केवल अवैध है, बल्कि प्राकृतिक न्याय की अवधारणा का भी घोर उल्लंघन है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकलपीठ ने दिया है।

पीठ ने इसके साथ ही राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव द्वारा दाखिल याचिका स्वीकारते हुए वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा जारी आदेश को पूर्णतः निरस्त कर दिया। मामले के तथ्यों के अनुसार याची की प्रारंभिक नियुक्ति वर्ष 1986 में वाराणसी विकास प्राधिकरण में चतुर्थ वर्ग (सर्वे खलासी) के पद पर दैनिक वेतन पर हुई। लगभग 30 वर्षों की निरंतर सेवा के बाद याची जूनियर क्लर्क के पद पर पदोन्नत किया गया। उसे रिकॉर्ड सेक्शन के साथ स्टोर की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। अभियोजन के अनुसार उन्होंने खरीद प्रक्रिया से संबंधित फाइल समय पर आगे नहीं बढ़ाई। लेकिन रिकॉर्ड से स्पष्ट हुआ कि फाइल 11 दिन तक स्टोर इंचार्ज के पास ही लंबित थी तथा याची/कर्मचारी को प्राप्त होते ही कार्यवाही तत्काल की गई। इस बीच स्टोर इंचार्ज ने याची पर लापरवाही और अक्षमता का आरोप लगाते हुए शिकायत कर दी। इस शिकायत पर राजेंद्र को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, बिना सुनवाई का अवसर दिए वेतन भी रोक दिया गया। याची राजेंद्र ने उपाध्यक्ष के समक्ष मौखिक स्पष्टीकरण दिया। जिसे स्वीकार करते हुए वेतन जारी करने और भविष्य में सावधानी बरतने की कठोर चेतावनी देकर मामला समाप्त कर दिया गया।

याची राजेंद्र के अनुसार उसी दिन दोबारा प्रतिक्रिया देने या अभिलेख देखने का अवसर दिए बिना समान आरोप दोहराते हुए नया आरोपपत्र जारी कर दिया गया और अंततः पदावनति कर याची को पुनः चतुर्थ वर्ग पद पर भेज दिया गया। आरोप पत्र में याची पर दो आरोप लगाए गए, पहला- कार्य में लापरवाही एवं असावधानी और दूसरा- भवनों की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित आवश्यक सूचनाओं को प्रस्तुत करने में विलंब करना। कोर्ट ने विशेष रूप से रेखांकित किया कि याची को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने या आपत्तियां दाखिल करने का कोई अवसर नहीं दिया गया। रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि उपाध्यक्ष द्वारा मौखिक स्पष्टीकरण को स्वीकार करते हुए केवल कड़ी चेतावनी देकर वेतन जारी करने का आदेश दिया गया था, फिर भी उसी दिन समान आरोपों पर दोबारा विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई। इस प्रकार वही आरोप दोहराकर याची के पीठ पीछे पूरी कार्यवाही करना मनमाना, गैर–कानूनी तथा विधि की दृष्टि से अवैध है। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने पदावनति को असंवैधानिक व अवैध ठहराया और दोनों विभागीय आदेशों को रद्द कर याचिका को स्वीकार कर लिया।

अनुशासनात्मक 'बरी' आपराधिक कार्यवाही समाप्ति का आधार नहीं : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज, अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बार काउंसिल की अनुशासनात्मक कार्यवाही में अनुकूल आदेश या दोषमुक्ति किसी अधिवक्ता के खिलाफ लंबित वैध आपराधिक मुकदमे को स्वतः रद्द करने का आधार नहीं बन सकती। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जय प्रकाश तिवारी की एकलपीठ ने योगेश कुमार भेंटवाल द्वारा सीआरपीसी की धारा 482 के तहत दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। कोर्ट ने आगे कहा कि दोनों कार्यवाहियां, आपराधिक और अनुशासनात्मक, स्वतंत्र प्रकृति की हैं, जिनके उद्देश्य, प्रक्रिया और प्रमाण–मानक भिन्न होते हैं और इसलिए वे समानांतर चल सकती हैं। याचिका में याची ने गाजियाबाद की अदालत द्वारा आईपीसी की धारा 420 के तहत जारी समन को चुनौती दी थी। मामला महावीर सिंह द्वारा 2012 में अधिवक्ता अधिनियम की धारा 35 के तहत दायर उस शिकायत से जुड़ा है, जिसमें आरोप था कि याची ने अनुकूल आदेश दिलाने का भरोसा देकर 6 .36 लाख रुपये लिए। बार काउंसिल की अनुशासन समिति ने 2014 में एकपक्षीय आदेश से उन्हें पांच वर्ष के लिए निलंबित कर दिया था, जिसे बाद में रिकॉल याचिका में रद्द कर दिया गया। इसके उपरांत शिकायतकर्ता ने ठगी का परिवाद दाखिल किया, जिस पर 2017 में समन जारी हुआ। याची ने तर्क दिया कि अनुशासन समिति द्वारा शिकायत खारिज किए जाने के बाद एक ही तथ्यों पर दर्ज आपराधिक मामला दुर्भावनापूर्ण है और न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। उन्होंने यह भी कहा कि आरोप दीवानी प्रकृति के हैं। कोर्ट ने इन दलीलों को अस्वीकार करते हुए कहा कि अनुशासनात्मक 'बरी' अपने आप में आपराधिक कार्यवाही समाप्त करने का मान्य आधार नहीं है। अधिवक्ता अधिनियम के तहत अनुशासनात्मक जांच "अर्ध–आपराधिक" होती है। जिसका उद्देश्य वकालत पेशे की नैतिक मर्यादा को सुरक्षित रखना है। जबकि आपराधिक मुकदमे में अपराध के कानूनी तत्वों की जांच की जाती है। वर्तमान मामले में समन आदेश अदालत द्वारा शिकायतकर्ता और गवाहों के बयानों के आधार पर विधिसम्मत रूप से पारित हुआ था। अंत में कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

यूपी में अराजकता खत्म कर कानून का राज हुआ स्थापित : स्वतंत्र देव

संवाददाता, संतकबीरनगर

खलीलाबाद में एक समारोह में शामिल होने पहुंचे कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह।

अमृत विचार। प्रदेश सरकार के जल शक्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भाजपा जब भी सत्ता में आती है तो गरीबों और वंचितों की सेवा को प्राथमिकता देती है। राजनीति उनके लिए व्यापार नहीं, बल्कि समाजसेवा का मिशन है। यूपी से अराजकता खत्म हो गई है और अब कानून का राज स्थापित है। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रदेश में एकतरफा जीत दर्ज करेगी।

कैबिनेट मंत्री शुक्रवार को जिले के मंझरिया गंगा गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने विपक्षी सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश से पूरी तरह अराजकता खत्म हो चुकी है। कहा कि पहले किसानों के खेत से ट्रैक्टर चोरी हो जाते थे, अब किसी में फावड़ा चुराने की भी हिम्मत नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले किसान रात में ट्यूबवेल से पानी देने जाते थे तो घर की महिलाएं आशंकित रहती थीं कि पता नहीं वह सुरक्षित लौट पाएंगे या नहीं, मानो युद्ध में जा रहे हों। लेकिन आज प्रदेश में कानून का राज है और जनता बिना भय के जीवन जी रही है।

बलिया में वर्तमान में चल रहीं 82 ट्रेन सेवाएं : अश्विनी वैष्णव

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को लोकसभा में बलिया के विकास में यहां के सांसद के प्रयासों की सराहना की। कहा कि बलिया स्टेशन के नवीनीकरण के साथ ही यहां से ट्रेन सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बलिया वास्तव में महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थानों में से एक है और सांसद बलिया ने आज बलिया के बारे में पूरा विस्तृत विवरण दिया, उससे यह पूरा सदन सहमत है। कहा कि बलिया सांसद सनातन पांडेय के लगातार प्रयास के कारण आज बलिया में 82 ट्रेन सेवाएं चल रही है। इसके अलावा बलिया स्टेशन का कंप्लीट नवनिर्माण किया जा रहा है। जिसमें बलिया स्टेशन भवन की डिजाइन में स्थानीय संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहर को समाहित किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत अगामी 50 वर्षो की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बलिया रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास रू. 40.47 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत 83 प्रतिशत फिजिकल कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

अश्विनी वैष्णव केंद्रीय रेल मंत्री।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, कर्नलगंज–गोण्डा
पता -गाड़ी बाजार पश्चिमी

पत्रांक 1552 / न0पा0परि0कर्न0/2025–26 दिनांक 05/12/2025

मैन्युवल निविदा

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि राज्य वित्त आयोग/पालिका निधि के प्राप्त धनराशि से नगर पालिका पषिद कर्नलगंज–गोण्डा निम्न निर्माण / मरम्मत कार्य कराया जाना है। नीचे लिखित विवरण अनुसार निविदायों (मैन्युवल) आमंत्रित की जा रही है। निविदा प्रपत्र दिनांक 05.12.2025 दिन शनिवार को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 27.12.2025 दिन शनिवार को समय 11.00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका पषिद कर्नलगंज–गोण्डा से नगद शुल्क जमा कर क्रय करके कार्यालय में रखे निविदा बाक्स में दिनांक 27.12.2025 दिन शनिवार को समय 12.00 बजे अपरान्ह तक डाले जा सकते है। प्राप्त निविदाएँ दिनांक 27.12 2025 दिन शनिवार को समय 2.00 बजे अपरान्ह में अधोहस्ताक्षरी के समक्ष कार्यालय नगर पालिका पषिद कर्नलगंज–गोण्डा में खोली जायेंगी। विवरण व नियम, शर्ते निम्नवत् है।–

कार्य का विवरण

क्र. सं.	कार्य का नाम	आगणित लागत (लाख रु0 में)	धरोहर धनराशि 10 प्रतिशत	निविदा मूल्य 18% GST सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	वार्ड नं0–03 ओसामा के दुकान से सहमत हुसैन के मकान तक मिट्टी पटाई का कार्य।	1.67	16,700.00	354.00	तीन माह
02	बार्ड नं0–15 थाना कोतवाली कर्नलगंज के परिसर में इण्टरलाकिंग निर्माण का कार्य।	8.02	80,200.00	1,062.00	''
03	वार्ड नं0–15 श्रीराम मार्केट के सामने तहसील रोड पर नाली निर्माण का कार्य।	4.45	44,500.00	708.00	''
04	वार्ड नं0–15 में तहसील रोड पर गुरुनानक मार्केट मछली मण्डी के सामने इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण का कार्य।	9.24	92,400.00	1,298.00	''
05	वार्ड नं0–15 थाना कोतवाली में शौचालय निर्माण एवं सी0ओ0 के आवास पर टाइल्स लगाये जाने का कार्य।	3.23	32,300.00	708.00	''
06	वार्ड नं0–22 बजरंग नगर मेंहदीहाता में शहजाद अली के घर से मुबारक के घर तक एवं नचनी मस्जिद के सामने इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण का कार्य।	9.82	98.200.00	1,298.00	''
07	वार्ड नं0–22 बजरंगनगर मेंहदीहाता नचनी जयप्रकाश सिंह के घर से पटेल सिंह के घर तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण का कार्य।	8.76	87,600.00	1,082.00	''
08	वार्ड नं0–22 बजरंगनगर मेंहदीहाता सारीपुरवा में कालिका के घर से विष्णु के घर होते हुए तालाब तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण का कार्य।	9.19	91,900,00	1,298.00	''
09	वार्ड नं0–22 बजरंगनगर मेंहदीहाता सारीपुरवा में एनम सेन्टर से सुरजीत के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण का कार्य।	6.82	68.200.00	826,00	''
10	नगर पालिका परिषद कर्नलगंज के विभिन्न वार्ड में सी0सी0 रोड व नाली एवं कवर मरम्मत कार्य।	8,05	80,500.00	1,062.00	तीन माह
11	नगर पालिका परिषद कर्नलगंज क्षेत्रांतर्गत विभिन्न स्थलों पर अलाव जलाने के लिए सूखी जलौनी लकड़ी आपूर्ति का कार्य।	9.90	99,000,00	1298.00	आवश्यकतानुसार

निविदा हेतु नियम व शर्ते

1. 10% धरोहर धनराशि एफ0डी0आर0/ इन्टरनेट बैंकिग / NEFT/RTGS पालिका के इण्डियन बैंक शाखा कर्नलगंज के खाता सं0 21995605474 आई0एफ0सी0 कोड IDIB000C639 में स्वीकार की जायेगी। तथा सम्बन्धित धनराशि नकद जमा करने हेतु कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में लेखा लिपिक के पास नकद जमा कर रसीद प्राप्त की जा सकती है।
2. जमानत राशि की वापसी कार्य संतोषजनक स्थित में बने रहने की स्थिति में अन्तिम भुगतान के 12 माह के पश्चात तकनीकी अधिकारी की आख्या पर वापस की जा सकेगी। उक्त अवधि में किसी भी प्रकार की खराबी आने की दशा में ठेकेदार को अपने व्यय पर ठीक कराना होगा।
3. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। निविदा में सम्मिलित कार्यों की अवधि में तर्क संगत आधार होने पर नियमानुसार वृद्धि की जायेगी। अपूर्ण अथवा सही ढंग से न भरी गयी निविदायें स्वीकार नहीं की जायेगी।
4. कार्य निर्धारित समय के अन्दर बिना कारण पूर्ण न करने पर नियमानुसार आर्थिक दण्ड लगाया जायेगा। जिस पर कटौती ठेकेदार के बिल से अथवा जमा धनराशि से की जायेगी। यह दण्ड दो सप्ताह तक अधिकतम रु0 500/– प्रतिदिन तक हो सकता है। दो सप्ताह पश्चात कार्य की निविदा निरस्त करने की कार्यवाही की जा सकती है।
5. सक्षम अधिकारी/अधिशासी अधिकारी को विशेष परिस्थितियों में आवश्यकतानुसार दण्ड आरोपित करने अथवा बिना कोई दण्ड आरोपित किये समय वृद्धि करने का अधिकार होगा।
6. किसी विवाद की दशा में सक्षम अधिकारी/अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद कर्नलगंज–गोण्डा का अन्तिम निर्णय होगा, जो उभय पक्ष को मान्य होगा तथा कार्यादेश जारी करने के पश्चात कार्य न करने पर जमानत धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
7. ठेकेदार के दिन से शाम के निर्देश देकनीकी नियमानुसार कटौती की जायेगी जी ठेकेदार को माध्य कचन करा जना अनिवार्य है।
8. निविदा के संलग्न 10 प्रतिशत धरोहर धनराशि की मूल प्रति तथा निविदा क्रय की रशीद, अद्यतन चरित्र, हैसियत व जी0एस0टी0, पैन आदि प्रमाण पत्रो की स्वप्रमाणित छायाप्रतियों आदि वांछित अभिलेख बंद लिफाफे में निधारित तिथि तक कार्यालय नगर पालिका पषिद कर्नलगंज–गोण्डा में प्रस्तुत करना है।
9. 10 प्रतिशत निम्न (Beloew) पर 01 प्रतिशत कम दर पर तथा 10 प्रतिशत अधिक निम्न (Beloew) पर 01 प्रतिशत प्रति प्रतिशत की कम दर पर सेक्योरिटी परफार्मेश गारंटी शासनादेश संख्या 14/2004/6802/23–07–2024 लो.नि. अनुभाग–07 लखनऊ दिनाँक 09.08.2024 के क्रम में गारन्टी प्रस्तुत करनी होगी।
10. ठेकेदार को निर्धारित समय में आगमन की विशिष्टियों के अनुरूप कार्य पूर्ण करना होगा। पूर्ण कार्य होने पर पालिका के धन उपलब्ध होने की दशा में नियमानुसार भुगतान की कार्यवाही की जायेगी। पालिका धन न होने पर ठेकेदार भुगतान हेतु धन की मांग/मा0 न्यायालय की शरण में नहीं जायेगा।
11. उ0प्र0 सरकार द्वारा लालू जी0एस0टी0 नियमानुसार देय होगी।
12. किसी भी शर्त का उल्लघन करने पर निविदा पर विचार करना सम्मय न होगा।
13. निविदा स्वीकृत उपरान्त 07 दिन के अन्दर स्वयं के पर स्टाम्प पर अनुबन्ध करना होगा, यदि कार्य कर अनुबन्ध नहीं कराया जाता है, तो धनराशि जमा कर कार्य निरस्त कर दिया जायेगा, जिस पर कोई दावा मान्य न होगा।
14. राज्य स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा नियत डिसप्ले बोर्ड पर योजना का पूर्ण विवरण कार्यदायी संस्था का नाम एवं कार्य पूर्ण होने की सम्भावित तिथि व कार्य प्रारम्भ तिथि आदि का उल्लेख किया जायेगा।
15. सक्षम प्राधिकारी द्वारा निविदा को अस्वीकृत करने तथा निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।
16. प्रत्येक कार्य के लिए अलग–अलग टेण्डर की धनराशि बैंक में पाया की जायेगी।
17. समत्त विवादो का न्यायिक क्षेत्र गोण्डा होगा।
18. अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती
19. ठेकेदार को आयकर जी0एस0टी0 नम्बर निविदा के साथ प्रस्तुत करना होगा।
20. निर्माण कार्य का भुगतान धनराशि की उपलब्धता के अनुसार ही किया जायेगा।
21. समयानुसार अलाव की लकड़ी आपूर्ति सुनिश्चित करना होगा।
22. सलाव की लकड़ी की मात्रा आवश्यकतानुरसार घटाई / बढ़ाई जा सकती है।
23. लकड़ी गीला होने पर ठेकेदार के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।
24. लकड़ी का भुगतान धनराशि की उपलब्धता के अनुसार क्रय कर ही किया जायेगा।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद,
कर्नलगंज–गोण्डा

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद,
कर्नलगंज–गोण्डा

पूर्व विधायक की गाड़ी पर अज्ञात फॉर्च्यूनर से जानलेवा हमला, चार संदिग्धों पर केस दर्ज

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। डुमरियागंज में पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह की गाड़ी पर संदिग्ध फॉर्च्यूनर कार सवार लोगों ने जानलेवा हमला किया। मामले में पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बीते मंगलवार की रात करीब 8:20 बजे पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह लखनऊ से डुमरियागंज लौट रहे थे। सोनहटी चौराहा के आगे बढ़ने पर एक फॉर्च्यूनर गाड़ी ने उनकी गाड़ी का पीछा करना शुरू कर दिया।

आरोप है कि सोनहटी और बंजरहा के बीच फॉर्च्यूनर ने दो बार तेज रफ्तार में ओवरटेक करते हुए उनकी गाड़ी को सड़क से नीचे खाई में गिराने का प्रयास किया। पूर्व विधायक की गाड़ी खाई में गिरते-गिरते बची। घटना के बाद जब वाहन रोका गया और सुरक्षाकर्मी नीचे उतरे तो संदिग्ध फॉर्च्यूनर बैदौला की दिशा में फरार हो गई। पीछा किए जाने के बावजूद अंधेरे का फायदा उठाकर वह वाहन भागने में सफल रहा। बताया गया कि फॉर्च्यूनर में करीब चार संदिग्ध व्यक्ति सवार थे। चालक हनुमंत जायसवाल ने थाना डुमरियागंज में तहरीर देकर आरोपियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

तहरीर के आधार पर डुमरियागंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और संदिग्ध वाहन के रूट के आधार पर जांच में जुट गई है। प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि घटना बेहद गंभीर है और सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

136 लोको में कवच लगाने को 123.95 करोड़ रुपये स्वीकृत

नई दिल्ली, अमृत विचार। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पूर्वोत्तर रेलवे के 136 लोको में कवच लगाये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की है। भारतीय रेल के शेष रेल खण्डों पर लॉन्ग–टर्म इवोल्यूशन पर आधारित संचार प्रणाली के साथ कवच का प्रावधान वर्ष 2024–25 के अम्ब्रेला वर्क के तहत कार्य, मशीनरी एवं रोलिंग स्टॉक कार्यक्रम 2024–25 के अन्तर्गत मंजूरी प्रदान की गयी है। इस अम्ब्रेला कार्य की लागत 27,693 करोड़ है। इसके तहत पूर्वोत्तर रेलवे के लिए 969 करोड़ रुपये की लागत से एक सब–अम्ब्रेला वर्क को मंजूरी दी गई।

गोरखपुर- लोकमान्य तिलक टर्मिनस- विशेष गाड़ी का संचालन 7 व 9 को

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग पर 05587/05588 गोरखपुर- लोकमान्य तिलक टर्मिनस–गोरखपुर विशेष गाड़ी का संचलन गोरखपुर से 07 दिसम्बर को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 09 दिसम्बर को किया जायेगा। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, शयनयान श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 08, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे।

5 जनवरी तक बदला रहेगा संचालन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा लखनऊ मण्डल के मोतीगंज–झिलाही–मनकापुर खण्ड में इंजीनियरिंग कार्य के लिए शनिवार (6 दिसंबर) से 5 जनवरी, 2026 तक प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शनिवार को ब्लाक दिये जाने के कारण गाड़ियों का शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन, तथा पुनर्निर्धारण/नियंत्रण किया जायेगा।

दो जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद प्रसूता की मौत, परिजनों का हंगामा

कुशीनगर, अमृत विचार: पडरौना नगर के छावनी स्थित न्यू लाइफ हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। परिजनों ने चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को किसी तरह समझा कर शांत कराया। जिले के तमकुहीराज के पंडित दीनदयाल नगर मुहल्ले के निवासी अमित राय प्रसव पीड़ा पर अपनी पत्नी स्मिता देवी को गुरुवार की सुबह लगभग 11 बजे पडरौना छावनी स्थित न्यू लाइफ हॉस्पिटल अस्पताल में भर्ती कराया था जहां दोपहर लगभग 3:45 बजे चिकित्सक ने ऑपरेशन किया। स्मिता ने दो जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के तत्काल बाद स्मिता की हालत बिगड़ने लगी, लेकिन हास्पिटल प्रशासन व चिकित्सको ने स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया। परिजनों का कहना है कि समय पर उचित इलाज किया जाता तो स्मिता की जान बच सकती थी। इधर मृतका के दोनों बच्चे स्वस्थ बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंचकर हंगामा करने लगे। परिजनों के हंगामे के बाद अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एस.एन. त्रिपाठी भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रतियोगिता | महाराणा प्रताप कॉलेज में खेलकूद कार्यक्रम का आयोजन

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह 2025 के अंतर्गत आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में कबड्डी प्रतियोगिता कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग का आयोजन महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक के ग्राउंड पर आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य डॉ अनिल प्रकाश सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त प्रतियोगिताएं शुरू कराई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि खेलकूद से शरीर स्वस्थ होता है तथा स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। कहा कि कुछ लोग यहां से जीत कर जाएंगे, कुछ लोग यहां से सीख कर जाएंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय बालापार गोरखपुर ने महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूषण को 29 -17 से, गोरखनाथ संस्कृत विद्यापीठ गोरखपुर ने महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी गोरखपुर को 46-20 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। कनिष्ठ वर्ग में दिग्विजय नाथ इंटर कॉलेज चौक बाजार महाराजगंज ने गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ भरोहिया पीपीगंज गोरखपुर को 42-25 से, सरस्वती शिशु मंदिर सुरजकुंड गोरखपुर ने महाराणा प्रताप चिल्ड्रंस अकैडमी गोरखपुर को 45-12 से दिग्विजय नाथ इंटर कॉलेज चौक माफी गोरखपुर ने महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूषण को 29- 23 से महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक गोरखपुर ने एपीएम अकैडमी महाराजगंज को 26 -10 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया।

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, आलमबाग, लखनऊ-226005 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मद के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अन्तिम तिथि
01	51255842	EOT Crane-10 Ton as per Technical Specification attached.	02 Nos.	14.01.2026

निविदा शर्तें: 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेब साइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।

निविदा सूचना सं.: 51255842 दिनांक: 05.12.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3776/2025

अमृत विचार

इंडिगो की उड़ानें रद्द होने का संकट

96 घंटे... बेबसी और गुस्से के

आपदा में अवसर... आसमान पर पहुंचा हवाई किराया, कोलकाता से मुंबई का 90,000 रुपये

मुंबई। इंडिगो की उड़ानें बड़े पैमाने पर रद्द होने के बीच देश में शुक्रवार को हवाई किराए आसमान छूते नजर आए। एयरलाइन कंपनियों की वेबसाइट के अनुसार, छह दिसंबर को स्पाइसजेट की कोलकाता-मुंबई की एक तरफ की यात्रा के लिए 'इकॉनमी' श्रेणी के टिकट की कीमत 90 हजार रुपये तक पहुंच गई, जबकि एयर इंडिया की मुंबई-भुवनेश्वर टिकट 84,485 रुपये तक बिक रही थी।

- **दूसरी एयरलाइन कंपनियों ने तीन से छह गुना तक बढ़ाया किराया**

यात्रा उद्योग के एक अधिकारी ने बताया कि चालक दल की कमी के कारण इंडिगो ने शुक्रवार को 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं, जिससे हवाई किराए में सामान्य सीमा से तीन से चार गुना की वृद्धि हो गई। उन्होंने कहा, स्थिति ऐसी है कि आप उड़ान बुक करते समय अनुमान नहीं लगा सकते कि टिकट की कीमत क्या होगी। यह सामान्य से दो, तीन गुना या उससे भी अधिक हो सकती है। सूत्र ने कहा, आखिरी मिनट में किराए आमतौर पर 2-3 गुना ज्यादा होते हैं। लेकिन इस स्थिति में, हमने उसे छह गुना तक बढ़ते देखा है।

चार प्रीमियम ट्रेन में एसी कोच बढ़ाए

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए शुक्रवार को चार प्रीमियम ट्रेनों में थर्ड एसी और चेयर कार डिब्बे बढ़ाने का फैसला किया। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने यह जानकारी दी।

फ्लाई 91 की अतिरिक्त उड़ानें : पणजी। विमान कंपनी फ्लाई 91 ने अगले तीन दिन के लिए हैदराबाद और गोवा के बीच अतिरिक्त उड़ानों की घोषणा की है।

होटलों-टैक्सियों का भी बढ़ा किराया

जो यात्री अपनी यात्रा के बीच पड़ाव में हवाई अड्डे पर रुके हैं और अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर हैं, उन्हें होटलों में ठहरने की सुविधा दी गई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुंबई हवाई अड्डे के पास कई होटल यात्रियों के रहने के लिए बुक किए गए है। लेकिन कई होटलों ने अपने कमरों के किराया बढ़ा दिए हैं, इसके अलावा टैक्सी के किराए में भी वृद्धि हो गई है।

संकट सरकार के एकाधिकार मॉडल का नतीजा

कांग्रेस का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में परिचालन संबंधी व्यवधान को लेकर शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इंडिगो का यह संकट इस सरकार के 'एकाधिकार मॉडल' का नतीजा है। मुख्य विपक्षी दल ने यह दावा भी किया कि सरकार को इंडिगो के आगे झुकना पड़ा और उसने अपना दिशानिर्देश वापस ले लिया।

इंडिगो की सैकड़ों घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया, जबकि कई उड़ानें देर से रवाना होने से हजारों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी है। आखिरकार डीजीसीए ने शुक्रवार को उड़ान ड्यूटी मानदंडों में ढील देते हुए पायलटों को छुट्टियों की जगह साप्ताहिक विश्राम अवधि लेने की अनुमति दे दी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, इंडिगो संकट सरकार के एकाधिकार मॉडल का नतीजा है। इसकी कीमत आम भारतीयों को देरी, उड़ानें रद्द होने और लाचारी के रूप में चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा, भारत हर क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का हकदार है, मैच फिक्सिंग के एकाधिकार का नहीं है।

उपकर वाले विधेयक को लोकसभा में मंजूरी

वित्त मंत्री की ओर से पेश स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक को ध्वनिमत से दी गई स्वीकृति

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने पान मसाला पर उपकर लगाने के प्रावधान वाले विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पर हुई चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने विभिन्न संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से स्वीकृति दी। वित्त मंत्री ने कहा कि यह किसी भी वित्त मंत्री की जिम्मेदारी होती है कि राजस्व बढ़ाया जाए ताकि विभिन्न क्षेत्रों में मांग को पूरा किया जा सके, लेकिन यहां एक सरकार है जिसने कर के दायरे को घटाया है। आयकर की सीमा में भारी छूट दी गई है और 12 लाख तक की आय पर कर देने की जरूरत नहीं है।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटी में व्यापक बदलाव किया गया है ताकि चीजें किफायती हों। उनका कहना था कि आयकर की सीमा बढ़ाने से लोगों के हाथ में एक लाख करोड़ रुपये बचे हैं। क्या लोगों की बुनियादी जरूरत की वस्तु पर कर लगा रही हूं, बिल्कुल नहीं। सिर्फ हानिकारक वस्तुओं पर कर लगाया जा रहा है। मुझे लगता है कि शायह ही कोई सदस्य यह कहेगा कि पान मसाला की कीमत किफायती होनी चाहिए।

- **वित्त मंत्री ने कहा- शायह ही कोई यह कहेगा कि पान मसाला की कीमत किफायती होनी चाहिए**

विधेयक के दायरे में सिर्फ हानिकारक वस्तुएं ही

सीतारमण ने कहा कि यह भी सत्य है कि रक्षा और सड़क निर्माण के लिए पैसे की जरूरत होती है। सीतारमण ने कहा कि बोफोर्स मामले के बाद 30 साल तक तोप की खरीद नहीं की गई और स्थिति यह हुई कि इस अवधि में कई रक्षा मंत्री तो फैसले ही नहीं कर पाए। उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय रक्षा साजो-समान की कथित तौर पर खरीद नहीं होने का उल्लेख भी किया। वित्त मंत्री का कहना था कि मैं इस विधेयक के दायरे में आटे को नहीं ला सकती, इसमें सिर्फ हानिकारक वस्तुएं ही लाई जा सकती हैं। उपकर कोई नई व्यवस्था नहीं है। 2014 से पहले चार उपकर का संग्रह था। सीतारमण ने कहा कि क्षतिपूर्ति उपकर के संग्रह से राज्यों का हिस्सा उन्हें भेजा गया है। उनका कहना था कि राजस्व संग्रह कैग की छानबीन के दायरे में आता है।

जीएसटी पर नहीं पड़ेगा विधेयक का असर

सीतारमण ने कहा था कि विधेयक का मकसद अतिरिक्त संसाधन जुटाना है तथा इससे मिलने वाले राजस्व का एक हिस्सा राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। वित्त मंत्री ने सदन में विधेयक को चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए यह भी कहा था कि इस विधेयक का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा तथा पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी बरकरार रहेगी। स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पान मसाला पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा।

पान मसाले का विज्ञापन करने वाले फिल्म अभिनेताओं से वापस लिए जाएं सरकार की ओर से दिए पुरस्कार

पान मसाला और गुटके को बढ़ावा देने के लिए विज्ञापन कर रहे अभिनेताओं को उनके बेहतर अभिनय के लिए मिले पुरस्कार वापस लेने की मांग शुक्रवार को लोकसभा में उठी। निचले सदन में गुजरात में शराबबंदी खत्म करने का मुद्दा भी उठाया गया। पान मसाला पर उपकर लगाने संबंधी स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के हनुमान बेनीवाल ने कहा कि किसी मामले में कानून बनाने से ज्यादा महत्वपूर्ण उस पर अमल करना होता है। बेनीवाल ने शाहरूख खान, अजय देवगन और सलमान खान जैसे अभिनेताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे अदाकार विज्ञापन के जरिये पान मसाला और गुटकों के सेवन को बढ़ावा देते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईडी ने रिलायंस की 1,120 करोड़ की और संपत्तियां कुर्क कीं

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत और 1,120 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। अधिकारियों ने कहा कि रिलायंस समूह की कुल 10,117 करोड़ की संपत्तियां अब तक कुर्क की जा चुकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के बैलार्ड एस्टेट में स्थित रिलायंस अनिल अंबानी समूह के रिलायंस सेंटर समेत 18 संपत्तियों, सावधि जमा और गुपचुप निवेश से जुड़े शेयरों को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है।

श्रीनगर और गांदरबल में व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल की जांच

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने 'व्हाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल की जांच के सिलसिले में शुक्रवार को श्रीनगर और गांदरबल जिलों में छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार, तड़के शुरू की गई छापेमारी की इन कार्रवाइयों के तहत मध्य कश्मीर के श्रीनगर और गांदरबल जिलों में कई स्थानों पर तलाशी ली गई। इनमें शहर के बटमालू इलाके के दियारवानी में तुफैल भट के आवास पर की गई छापेमारी भी शामिल है। एसआईए ने भट को पिछले महीने 'व्हाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल मामले में गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी इस मामले की जांच का हिस्सा है।

गत वर्ष सड़क हादसों में मौत के मामले बढ़कर 1.77 लाख : गडकरी

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि भारत में सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 2024 में 2.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख से अधिक हो गई, जिसका अर्थ है कि हर दिन 485 लोगों की मौत सड़क हादसों में हुई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि फरवरी 2020 में सड़क सुरक्षा पर तीसरे वैश्विक मंत्री स्तरीय सम्मेलन में अपनाए गए 'सड़क सुरक्षा पर स्टॉकहोम घोषणापत्र' में 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और चोटों को 50 प्रतिशत तक कम करने का एक नया वैश्विक लक्ष्य रखा गया है।

वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की समय सीमा नहीं बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 'उम्मीद' पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की संभावना से शुक्रवार को इन्कार करते हुए कहा कि उन मुत्तवलियों (वक्फ का देखभाल करने वाले) को तीन महीने तक जुर्माने और किसी कठोर सजा से राहत दी जाएगी, जो पंजीकरण का प्रयास करते हुए सफल नहीं हो सके।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह तक 1.51 लाख संपत्तियों का पंजीकरण हो चुका था। मंत्री का कहना था कि जो लोग पंजीकरण नहीं कर पाए हैं वो वक्फ न्यायाधिकरण का रुख कर सकते हैं। केंद्र ने सभी वक्फ संपत्तियों की 'जियो-टैगिंग' के बाद एक डिजिटल सूची बनाने के लिए बीते छह जून को एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास (उम्मीद) अधिनियम केंद्रीय पोर्टल शुरू किया था। 'उम्मीद' के प्रावधान के अनुसार, देश भर में सभी पंजीकृत वक्फ संपत्तियों का विवरण अनिवार्य रूप से छह महीने के भीतर अपलोड किया जाना है। पंजीकरण के लिए छह महीने की मियाद शुक्रवार को खत्म हो रही है।

- **केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने कहा- पंजीकरण का प्रयास करने वाले मुत्तवलियों को दी जाएगी राहत**

मोदी कल लोकसभा में करेंगे वंदेमातरम पर चर्चा की शुरुआत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर आठ दिसंबर को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे, जबकि गृह मंत्री अमित शाह नौ दिसंबर को राज्यसभा में यह शुरुआत करेंगे। चुनाव सुधारों पर चर्चा लोकसभा में 9-10 दिसंबर जबकि राज्यसभा में 10-11 दिसंबर को होने की संभावना है। चुनाव सुधारों पर चर्चा में एसआईआर भी शामिल है।

- **राज्यसभा में शाह शुरू करेंगे चर्चा, एसआईआर पर नौ से 11 दिसंबर तक होगी दोनों सदनों में चर्चा**

प्रधानमंत्री मोदी संसद के निचले सदन में दोपहर 12 बजे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् पर चर्चा की शुरुआत करेंगे, जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई अन्य मंत्री दिन भर चलने वाली चर्चा में भाग लेंगे। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा में चर्चा का अंतिम वक्ता सत्तारूढ़ भाजपा से होगा। राज्यसभा में गृह मंत्री शाह चर्चा की शुरुआत करेंगे और उच्च सदन के नेता जेपी नड्डा भी चर्चा में भाग लेंगे। चुनाव सुधारों पर चर्चा के बारे में सूत्रों ने कहा कि चर्चा व्यापक विषय के सभी पहलुओं को शामिल करेगी और केवल एसआईआर तक ही सीमित नहीं रहेगी। एक सूत्र ने दावा किया, चर्चा चुनाव सुधारों के विषय पर होगी, न कि केवल एसआईआर पर। वंदेमातरम् और चुनाव सुधारों पर चर्चा कराने का निर्णय सर्वदलीय बैठक और राज्यसभा एवं लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठकों के बाद लिया गया।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता बेहद खराब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को धुंध की मोटी चादर छाई रही और औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 327 रहा जो बहुत खराब श्रेणी में है। वहीं, शहर में इस साल दिसंबर की अब तक की सबसे ठंडी सुबह रही और पारा 5.6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। राजधानी में 24 घंटे का औसत एक्यूआई 327 दर्ज किया गया, जबकि सुबह के समय यह 323 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, बवाना ने 373 के साथ सबसे खराब एक्यूआई दर्ज किया। बोर्ड के 'समीर' ऐप के आंकड़ों के अनुसार, शाम छह बजे तक 39 में से 31 वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग स्टेशन 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंचे, जबकि आरके पुरम में 370 का एक्यूआई दर्ज हुआ, जो दिन के सबसे ऊंचे स्तरों में से एक रहा।

नेशनल हेराल्ड मामले में डीके शिवकुमार को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नेशनल हेराल्ड मामले की जांच के तहत कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को नोटिस जारी कर वित्तीय और लेनदेन संबंधी विवरण मांगा है।

आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि शिवकुमार के पास इस साल तीन अक्टूबर को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज नेशनल हेराल्ड मामले से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी होने की संभावना है।

नोटिस 29 नवंबर को जारी किया गया था। नोटिस में ईओडब्ल्यू ने शिवकुमार को 19 दिसंबर तक पेश होने या मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। जांच अधिकारियों ने उनकी व्यक्तिगत पृष्ठभूमि, कांग्रेस पार्टी के साथ उनके जुड़ाव और उनके या उनकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा 'यंग इंडियन' को हस्तांतरित धनराशि का पूरा ब्योरा मांगा है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री के करीबी सूत्रों ने कहा कि उन्हें भाजपा के साथ तालमेल न बिठाने के कारण निशाना बनाया जा रहा है और यह दर्शाता है कि वह कांग्रेस के लिए झटका झेलने वाले प्रमुख नेताओं में शामिल हैं।

कांग्रेस पर मुस्लिम आरक्षण का आरोप

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर 'मुस्लिम आरक्षण' को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के आरक्षण की सुरक्षा करनी चाहिए। उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। निशिकांत दुबे ने कहा कि कांग्रेस का हाथ मुसलमानों के साथ है...उसने मुस्लिम समुदाय को पहले आंध्र प्रदेश में चार प्रतिशत आरक्षण दिया और अब वही तेलंगाना और कर्नाटक में किया।

किसानों का धरना

केंद्र सरकार के बिजली (संशोधन) विधेयक, 2025 के मसौदे और अन्य मुद्दों के खिलाफ किसान मजदूर मोर्चा, की पंजाब शाखा की ओर से आहूत राज्यव्यापी रेल रोको विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सैकड़ों किसानों ने अमृतसर के पास देवी दास पुरा में रेलवे पटरियों पर बैठकर कई ट्रेनों का आवागमन बाधित किया। किसानों ने कहा, प्रस्तावित बिजली कानून के प्रावधान ग्रामीण उपभोक्ताओं पर बोझ डालेंगे, आवश्यक सेवाओं का निजीकरण करेंगे और गांवों में प्रीपेड मीटर थोपेंगे।

इंडिगो की चौथे दिन भी 500 उड़ानें रद

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के राष्ट्रीय राजधानी से प्रस्थान करने वाली सभी उड़ानों सहित करीब 500 उड़ानें रद्द करने से देश भर में हजारों यात्री कई घंटों तक फंसे रहे और हवाई यात्रा शुक्रवार को लगातार चौथे दिन पटरी से उतरी नजर आई।

लोगों का गुस्सा बढ़ने और विपक्षी दलों के सरकार को घेरने के बाद डीजीसीए ने हस्तक्षेप करते हुए इंडिगो के पायलटों के लिए रात्रि ड्यूटी के कड़े नियमों से अस्थायी छूट दे दी। इंडिगो का संकट उन नए नियमों से खड़ा हुआ जिनके तहत पायलटों के साप्ताहिक आराम की जरूरत के समय को 12 घंटे से बढ़ाकर 48 घंटे कर दिया गया। साथ ही सप्ताह में केवल दो बार रात में लैंडिंग की अनुमति दी गई है, जो पहले छह हुआ करती थी। इंडिगो ने इन व्यवधानों के लिए गलत फैसलों और योजनागत कमियों को जिम्मेदार ठहराया है। दिल्ली से शुक्रवार को इंडिगो की 235 उड़ानें रद्द की गई हैं। चार दिन में 1200 से ज्यादा उड़ाने रद्द हुईं।

बेंगलुरु हवाई अड्डे पर फैली भारी अव्यवस्था।

- **सेवाओं में व्यवधान से हवाई अड्डों पर अफरा तफरी**
- **डीजीसीए ने पैसेंजर्स की सुरक्षा की कीमत पर दी राहत**

भ्रष्टाचार को लेकर एक पूर्व एएआई अध्यक्ष पर केस

नई दिल्ली। सीबीआई ने 2012-13 में चेन्नई और कोलकाता हवाई अड्डों पर भोजन और पेय पदार्थ सेवाओं में भ्रष्टाचार के आरोप में भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण (एएआई) के पूर्व अध्यक्ष वी पी अग्रवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है।

धोखाधड़ी और घोर कदाचार के आरोपों की तीन साल की प्रारंभिक जांच के बाद, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने तत्कालीन सदस्य (वित्त) एस सुरेश, तत्कालीन कार्यकारी निदेशक आर भंडारी, लाउंज संचालकों-- 'ट्रैवल फूड सर्विसेज चेन्नई प्राइवेट लिमिटेड' और 'ट्रैवल फूड सर्विसेज कोलकाता प्राइवेट लिमिटेड' और 'देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड' पर भी मामला दर्ज किया है।'देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड' भारत में कई फास्ट-फूड चेन चलाती है। कंपनियों को भेजे गए सवाल अनुत्तरित रहे।

मंदिर का पैसा अराध्य का, बैंक के लाभ के लिए नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि किसी मंदिर के अराध्य के धन का उपयोग वित्तीय संकटग्रस्त सहकारी बैंकों को सहारा देने के लिए नहीं किया जा सकता। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह कड़ी टिप्पणियां कुछ सहकारी बैंकों द्वारा दायर अपील पर सुनवाई के दौरान कीं। सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

अपील में केरल हाईकोर्ट के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बैंकों से थिरुनेल्ली मंदिर देवास्वोम को जमा राशि लौटाने को कहा गया था। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया, आप मंदिर के धन का उपयोग बैंक को बचाने के लिए करना चाहते हैं? यह निर्देश देने में क्या गलत है कि मंदिर का धन, संकट ग्रस्त सहकारी बैंक में रखने के बजाय राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा किया जाना चाहिए जो अधिकतम ब्याज दे सके। पीठ ने कहा कि मंदिर का धन अराध्य का है और इसको मंदिर के हितों, संरक्षित के लिए उपयोग किया जाना चाहिए तथा यह किसी सहकारी बैंक के लिए आय या जीवनयापन का स्रोत नहीं बन सकता।

- **कुछ सहकारी बैंकों की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी**

न्यायपालिका में एआई के उपयोग पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग के अनियमित उपयोग को रोकने से संबंधित जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई से शुक्रवार को इन्कार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह न्यायपालिका में एआई और मशीन लर्निंग उपकरणों के दुष्प्रभावों से अवगत है, लेकिन इन मुद्दों का समाधान न्यायिक निर्देशों के बजाय प्रशासनिक स्तर पर अधिक उपयुक्त रूप से किया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अनुपम लाल दास की दलील सुनी, जो याचिकाकर्ता कार्तिकेय रावल की ओर से पेश हुए थे।

कुलपतियों की नियुक्त पर बनाएं सहमति

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केरल में दो विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के चयन को लेकर अगर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन व राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर के बीच सहमति नहीं बन पाती है तो वह समाधान के लिए हस्तक्षेप करेगा। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और पीबी वराले की पीठ एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विवि और डिजिटल विज्ञान नवाचार एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपतियों की नियुक्ति पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने राज्यपाल के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि और मुख्यमंत्री के अधिवक्ता जयदीप गुप्ता को गतिरोध समाप्त करने को समाधान खोजने का निर्देश दिया।

कर्नाटक में हिजाब और भगवा शॉल को लेकर फिर विवाद

हावेरी। कर्नाटक के हावेरी जिले के कॉलेज में विद्यार्थियों के कुछ ग्रुप हिजाब और भगवा शॉल के साथ कक्षा में पहुंचे, जिसके कारण कॉलेज परिसर में तनाव उत्पन्न हो गया। अक्की अलूर गांव स्थित सीजी बेल्लाड सरकारी कॉलेज की इस घटना ने कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थानों ड्रेस-कोड पर बहस को फिर से सुर्खियों में ला दिया है।

विद्यार्थियों का समूह गुरुवार को ये शिकायत करते हुए भगवा शॉल के साथ कक्षा में पहुंचा था कि वे कॉलेज प्रशासन द्वारा पोषाक के नियमों को लागू करने में कथित विफलता के खिलाफ आवाज उठाना चाहते थे। विद्यार्थियों ने कहा कि उन्होंने बार-बार शिकायत की थी।

सपने देखो, सपने देखो, सपने देखो। सपने विचारों में बदल जाते हैं और विचार कार्य में परिणत होते हैं।
-एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

बहुध्रुवीय सार्थक साझेदारी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यात्रा और उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई वार्ता भारत की कूटनीति के लिए ऐसे समय निर्णायक महत्व रखती है, जब वैश्विक शक्ति-संतुलन तेजी से बदल रहा है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने के बाद पैदा हुई खटास, पश्चिम–रूस तनाव तथा यूक्रेन संघर्ष की अनिश्चितता- इन सबके बीच यह यात्रा अत्यंत दूरगामी प्रभाव छोड़ने वाली है। रूस से ट्रेड अमेरिकी टैरिफ से निबटने का बेहतर विकल्प है। पुतिन मोदी संवाद के दौरान दोनों देशों ने आपसी हितों से जुड़े सभी अहम क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों को खुलकर साझा किया। यूक्रेन संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों का असर, एशिया-प्रशांत में शक्ति-संघर्ष, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय मंचों पर समन्वय- इन पर भारत-रूस की स्पष्टता आने वाले समय में नई रणनीतिक दिशा तय करेगी। भारत की 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति में यह वार्ता संतुलन का एक मजबूत स्तंभ बन सकती है। ऊर्जा, रक्षा, खाद तथा व्यापार के मोर्चों पर कई अहम समझौते भारतीय रिफाइनरियों के लिए दीर्घकालिक रियायती तेल सप्लाई, कोयले और प्राकृतिक गैस के लिए सुरक्षित कॉरिडोर, खाद और क्रूड फॉस्फेट की स्थिर आपूर्ति, उच्च तकनीकी वाली रक्षा प्रणालियों के संयुक्त उत्पादन जैसे कदम आपसी भरोसे को मजबूत करेंगे। एस-400 डिलीवरी के अगले चरण, ब्रह्मोस के निर्यात संस्करण तथा एयरोस्पेस और समुद्री प्रणालियों में सहयोग को भी गति मिल सकती है।

अमेरिकी टैरिफ के बाद की यह यात्रा भारत का दृश्यमान संदेश है कि वह किसी एक ध्रुव की नीतियों का बंधक नहीं बन सकता। वाणिज्य और समाज के व्यापक क्षेत्रों- फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, खाद्य उत्पाद, उपभोक्ता वस्तुएं, शिक्षा, संस्कृति और मीडिया में यह यात्रा विशेष प्रभाव डालेगी। भारतीय दवाइयां और चिकित्सकीय उपकरण रूस में पहले ही उच्च विश्वसनीयता रखते हैं, अब संयुक्त अनुसंधान, जेनेरिक दवाओं की संयुक्त फैक्ट्रियां और अस्पताल सहयोग नए अवसर खोलेंगे। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में रूस ने भारतीय निर्यात बढ़ाने की गंभीर रुचि दिखाई है। कारोबारी रिश्तों की बात करें तो 'ईस्टर्न इकोनॉमिक कॉरिडोर' के तहत भारतीय निवेश को प्रोत्साहन और रूस के आर्कटिक सेक्टर में सहयोग दोनों ही देशों के लिए रणनीतिक मूल्य रखते हैं। खाद जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की निर्भरता रूस से मिल रही स्थिर आपूर्ति के कारण अधिक सुरक्षित होगी।

पुतिन की यह यात्रा, जी 20, ब्रिक्स, एससीओ और संयुक्त राष्ट्र जैसे बहुपक्षीय मंचों- पर सामूहिक एजेंडा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विशेषकर ब्रिक्स के विस्तार, वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को मजबूत करने और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में सुधार के मुद्दों पर भारत-रूस एकजुटता इन संगठनों में नई गति ला सकती है। कुल मिलाकर मोदी सरकार के लिए यह यात्रा न केवल विदेश नीति के लिहाज़ से, बल्कि राजनीतिक-संदेश और रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत की पुनर्पुष्टि के रूप में भी असाधारण रूप से महत्वपूर्ण है। अमेरिका के साथ संबंधों में आई क्षणिक गिरावट के बीच यह यात्रा भारत की 'स्वतंत्र और बहुध्रुवीय' विदेश नीति की परिपक्वता का प्रमाण है।

प्रसंगवश

डॉ. आंबेडकर का सामाजिक राजनीतिक दर्शन

अरविंद जयतिलक
लेखक

इंग्लैंड से लौटने के बाद जब डॉ. आंबेडकर ने भारत की धरती पर कदम रखा, तो समाज में छुआछुत और जातिवाद चरम पर था। उन्हें लगा कि यह सामाजिक कुप्रवृत्ति और खंडित समाज देश को कई हिस्सों में तोड़ देगा। सो उन्होंने हाशिए पर खड़े अनुसूचित जाति-जनजाति एवं दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका की मांग कर परोक्ष रूप से समाज को जोड़ने की दिशा में पहल तेज कर दी। अपनी आवाज को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने 1920 में, बंबई में साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरुआत की, जो शीध्र ही पाठकों में लोकप्रिय हो गया। दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान उनके दिए गए भाषण से कोल्हापुर राज्य का स्थानीय शासक शाहु चतुर्थ बेहद प्रभावित हुआ और डॉ. अंबेडकर के साथ उसका भोजन करना रुढ़िवाद से ग्रस्त भारतीय समाज को झकझोर गया।

डॉ. अंबेडकर ने मुख्यधारा के महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों को जाति व्यवस्था के उन्मूलन के प्रति नरमी पर वार करते हुए उन नेताओं की भी कटु आलोचना की, जो अस्पृश्य समुदाय को एक मानव के बजाए करुणा की वस्तु के रूप में देखते थे। ब्रिटिश हुकूमत की विफलताओं से नाराज अंबेडकर ने अस्पृश्य समुदाय को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए एक ऐसी अलग राजनीतिक पहचान की वकालत की, जिसमें कांग्रेस और ब्रिटिश दोनों का कोई दखल न हो। 8 अगस्त 1930 को उन्होंने एक शोषित वर्ग के सम्मेलन के दौरान अपनी राजनीतिक दृष्टि को दुनिया के सामने रखा और कहा कि हमें अपना रास्ता स्वयं बनाना होगा और स्वयं राजनीतिक शक्ति शोषितों की समस्याओं का निवारण नहीं हो सकती। उनको शिक्षित करना चाहिए, उनका उद्धार समाज में उनका उचित स्थान पाने में निहित है। उनको अपना रहने का बुरा तरीका बदलना होगा। उनको शिक्षित होना चाहिए। एक बड़ी आवश्यकता उनकी हीनता की भावना को झकझोरने और उनके अंदर दैवीय असंतोष की स्थापना करने की है, जो सभी ऊंचाइयों का स्रोत है।

डॉ. अंबेडकर सिर्फ हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों और सामाजिक भेदभाव के ही विरोधी नहीं थे, बल्कि वे इस्लाम धर्म में व्याप्त बाल विवाह की प्रथा और महिलाओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार के भी कटु आलोचक थे। उन्होंने लिखा है कि मुस्लिम समाज में तो हिंदू समाज से भी कहीं अधिक बुराईयां हैं और मुसलमान उन्हें भाईचारे जैसे नरम शब्दों के प्रयोग से छिपाते हैं। उन्होंने मुसलमानों द्वारा अर्जल वर्गों के खिलाफ भेदभाव, जिन्हें निचले दर्जे का माना जाता था, के साथ मुस्लिम समाज में महिलाओं के उत्पीड़न की दमनकारी पर्दा प्रथा की जबरदस्त निंदा की। डॉ. अंबेडकर स्त्री-पुरुष समानता के प्रबल पक्षधर थे।

उन्होंने इस्लाम धर्म में स्त्री-पुरुष असमानता का जिक्र करते हुए कहा कि बहुविवाह और रखैल रखने के दुपरिष्णाम शब्दों में व्यक्त नहीं किए जा सकते, जो विशेष रुप से एक मुस्लिम महिला के दुख के स्रोत हैं। वे हिंसामुक्त समानता पर आधारित समाज के पैरोकार थे। दरअसल अंबेडकर ही एकमात्र राजनेता थे जो छुआछुत की निंदा करते थे। जब 1932 में ब्रिटिश हुकूमत ने उनके साथ सहमति व्यक्त करते हुए अछूतों को पृथक निर्वाचिका देने की घोषणा की तब महात्मा गांधी ने इसके विरोध में पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल में आमरण अनशन शुरु कर दिया। यह अंबेडकर का प्रभाव ही था कि गांधी जी ने अनशन के जरिए रुढ़िवादी हिंदू समाज से सामाजिक भेदभाव और अस्पृश्यता को खत्म करने की अपील की।

फूड सब्सिडी और किसानों की चिंताएं

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

> हाल के वर्षों में दो चीजें समान रूप से बढ़ी हैं। एक ओर किसानों में खेती के लाभ को लेकर चिंताएं गहरी होती जा रही हैं और दूसरी ओर सरकार का फूड सब्सिडी पर खर्च रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है।

कृषि से जुड़ी नीतियां और समर्थन प्रणालियां देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। हाल के वर्षों में दो चीजें समान रूप से बढ़ी हैं। एक ओर किसानों में खेती के लाभ को लेकर चिंताएं गहरी होती जा रही हैं और दूसरी ओर सरकार का फूड सब्सिडी पर खर्च रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। इन दोनों स्थितियों का एक साथ उभरना स्वाभाविक रूप से यह सवाल खड़ा करता है कि क्या बढ़ती फूड सब्सिडी वास्तव में किसानों के हितों को मजबूत कर रही है या यह लाभ अधिकतर उपभोक्ताओं तक ही सीमित है।

देश में फूड सब्सिडी का अर्थ केवल सस्ता अनाज उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि यह देश की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में से एक है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत करोड़ों परिवारों को अत्यंत रियायती दरों पर अनाज दिया जाता है। इसके अलावा कोविड-19 जैसी आपात स्थितियों के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने सब्सिडी के भार को और बढ़ाया। इन योजनाओं को चलाने के लिए सरकार को पहले किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदना होता है, फिर उसका भंडारण करना, ढुलाई कराना और अंत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से जरूरतमंदों तक पहुंचाना होता है। इन सभी चरणों की बढ़ती लागत मिलकर फूड सब्सिडी को बहुत बड़ा आर्थिक बोझ बना देती है। पिछले एक दशक में यह बोझ कई गुना बढ़ चुका है और सरकार के कुल बजट में इसका हिस्सा अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

दूसरी ओर, किसानों की स्थिति वेतनभोगी तबके की तरह स्थिर नहीं होती। खेती प्राकृतिक जोखिमों पर निर्भर करती है और उत्पादन लागत लगातार बढ़ती जा रही है। खाद, डीज़ल, श्रम, कीटनाशक और कृषि संबंधी मशीनरी सब कुछ महंगा होता जा रहा है। ऐसे में किसानों को मिलने वाला मूल्य कई बार उनकी लागत तक भी नहीं पहुंच पाता। यूं तो न्यूनतम समर्थन मूल्य एक सुरक्षा कवच की तरह दिखता है, पर वास्तविकता यह है कि देश के लगभग 6–8% किसान ही अपनी उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेच पाते हैं। अधिकांश किसानों की फसल खुले बाजार में बिकती है, जहां मांग और आपूर्ति के आधार पर कीमतें काफी बदलती रहती हैं। यह अस्थिरता किसानों की चिंताओं को और बढ़ा देती है।

इसके अलावा सरकार द्वारा मुख्य रूप से धान और गेहूं की खरीद होने के कारण किसान सुरक्षित विकल्प के रूप में इन्हीं फसलों को उगाने पर निर्भर रहते हैं। इससे न केवल मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि जल संसाधनों पर भी अत्यधिक दबाव पड़ता है। साथ ही अन्य फसलों- जैसे दालें, तिलहन, बागबानी अपने वास्तविक मूल्य से वंचित रह जाती है, क्योंकि इनके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य आधारित मजबूत खरीद प्रणाली नहीं है। जिन किसानों को अपनी उपज इन फसलों में लगानी होती है, उन्हें अक्सर अधिक जोखिम उठाना पड़ता है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भी अब अधिक स्पष्ट हो चुका है। बेमौसम बरसात, अतिवृष्टि, सूखा या अत्यधिक तापमान यह सभी खेती की लागत और उत्पादन पर गहरा असर डालते हैं। जब जोखिम बढ़ता है और समर्थन प्रणाली अपर्याप्त रहती है, तो किसान स्वाभाविक रूप से असुरक्षा महसूस करता है। ऐसे में केवल फूड सब्सिडी बढ़ जाने से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं आता।

यह समझना महत्वपूर्ण है कि फूड सब्सिडी मुख्य रूप से उपभोक्ताओं और गरीब वर्गों को राहत देने का साधन है। सरकार महंगे दाम पर अनाज खरीदकर उसे बेहद कम दाम पर देती है, जिससे सब्सिडी की मात्रा बढ़ती है। इस प्रक्रिया में किसान को सिर्फ बिक्री का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलता है, पर यह लाभ केवल उन किसानों तक सीमित है, जिनकी फसल वास्तव में सरकारी खरीद में शामिल होती है। बाकी किसानों को इस बढ़ती सब्सिडी से प्रत्यक्ष रूप से कोई फायदा नहीं मिलता, जबकि सरकार के बजट में कृषि संरचनाओं के अन्य सुधारों पर खर्च सीमित रह जाता है।

किसानों का कहना है कि यदि सरकार उपभोक्ताओं के लिए इतनी बड़ी सब्सिडी वहन कर सकती है, तो किसानों की आय बढ़ाने, लागत कम करने और कृषि से जुड़े जोखिम घटाने पर भी समान ध्यान दिया जाना चाहिए। उनका यह तर्क भी उचित है कि कृषि को लाभकारी बनाए बिना केवल उपभोक्ता सब्सिडी बढ़ाते रहना दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। किसान देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ हैं, और यदि वही आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे तो उत्पादन पर इसका असर पड़ना स्वाभाविक है।

इस जटिल परिस्थिति से बाहर निकलने के लिए व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे भंडारण, परिवहन, कोल्ड चेन और प्रोसेसिंग इकाइयों को मजबूत किए बिना किसानों को बेहतर लाभ दिलाना मुश्किल है। इसके साथ बाजार सुधारों की भी जरूरत है, जहां किसान बिचौलियों पर निर्भर न रहें और डिजिटल प्लेटफॉर्म या किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से सीधे खरीदारों से जुड़ सकें। फसल में विविधता लाने को भी किसानों को प्रोत्साहित करके, खासकर दलहन और तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देकर, भारत आयात पर निर्भरता भी घटा सकता है और किसानों की आय भी बढ़ा सकता है। लागत कम करने के उपाय जैसे- आधुनिक सिंचाई तकनीक, जैविक विकल्प और उन्नत बीज भी किसानों की मदद कर सकते हैं।

अंत में यह कहा जा सकता है कि फूड सब्सिडी का बढ़ना देश की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक है, पर यह किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं है। किसानों की आय, कृषि लागत, जोखिम स्तर और बाजार व्यवस्था सुधारने पर समान रूप से ध्यान देना होगा।

आमने सामने

फॉरेन डिग्निटरीज कोई आता है, तो हमें मिलने नहीं दिया जाता। अटल बिहारी वाजपेई के समय होता था। मनमोहन सिंह के समय होता था, लेकिन आजकल नहीं होता। जब फॉरेन डिग्निटरीज आती हैं, तो विदेश मंत्रालय उनको सजेस्ट करता है कि किससे मिलना है, किससे नहीं।
-राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष

विदेश में जाकर भारत के लोकतंत्र को राहुल गांधी कोसते हैं। राहुल गांधी पॉलिटिक्स को लेकर सीरियस नहीं हैं। आज तक बता दीजिए कि कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति विदेश जाकर भारत को कोसता हो, पर राहुल गांधी विदेशी धरती पर हमेशा भारत को कोसते रहते हैं।
-सतीश चंद्र दुबे, केंद्रीय मंत्री

बढ़ रहे हैं अंतरिक्ष मौसम के खतरे

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

> सूर्य–विकिरण और विशेष रूप से सौर तूफानों से एयरबस के संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। 1994 में, एक तीव्र सौर तूफान ने कनाडा के एनीक–ई 2 संचार उपग्रह को निष्क्रिय कर या था।

अभी एथियोपिया से उठे ज्वालामुखी के गुबार से हवाई जहाजों के संचालन में आ रहे व्यवधान का संकट चल ही रहा था कि सूर्य किरणों से उत्पन्न विकिरण से सारी दुनिया में लोकप्रिय कोई साढ़े छह हजार एयर बस ए-230 के सॉफ्टवेयर गड़बड़ा गए और उनकी उड़ान रोकनी पड़ी। 30 अक्टूबर को न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भर रही जेटब्लू एयरलाइंस के जहाज को सूर्य-विकिरण की मार पड़ी। इससे जहाज में झटके लगे और 15 यात्री घायल हो गए। इस घटना के बाद पूरी दुनिया में कोहराम मचा और पता चला कि यह समस्या एलीवेटर एंड एइलरॉन कंप्यूटर (एलाक) से जुड़ी है, जो विमान की पिच और रोल को नियंत्रित करती है।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब सूर्य-विकिरण और विशेष रूप से सौर तूफानों के कारण एयरबस जैसे आधुनिक विमानों के संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा हो। 1994 में, एक तीव्र सौर तूफान ने कनाडा के एनीक-ई 2 संचार उपग्रह को निष्क्रिय कर दिया था और इसी दौरान कुछ विमानों में नेविगेशन और संचार संबंधी दिक्कतों का पता चला था। उसके बाद सन् 2008 में हुई थी जब एक क्वांटस एयरलाइंस के एयरबस A330 विमान में सोलर रेडिएशन के कारण एयर डेटा इनर्शियल रेफरेंस यूनिट में संभावित गड़बड़ी हुई थी, जिससे विमान अचानक नीचे झुक गया था। तब भी दुनिया भर की हवाई कंपनियों को बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर अपग्रेड और परिचालन समायोजन करने पड़े थे। वैसे यह बेहद जटिल मुद्दा है, जो अंतरिक्ष मौसम, विमानन इलेक्ट्रॉनिक्स और उड़ान सुरक्षा से जुड़ा है।

सूर्य-विकिरण का सीधा संबंध सूर्य से उत्सर्जित होने वाले उच्च-ऊर्जा वाले कणों और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों से होता है। जब सूर्य पर कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) या सौर ज्वाला जैसी घटनाएं होती हैं, तो इससे सौर ऊर्जावान कण (सोलर एनेरजेटिक पार्टिकल यानी एसईपी) और गैलेक्टिक कॉस्मिक किरणें (जीसीआर) उत्पन्न होते हैं। पृथ्वी का वायुमंडल और चुंबकीय क्षेत्र हमें इनमें से अधिकांश से बचाता है, लेकिन 28,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर उड़ने वाले वाणिज्यिक विमान इनके प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इससे विमानन इलेक्ट्रॉनिक्स या एवियोनिक्स सिस्टम में डेटा करप्शन हो जाता है।

सिंगल इवेंट अपसेट (एसईयू) बहुत उच्च ऊर्जा वाले कण होते हैं, जो विमान के माइक्रोप्रोसेसरों और मेमोरी चिप्स से टकराते ही कुछ गड़बड़ियां पैदा कर सकते हैं। हाल की घटनाओं (जैसे एक जेटब्लू A230 की घटना) के विश्लेषण में पाया गया है कि तीव्र सोलर रेडिएशन एयरबस A320 परिवार के विमानों में एलाक जैसे महत्वपूर्ण फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर के डेटा को दूषित कर सकता है। डेटा दूषित होने से विमान अनजाने में पिच डाउन (नीचे झुकना) जैसी अनियंत्रित हरकतें कर सकता है, जो उड़ान सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। वैसे समझना होगा कि यह पृथ्वी के वातावरण के बाहर की घटनाएं हैं और इसका संबंध सूर्य के 11-वर्षीय गतिविधि चक्र से है।

सौर तूफान के कारण जीपीएस/जीएनएसएस की सटीकता में कमी आ जाती है। इनके कारण आयन मंडल में गड़बड़ी पैदा होती है और नेविगेशन के लिए अनिवार्य जीपीएस और अन्य ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम सिग्नल इसके प्रभाव से कमजोर हो जाते हैं। यहां तक कि इससे रेडियो संचार ब्लैकआउट की स्थिति बन जाती है। सौर ज्वालाओं से उत्सर्जित एक्स-रे पृथ्वी के दिन के हिस्से में हाई-फ्रीक्वेंसी रेडियो संचार को पूरी तरह बाधित कर देते हैं। इसके चलते लंबी दूरी की (विशेषकर ध्रुवीय और महासागरीय) उड़ानों को आसमान की ऊंचाई में राह नहीं दिखती।

तीव्र सौर तूफानों के दौरान, बहुत ऊंचाई पर चालक दल और यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए विकिरण की अधिक मात्रा दूरगामी खतरनाक है, हालांकि यह आमतौर पर सीमित होता है। भारत में अभी इसका कोई सीधा असर नहीं दिखा है, लेकिन डीजीसीए ने भारतीय वायुयान संचालकों को तत्काल प्रभाव से आवश्यक सॉफ्टवेयर अपग्रेड करने का अनिवार्य निर्देश जारी किए हैं। इस घटना ने भारत में विमानन नियामक निकायों और एयर लाइनों के बीच अंतरिक्ष मौसम के खतरों और उनके एवियोनिक्स पर संभावित प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ाया है, जिससे भविष्य में रेडिएशन-प्रतिरोधी प्रणालियों के महत्व पर ज़ोर दिया जा रहा है।

सूर्य वर्तमान में अपने सौर चक्र 25 के अधिकतम चरण की ओर बढ़ रहा है, जिसके आने वाले महीनों में चरम पर पहुंचने की संभावना है। इस चरण में, सौर तूफानों और विकिरण की घटनाएं अधिक बार और तीव्र होने की संभावना है, जिससे एवियोनिक्स पर दबाव बढ़ेगा। हाल के दशकों में मानव-जनित ग्रीन हाउस गैसों का वार्मिंग प्रभाव, सूर्य की गतिविधि में मामूली बदलावों से कहीं अधिक शक्तिशाली रहा है। धरती पर बढ़ता कार्बनडाईआक्सॉइड आयन मंडल के तापमान और संरचना को भी बदल रहा है, जो लगभग 100-500 किमी की ऊंचाई पर है। आयन मंडल में होने वाले ये बदलाव रेडियो तरंगों के संचरण को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे शॉर्टवेव रेडियो संचार में बाधा आ सकती है।

सोशल फोरम

ब्रिटेन में एशियाई महिला का पहला स्मारक

शोएब गाजी
ब्लॉगर

टीपू सुल्तान की वंशज, नूर इनायत ख़ान, जिनका असली नाम नूर-उन-निसा इनायत ख़ान था, भारतीय मूल की एक बहादुर ब्रिटिश जासूस थीं। इनका जन्म पहली जनवरी 1914 को हुआ था। नूर ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान मित्र देशों के लिए जासूसी की थी। ब्रिटेन के स्पेशल ऑपरेशंस एक्जीक्यूटिव (SOE) के रूप में प्रशिक्षित नूर, द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान फ्रांस के अधिकार क्षेत्र में भेजी जाने वाली पहली महिला वायरलेस ऑपरेटर थीं। जर्मनी द्वारा गिरफ्तार किए जाने, भयंकर यातनाएं दिए जाने और अंततः गोली मारकर हत्या किए जाने से पहले, वे फ्रांस में एक गुप्त मिशन के तहत नर्स का काम करती थीं। उन पर 10 महीनों तक क्रूर अत्याचार और लगातार पूछताछ की गई, लेकिन फिर भी गेस्टापो उनसे कोई भी राज़ नहीं उगलवा सकी। उनके अपरिमित साहस और बलिदान की कहानी आज भी पूरे यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस में याद की जाती है। उनकी सेवाओं के लिए उन्हें ब्रिटेन का सर्वोच्च नागरिक सम्मान जॉर्ज क्रॉस प्रदान किया गया। उनकी स्मृति में लंदन के गॉर्डन स्क्वेयर में एक सुंदर स्मारक स्थापित है- जो इंग्लैंड में किसी मुसलमान को समर्पित तथा किसी एशियाई महिला के सम्मान में पहला स्मारक है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

विश्व में अशांति और भय से बढ़ता हथियार कारोबार

सुनील महला
स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है, बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें। रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू-राजनीतिक हालात में खुद को एक मज़बूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है, जोकि ठीक नहीं है।

हथियारों पर होने वाला भारी खर्च शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पानी, जलवायु संरक्षण और रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों से धन को खींच लेता है और इसका असर देश के विकास, अर्थव्यवस्था और इसके निवासियों पर भी पड़ता है। क्या यह बड़ी बात नहीं है कि आज के समय में दुनिया के विभिन्न शक्तिशाली व संपन्न देश इसका इस्तेमाल अपने आर्थिक लाभ, वैश्विक प्रभाव दिखाने और उद्योगों में बढ़त के लिए करते हैं, जबकि छोटे देश किसी दबाव में आकर या सुरक्षा के डर से हथियारों की इस अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं। यह इसलिए दुनिया का खतरनाक कदम है, क्योंकि यह मानवता को सुरक्षा नहीं, बल्कि असुरक्षा की ओर धकेल रहा है। हथियारों की होड़ अंततः दुनिया में असंतुलन पैदा करती है।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की नई रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। यह कोई अच्छी खबर नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि कई देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। कहीं सीमा विवाद है, कहीं शक्ति दिखाने की होड़, तो कहीं सुरक्षा का डर। दुनिया में इस समय कई देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। आज विभिन्न देश आधुनिक और महंगे हथियार खरीदने में बड़ी रकम लगा रहे हैं। इससे हथियार बनाने वाली कंपनियों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन दुनिया के लिए खतरे भी बढ़ रहे हैं। समस्या यह है कि जितने ज्यादा हथियार जुटाए जाते हैं, उतना ही ज्यादा टकराव या युद्ध की आशंका पैदा होती है।

सरकारों का पैसा रक्षा खरीद में खर्च होने लगता है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक विकास जैसे जरूरी क्षेत्रों पर कम ध्यान जाता है। यानी सुरक्षा के नाम पर खर्च तो बढ़ता है, लेकिन असुरक्षा भी कम नहीं होती। रिपोर्ट हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वास्तव में शांति लाएगी या दुनिया को और ज्यादा तनाव और खतरे की ओर धकेल देगी। दुनिया की सबसे बड़ी 100 हथियार बनाने वाली कंपनियों ने पिछले साल से लगभग 6% ज्यादा पैसा कमाया है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि हाल के समय में कई जगह लड़ाइयां और तनाव लगातार बढ़े हैं, जैसे यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष। जब कहीं युद्ध होता है या किसी देश को खतरा महसूस होता है, तो वे अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए ज्यादा हथियार खरीदते हैं। इसी वजह से हथियारों की मांग तेजी से बढ़ गई और कंपनियों की बिक्री भी बढ़ी।

सिपरी की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की 100 सबसे बड़ी रक्षा कंपनियों ने 2024 में कुल 679 अरब डॉलर कमाए, जो यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर युद्ध और तनाव अब एक भारी-भरकम कारोबार बन चुके हैं। यूक्रेन, गाजा और पूर्वी एशिया में बढ़ते संघर्षों ने हथियारों की मांग को तेजी से बढ़ाया है। इससे युद्धों का व्यावसायीकरण और कॉरपोरेट कंपनियों की भूमिका और मजबूत हो रही है। रिपोर्ट बताती है कि पश्चिम एशिया अब एक नया हथियार उत्पादक क्षेत्र बनकर उभर रहा है, जिससे वैश्विक सैन्य उत्पादन में विविधता आई है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

पाताल भुवनेश्वर

रहस्यमय पाताल लोक की दुनिया

प्रकृति के जितने करीब जाओ, उतना ही वह नए रूप में हमारे सामने आती है। बात उतराखंड की हो, तो इस देवभूमि में अनेक रहस्यमय स्थान है, जिनके दर्शन आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। ऐसा ही एक स्थान कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ जनपद में गंगोलीहाट कस्बे के समीप भुवनेश्वर गांव में है। यह है पाताल भुवनेश्वर गुफा। प्रकृति का एक अनबूझ रहस्य, जिसके लोक में पहुंचकर युगों-युगों का इतिहास एक साथ प्रकट हो जाता है। गुफा के भीतर लगभग उबड़-खाबड़, टेढे-मेढ़े पत्थरों पर पैर टिकाकर 84 सीढ़ियों से होकर गुजरते हुए आप पाताल लोक मे पहुंच जाते हैं। अंदर की अद्भुत दुनिया रोमांचित कर देती है। छोटी बड़ी विभिन्न देवी-देवताओं व पशु पक्षियों के आकार की शिलाएं। एक ऐसा रचना संसार, जिसकी बाहर रहते आपने कभी कल्पना भी नहीं कि होगी। धरती के भीतर बड़ी गुफा, जो कई भागों में बंट जाती है। बीच में मैदानी हिस्से भी फैले हुए हैं। गुफा के रास्ते के दोनों ओर जंजीर लगाई गई है, जिसे पकड़कर यात्री आते-जाते हैं। गुफा में जाने के लिए फीस भी रखी गई है।

दीपक नौगाई
लेखक, हल्द्वानी

भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन

स्कंद पुराण के 103 वें अध्याय में पाताल भुवनेश्वर गुफा का वर्णन है, जिसमें व्यास जी ने कहा है कि मैं एक ऐसी जगह का वर्णन करता हूं, जिसके पूजन करने के संबंध में तो कहना ही क्या, जिसका स्मरण और स्पर्श मात्र करने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। वह सरयू रामगंगा के मध्य पाताल भुवनेश्वर है। वर्ष 2007 से यह गुफा भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन है। भुवनेश्वर गांव निवासी स्वर्गीय मेजर समीर कोतवाल की स्मृति में गांव से गुफा की ओर जाने वाले मार्ग में बने प्रवेश द्वार को 'समीर द्वार' नाम दिया गया है। मेजर समीर 28 अगस्त 1999 को असम में उग्रवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए थे। द्वार के बगल में मेजर की प्रस्तर प्रतिमा भी स्थापित है।

रोमांचक दृश्य

गुफा में कुछ आगे बढ़ें, तो आप उस जगह पहुंच जाते हैं, जिसके विषय में कहा जाता है कि शिवजी ने गणेश जी का कटा हुआ मस्तक यहीं पर रखा था। गणेशजी के कटे मस्तक शिलारूपी प्रतीक के ठीक ऊपर 108 पंखुड़ियों वाला शवाष्टक दल ब्रह्मकमल सुशोभित है। इस ब्रह्मकमल से पानी की बूंदे गणेश जी के मस्तक पर टपकती हैं। मुख्य बूंद आदिगणेश के मुख में गिरती हुई दिखाई देती है। जनमेजय के नाग यज्ञ का हवन कुंड भी गुफा के भीतर है। कहा जाता है कि अपने पिता राजा परीक्षित को श्राप मुक्त करने के लिए जनमेजय ने सारे नाग मारकर हवन कुंड में जला दिए थे, लेकिन तक्षत नामक नाग बच निकला था, जिसने बाद में बदला लेते हुए परीक्षित को डसकर मौत के घाट उतार दिया था। नाग यज्ञ कुंड के ऊपर शिला पर इस नाग का चित्र उभरा हुआ देख सकते हैं।

एक जगह गुफा की छत पर गाय के थन की आकृति नजर आती है। यह कामधेनु गाय का स्तन है। आगे बढ़े तो एक मुड़ी गर्दन वाला गरुड़ एक कुंड के ऊपर बैठा दिखाई देता है। लोकश्रुति है कि शिवजी ने इस कुंड को अपने नागों के पानी पीने के लिए बनाया था। इसकी देखरेख गरुड़ के हाथ में थी, लेकिन जब गरुड़ ने ही इस कुंड से पानी पीने की कोशिश की तो शिवजी ने गुस्से में उसकी गर्दन मोड़ दी और उसे श्राप देकर जड़वत बना दिया।

गुफा में एक स्थान पर शिवजी का मनोकामना कुंड भी है। मान्यता है कि इसके बीच बने छेद से धातु की कोई चीज पार करने पर मनोकामना पूर्ण होती है। उसके साथ कमली बिछी है और उसके नीचे बाघंबर बिछा है। वहीं पर पाताल भैरवी भी है, जो मुंडमाला पहने खड़ी हैं। मान्यता चाहे कुछ भी हो पर एकबारगी गुफा में बनी आकृतियों को देख लेने के बाद उनसे जुड़ी कथाओं पर भरोसा किए बिना नहीं रहा जाता। आश्चर्य यह है कि जमीन के इतने अंदर होने के बावजूद यहां घुटन महसूस नहीं होती अपितु शांति का अनुभव होता है। दूर-दूर से सैलानी इस अद्भुत गुफा को देखने आते हैं। कुछ श्रद्धा से, कुछ रोमांच के अनुभव के लिए तो कुछ शांति की तलाश में।

पौराणिक महत्व

कहते हैं कि इस अद्भुत गुफा के दर्शन त्रेतायुग में अयोध्या के राजा त्रृतुपूर्ण ने पहली बार किया था। राजा चौपड़ खेलने के बहुत शौकीन थे। उनके मित्र राजा नल भी इस खेल के महारथी थे। पर एक बार वे इस खेल में अपनी पत्नी दमयंती को हार गए। राजा नल इस हार से बहुत शर्मिंदा हुए। वे राजा त्रृतुपुर्ण को साथ लेकर हिमालय की यात्रा पर निकल पड़े। एक दिन घने जंगल में उन्हें असाधारण हिरण दिखा। राजा नल ने कहा इस हिरण को जिंदा पकड़ना है। दोनों उसे पकड़ने के लिए उसके पीछे लग गए। हिरण का पीछा करते हुए वे भुवनेश्वर गांव जा पहुंचे। शाम हो गई और हिरण भी कही दिखलाई नहीं दिया। राजा रास्ता भटक गए। रात में उन्हें स्वप्न हुआ और आवाज सुनाई दी- 'तुम क्षेत्रपाल देवता की तपस्या करो, वही तुम्हें रास्ता बताएंगे।' राजा तपस्या करने लगे। कुछ दिनों बाद क्षेत्रपाल ने दर्शन दिए और कहा कि इस स्थान पर एक बड़ी सुरंग है, जहां कई गुफाएं हैं और जहां कण-कण में भगवान शिव निवास करते हैं। क्षेत्रपाल ने राजा को इस दिव्य लोक में पहुंचा दिया।

गुफा में चौपड़ की आकृति

यह भी माना जाता है कि अपने अज्ञातवास में पांडव भी यहां आए थे। उन्होंने कुछ समय इस गुफा में वास किया था। गुफा के भीतर चौपड़ की आकृति भी बनी हुई है। 822 ई. में अपनी दिग्विजय यात्रा के दौरान आदि गुरु शंकराचार्य भी यहां आए। उन्होंने गुफा के अंदर एक जगह पर तांबे का शिवलिंग स्थापित किया। गुफा में जाने वाले श्रृद्धालु इस शिवलिंग की पूजा अर्चना करते हैं। भुवनेश्वर गांव से कुछ ही दूर देवदार के घने वन के मध्य स्थित है- पाताल भुवनेश्वर गुफा। गुफा का प्रवेश द्वार लगभग चार फिट लंबा और डेढ फिट चौड़ा है। अत्यंत संकरी, फिसलनदार गुफा में टेढे-मेढ़े पत्थरों की सीढ़ी पर सावधानी से साकंल पकड़कर तीस फिट नीचे उतरना पडता है। एक बार में एक ही व्यक्ति उतर पाता है। उतरते ही नीचे एक बड़े मैदान मे आप खुद को पाते हैं, जहां से तीन ओर को लंबी-लंबी सुरंगें चली जाती हैं। धरती के भीतर एक अनोखी दुनिया, जिसकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। यहां चट्टानों मे प्राकृतिक कलाकृतियां हैं, जिन्हें पौराणिक कथाओं व मिथकों से जोड़ा गया है।

गाइड बताता है कि आप शेषनाग के शरीर की हड्डियों पर चल रहे हैं और आपके सिर के ऊपर शेषनाग का बना है। सुनते ही रौंगटे खड़े हो जाते हैं। गहराई से देखेंगे तो आप वास्तव में महसूस करेंगे कि कुदरत द्वारा तराशे पत्थरों मे नाग बन फैलाए है। फन के दाएं तरफ ऐरावत हाथी विराजमान हैं। जमीन मे बिल्कुल झुककर भूमि से चंद इंच की दूरी पर चट्टानों में हाथी के तराशे हुए पैरों को देखकर आपको मानना ही पड़ेगा कि आप जो सुन रहे हैं वो सच है।

लव बर्ड्स

जीत जाएंगे हम तू अगर संग है

कहते हैं कि प्यार की शुरुआत अक्सर सबसे आम पलों में छुपी होती है, लेकिन उसकी गहराई और असर वक्त के साथ हमारे जीवन को बदल देता है। हमारी पहली मुलाकात किसी रोमांटिक जगह पर नहीं, बल्कि एक बहुत साधारण-सी सुबह बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के गेट पर हुई थी। शैफाली अपनी क्लास के लिए भाग रही थी और मैं (शिव) अपने बीटेक की डिग्री लेने यूनिवर्सिटी पहुंचा था। अचानक भीड़ में शैफाली का बैग थोड़ा उलझा और वह लड़खड़ा गई। मैंने तुरंत हाथ बढ़ाकर उसे संभाल लिया। "आप ठीक हैं?" मैंने पूछा। शैफाली ने हल्की-सी शर्मीली मुस्कान के साथ कहा, "हां, बस दिन की शुरुआत थोड़ी नाटकीय हो गई।" हम दोनों अलग हो गए, पर उस एक पल ने दोनों के दिमाग में एक छोटी-सी जगह बना ली। अगले ही हफ्ते, किस्मत ने फिर करवट ली। शैफाली अपने कॉलेज की तरफ से साइंस प्रोजेक्ट की एक प्रदर्शनी में आई थी और मैं वहां पर एक जज पैनल के रूप में आया था। मैंने उसे देखा और मुस्कुरा दिया। "फिर मिल ही गए," उसने कहा। "लगता है शहर छोटा है या किस्मत बड़ी," शैफाली ने चुटकी ली।

इस बार बातचीत लंबी चली। कला, काम, सपने, यात्राएं दोनों को पता ही नहीं चला कि कब दो अजनबी अपनी दुनिया एक-दूसरे के सामने खोलने लगे। मैं दिल्ली वापस लौट आया, परंतु फोन पर लंबी बातें चलने लगी धीरे-धीरे हम एक-दूसरे की दुनिया में सहज होने लगे। मुलाकातें तो कम होती थीं, परंतु शैफाली का केयरिंग नेचर, मुस्कान और सादापन मुझे उसकी तरफ खींचने लग गया। मैंने शैफाली को आजादी, सपने देखना और खुद पर भरोसा करना सिखाया। कई सालों की फोन पर बात और छोटी-छोटी मुलाकातों के बाद हमने तय किया कि यह कहानी सिर्फ 'मुलाकात' तक सीमित नहीं रहेगी, यह रिश्ता अब साझेदारी, विश्वास और प्यार की नई शुरुआत बनेगी।

प्यार तो हो गया परंतु करियर की उठापटक के बीच मैंने तय नहीं कर पा रहा था कि इसको आगे कैसे मुकाम दिया जाए? एक तरफ करियर को संवारने का समय था और उसी बीच मैं विदेश शिफ्ट हो गया। कभी-कभी तो ऐसा भी लगा की अब ये दूरी इस रिश्ते को यहीं पर ही न रोक दें। अब फोन पर बातें करना बहुत महंगा था, परंतु शैफाली अपने समर्पण के प्रति अपनी ट्यूशन और डांस क्लासेज से कमाए सारे पैसे सिर्फ मुझसे बात करने में खर्च कर देती। बातें कम हो रही थीं मिलना तो बिल्कुल मुश्किल था। विदेश में रहते हुए अकेलेपन में शैफाली की फोन कॉल मुझे लिए रामबाण का काम करती। विदेश की चकाचौंध भी मुझे शैफाली के समर्पण और प्यार से अलग न कर पाई। जब ये प्रेम कहानी शादी की बात तक पहुंची, तो जिंदगी एक नए प्रश्नपत्र के साथ उनके सामने खड़ी थी। घरवालों के सवाल, दोनों परिवारों के विचारों और हैसियत में जमीन आसमान का फर्क और समाज के करोड़ों प्रश्न दोनों के सामने मुंह फैलाए खड़े थे। घरवालों की तरफ से पहले तो पूर्ण मना था, परंतु दोनों ने हार नहीं मानी। दोनों अपनी सीमाओं में रहते हुए अपने-अपने घरवालों को मनाने का पूर्ण प्रयास हर पल करते रहे। ये समय ऐसे गुजर रहा था कि मुझे तो आईएएस बनने की परीक्षा जैसा लग रहा था, परंतु शैफाली बहुत धैर्यवान थी। वो अपने फैसले पर अडिग थी। पूरे दो साल बीत गए तब जाकर घर वाले माने। फिर समाज के लोगों ने भी अड़ंगे लगाए और ये प्रेम की नाव भारी तूफान में हिचकोले लगाते-लगाते किनारे तक आ ही गई, फिर वो घड़ी आई, जिसका हम दोनों को लंबे समय से प्रतीक्षा थी। इस बीच पिछले दो सालों में हम दोनों कभी मिले नहीं, क्योंकि दूरियां लंबी थीं, परंतु दोनों के प्रेम ने ये जंग जीत ली। जब विवाह मंडप पर दोनों ने एक-दुसरे को देखा, तो दोनों की आंखों में सालों की प्रतीक्षा, परिवार और समाज से विजय की चमक और चेहरे पर एक संतोषप्रद मुस्कान थी। उन्हें लगा की अब अंतिम मंजिल पर पहुंच गए, जो एक अगली लंबी यात्रा पर साथ चलने के लिए आगे ले जाएगी। आज भी सालों बाद जब दोनों उस समय को याद करते हैं, तो चेहरे पर एक मुस्कान के साथ ये पंक्तियां बरबस ही मुंह से निकल जाती हैं "जीत जाएंगे हम, तू अगर संग है।" ये पंक्तियां आज भी, उन्हें जीवन के विभिन्न मोड़ों पर आती हुई परीक्षाओं में हौसला देती है। हमारी प्रेम कहानी इस बात को सिद्ध करती है कि यदि प्रेम सच्चा हो और हृदय में धैर्य और एक-दुसरे पर विश्वास हो, तो चाहें कितनी भी बाधाएं आएं आप मंजिल पर पहुंचते अवश्य हैं। कभी-कभार शैफाली बोलती है "हम सच में यहां तक आ गए विश्वास नहीं होता।" मैं हर बार उसका हाथ थाम कर कहता है "जब साथी सही हो और दोनों साथ चलें, तो सफर अपने आप सुंदर हो जाता है।"

-शिवमोहन और शैफाली, कानपुर

जॉब का पहला दिन

शुरू हुआ जीवन का एक नया अध्याय

जीवन के कतिपय अनुभव ऐसी मधुर स्मृतियों में परिणत हो जाते हैं, जो आगे चलकर हमारे व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और पेशेवर पहचान को गहराई से प्रभावित करती हैं। वर्षों के सतत अध्ययन, तैयारी, लंबी प्रतीक्षा और कठिन संघर्ष के बाद जब किसी प्रतिष्ठित महाविद्यालय में नियुक्ति मिलती है, तो मन में एक साथ कई भावनाएं उमड़ती हैं। उत्साह, संकोच, जिम्मेदारी और भविष्य को लेकर एक अनोखी सी आशा आपको चहुंओर से घेर लेती हैं। शाहजहांपुर के एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय में मेरा पहला दिन भी बिल्कुल ऐसा ही था। भावनाओं का सुंदर संगम, नए माहौल का स्पर्श और सीखने के असीमित अवसरों का आरंभ।

यद्यपि सुबह से ही मन में हल्की-सी घबराहट थी, किंतु उस घबराहट पर मेरी उत्सुकता भारी पड़ रही थी। मैंने अलमारी से सलीकेदार औपचारिक पोशाक चुनी, आईने में एक नजर खुद को देखा और मन ही मन कहा, "आज से जीवन का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है।" महाविद्यालय पहुंचने तक मन में कई सवाल थे- कैसा वातावरण होगा? सहकर्मी कैसे होंगे? विद्यार्थी कैसा व्यवहार करेंगे? और सबसे महत्वपूर्ण यह कि क्या मैं अपनी भूमिका को उतनी ही कुशलता से निभा पाऊंगा, जितनी अपेक्षा संस्था मुझसे करती है? इन सब चिंताओं के बावजूद मेरे भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा थी, जो कदमों को आगे बढ़ाते हुए आश्वस्त कर रही थी कि सब कुछ अच्छा होगा।

महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर कदम रखते ही परिसर की साफ-सुथरी हरियाली, बेमिसाल स्वच्छता, भवनों की सादगीपूर्ण भव्यता और विद्यार्थियों की हलचल ने मेरे मन में एक अद्भुत रोमांच एवं आत्मीयता का भाव जगा दिया। ऐसा लग रहा था मानो यह जगह मेरे इंतजार में ही थी। कुछ छात्र बड़ी विनम्रता से मुस्कुराकर मेरा अभिवादन कर चुके थे। यह छोटा-सा व्यवहार मेरे भीतर के तनाव को थोड़ा कम कर गया। प्रशासनिक भवन के अंदर स्टाफ रूम तक पहुंचने पर वहां पहले से उपस्थित शिक्षकों ने बड़े स्नेह से मेरा स्वागत किया। खास बात तो यह थी कि मेरे विभाग में उस समय कोई शिक्षक कार्यरत नहीं था, लिहाजा मुझे नियुक्ति के साथ ही विभाग का विभागाध्यक्ष बनने का सुअवसर प्राप्त हुआ। साथी शिक्षकों से परिचय भी एक आत्मीय संवाद की तरह था। हर कोई अपने अनुभव साझा करने को उत्सुक और मुझे सहज महसूस कराने को तत्पर। वातावरण में न तो औपचारिकता का बोझ था और न ही प्रतिस्पर्धा की कठोरता, था तो बस एक सहयोगी भाव, जो किसी भी नए व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी ताकत होता है।

फिर आया वह क्षण, जिसका सबसे अधिक इंतजार था-पहली कक्षा लेने का। हाथ में चाक और उपस्थिति रजिस्टर लिए जब मैं कक्षा में पहुंचा, तो लगभग अस्सी छात्रों की निगाहें मेरी ओर उठीं। यह क्षण अत्यंत भावुक और चुनौतीपूर्ण था। उनके लिए मैं एक नया शिक्षक था और मेरे लिए वे भविष्य के निर्माण की जिम्मेदारी। मैंने मुस्कुराते हुए अभिवादन किया और छात्रों की आंखों में सम्मान के साथ-साथ उत्सुकता की चमक महसूस की। मैंने अपना संक्षिप्त परिचय दिया और उनसे भी अपने बारे में बताने को कहा। विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाएं सुनकर यह समझ आ गया कि कक्षा में विविध पृष्ठभूमि, अलग-अलग विचार और सीखने की भिन्न गति वाले छात्र मौजूद हैं और इन्हीं के बीच मैं आने वाले दिनों में अपनी शिक्षण-यात्रा को आकार दूंगा।

व्याख्यान के दौरान छात्रों की उत्सुकता, प्रश्न पूछने की सहजता और ध्यान से सुनने का स्वभाव देखकर मन का सारा तनाव समाप्त हो गया। यह अनुभव किसी औपचारिक पाठ्य प्रस्तुति जैसा नहीं, बल्कि एक संवाद जैसा था, जहां ज्ञान का आदान-प्रदान दोनों तरफ से हो रहा था। कक्षा के अंत में जब छात्रों ने तालियों के साथ मेरा स्वागत किया, तो हृदय गर्व और कृतज्ञता से भर उठा। यही वह पल था, जिसने मुझे एहसास दिलाया कि शिक्षक की भूमिका केवल विषय पढ़ाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह छात्रों के जीवन में प्रेरणा, मार्गदर्शन और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी बनती है।

पहली कक्षा के बाद विभाग में लौटते हुए कई शिक्षकों ने उत्सुकता से पूछा- 'पहले दिन का अनुभव कैसा रहा?' उनकी आत्मीयता ने दिन को और भी सुखद बना दिया। चाय की गरमा-गरम चुस्की के साथ जब हम शिक्षण-प्रक्रिया, विभागीय गतिविधियों और छात्रों की संभावनाओं पर बातचीत कर रहे थे, तब महसूस हुआ कि यह महाविद्यालय केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक जीवंत परिवार है, जिसे ज्ञान, सहयोग और सामूहिक प्रयत्नों ने एक सूत्र में बांध रखा है। दोपहर में मुझे प्राचार्य महोदय के साथ बैठक में शामिल होने का अवसर मिला। वहां वार्षिक गतिविधियों की रूपरेखा, अनुसंधान परियोजनाएं, छात्रों के अतिरिक्त विकास की योजनाएँ तथा नई शिक्षण तकनीकों पर चर्चा के साथ ही साथ मुझे कई नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। यह देखकर मन अति प्रसन्न हुआ कि संस्था केवल औपचारिक शिक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति सजग और प्रतिबद्ध है। इस बैठक में मेरा सुझाव भी सुना गया, जिससे मेरा आत्मविश्वास और बढ़ गया।

दिन के अंत में जब मैं परिसर से बाहर निकला, तब पूरे दिन की स्मृतियां मेरे मन में चलचित्र की तरह चल रही थीं। महाविद्यालय का वह पहला दिन आज भी स्मृतियों में उज्जवल है और हमेशा रहेगा, एक प्रेरणा की तरह, एक विश्वास की तरह और एक नए आरंभ की तरह।

– **शिशिर शुक्ला**, शाहजहांपुर

बिजनेस ब्रीफ

100 गीगावाट पवन ऊर्जा करेंगे हासिल

पुडुचेरी। नवीकरणीय ऊर्जा में सक्रिय सुजलॉन समूह के सह-संस्थापक गिरीश तांती ने कहा है कि 2030 तक पवन ऊर्जा से 100 गीगावाट बिजली के उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। सरकार ने 2030 तक देश में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित 500 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इसमें से 100 गीगावाट बिजली को पवन ऊर्जा के माध्यम से उत्पादित करना है।

पार्क मेडी वर्ल्ड का आईपीओ 10 को

नई दिल्ली। पार्क ब्रांड के तहत अस्पताल चलाने वाली पार्क मेडी वर्ल्ड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 154-162 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने कहा कि कंपनी का 920 करोड़ का आईपीओ 10 दिसंबर को खुलेगा और 12 को समाप्त होगा। बड़े (एंकर) निवेशक नौ दिसंबर को बोली लगा पाएंगे।

इप्का संयंत्र का पहुंचा अमेरिकी नियामक

नई दिल्ली। इप्का लैबोरेट्रीज ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक यूएसएफडीए ने उसकी महाराष्ट्र स्थित तारापुर एपीआई संयंत्र के निरीक्षण के बाद फॉर्म 483 में तीन टिप्पणियां जारी की हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने दवाओं के मुख्य कच्चे माल (एपीआई) के विनिर्माण संयंत्र का एक से पांच दिसंबर, 2025 के बीच निरीक्षण किया।

सोना 1,300 रुपये उछला, चांदी 3,500

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख के बीच शुक्रवार को सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,300 रुपये बढ़कर 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,31,600 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। सर्राफा बाजार में, चांदी 3,500 रुपये बढ़कर 1,83,500 रुपये प्रति किग्रा (सभी टैक्स) हो गई, जो पिछले कारोबारी सत्र में 1,80,000 रुपये प्रति किग्रा थी। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में सोना 15.10 डॉलर बढ़कर 4,223.76 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 1.82 प्रतिशत बढ़कर 58.17 डॉलर प्रति औंस पर रहा।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 686 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 1.88 अरब डॉलर घटकर 686.23 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.47 अरब डॉलर घटकर 688.10 अरब डॉलर रह गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 28 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.57 अरब डॉलर घटकर 557.03 अरब डॉलर रह गईं।

फिनो पेमेंट्स लघु वित्त बैंक में बदला

मुंबई। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को फिनो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (एफपीबीएल) को लघु वित्त बैंक (एसएफबी) में परिवर्तित करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। फिनो पेमेंट्स बैंक ने अक्टूबर-दिसंबर 2023 अवधि में लघु वित्त बैंक लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। फिनो पेमेंट्स बैंक का संचालन 2017 में शुरू हुआ था। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आरबीआई ने निजी क्षेत्र में लघु वित्त बैंकों (एसएफबी) को सदा सुलभ लाइसेंस देने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। मौजूदा भुगतान बैंक जो निवासियों द्वारा नियंत्रित हैं।

महंगाई नरम रही तो रेपो दर भी कम होगी, 0.2% सही स्तर नहीं : मल्होत्रा

आरबीआई के गवर्नर ने कहा - आगे चलकर हम महंगाई में गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि जब तक महंगाई नरम रहती है, तब तक नीतिगत रेपो दर कम ही रहेगी। आरबीआई ने शुक्रवार को रेपो दर में 0.25% की कटौती कर इसे 5.25% कर दिया। इस फैसले की घोषणा के बाद आरबीआई मुख्यालय में मल्होत्रा ने उक्त बात कही।

उन्होंने यह नहीं बताया कि रेपो दर कितनी और नीचे जा सकती है, लेकिन कहा कि आरबीआई के महंगाई अनुमान नरम ही दिख रहे हैं। मल्होत्रा ने कहा कि आगे चलकर हम नरम महंगाई की उम्मीद कर रहे हैं। अगर महंगाई इसी तरह रहती है तो हम उम्मीद करते हैं कि नीतिगत दरें ऊंची नहीं, बल्कि कम ही रहेंगी। आगे आरबीआई पूरी तरह आंकड़ों पर आधारित रहेगा और अगली नीति समीक्षाओं में छह सदस्यीय दर निर्धारण समिति क्या फैसला लेगी, इसके बारे में अभी कुछ कहना अटकलबाजी होगी। हाल में जितनी कम महंगाई (0.2%) दिख रही है, क्या भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए वह सही है, तो मल्होत्रा ने कहा कि निश्चित रूप से नहीं। 0.2% महंगाई का सही स्तर नहीं है। हमारा लक्ष्य चार प्रतिशत है। हम उसी तरह की महंगाई हासिल करने की कोशिश करते हैं। हालांकि गवर्नर ने सलाह दी कि इस बहुत कम महंगाई के आंकड़े को बहुत गंभीरता से न लीजिए, क्योंकि कई कारक इसे प्रभावित करते हैं और इसमें उतार-चढ़ाव या अस्थिरता आ सकती है।

उन्होंने कहा कि ऊंचा तुलनात्मक आधार (पिछले साल ऊंचे खाद्य मूल्य) के कारण महंगाई कम दिख रही है। वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि 2025-26 की पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही में नरमी का अनुमान है।

आगे बढ़ाने पर होगा जोर, जमा दरों में नरमी का अनुमान : गवर्नर

मुंबई। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक का जोर अब इस बात पर होगा कि रेपो दर में कटौती का लाभ बैंकों से कर्ज लेने वालों को मिले। उन्होंने कहा कि आगे जमा दरों में नरमी आने का अनुमान है और लोगों से अपील की कि वे बचत के लिए धन जमा करते समय चालू ब्याज दर के बजाय वास्तविक ब्याज दर को देखें, जो अभी काफी ऊंची है। उन्होंने कहा कि अब हमें मौद्रिक नीति का लाभ आगे पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करना है। इस साल आरबीआई ने प्रमुख ब्याज दर में कुल 1.25 प्रतिशत की कमी की है। आरबीआई को उम्मीद है कि जमा दरें और नीचे आएंगी। हम उम्मीद करते हैं कि आगे चलकर, खासकर इस कटौती के बाद, जमा दरें कुछ हद तक और कम होंगी। मल्होत्रा ने कहा कि कम महंगाई से जमा करने वाले को वास्तविक लाभ ज्यादा होता है, क्योंकि महंगाई का घटक बहुत कम है। उन्होंने कहा कि जब महंगाई इतनी कम है और आगे भी कम रहेगी, तो भले ही ब्याज दर कम लगे, लेकिन महंगाई के मुकाबले ब्याज दरें काफी ऊंची हैं।

आरबीआई ने मुद्रास्फीति अनुमान घटाकर किया 2%

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को 2.6 से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया है। मुद्रास्फीति के लक्ष्य को लेकर 2016 में लचीली व्यवस्था अपनाये जाने के बाद पहली बार हेडलाइन (खुदरा) मुद्रास्फीति 2025-26 की दूसरी तिमाही में औसतन 1.7 प्रतिशत रही। यह आरबीआई को दिये लक्ष्य के निचले स्तर दो प्रतिशत से भी कम है। आरबीआई को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ मुद्रास्फीति चार प्रतिशत (दो से 6%) रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। यह अक्टूबर 2025 में और भी घटकर केवल 0.3 प्रतिशत पर आ गई जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति में अनुमान से अधिक तेजी से गिरावट खाद्य कीमतों में सुधार से आई।

रुपये का लक्षित स्तर या दायरा नहीं

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये के लिए कोई लक्षित स्तर या दायरा नहीं रखता है और घरेलू मुद्रा को खुद ही अपना ''सही स्तर'' खोजने की अनुमति देता है। मल्होत्रा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रुपया इसी हफ्ते अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर अपने सबसे निचले भाव पर पहुंच गया। गुरुवार को इसने 90.43 रुपये प्रति डॉलर का रिकॉर्ड निचला स्तर छुआ था। मल्होत्रा ने कहा कि हम रुपये के लिए मूल्य का कोई स्तर या दायरा नहीं रखते हैं।

शिकायतों के समाधान को चलेगा अभियान

भारतीय रिजर्व बैंक लोकपाल के पास एक महीने से अधिक समय से लंबित सभी शिकायतों के समाधान के लिए जनवरी से दो महीने का अभियान शुरू करेगा। आरबीआई लोकपाल के पास बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त होने के परिणामस्वरूप लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि के साथ यह कदम उठाया गया है। आरबीआई लोकपाल योजना बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों समेत वित्तीय संस्थानों की सेवाओं में कमी से संबंधित शिकायतों का समाधान करने में मदद करती है।

एक लाख करोड़ की प्रतिभूतियों का खरीद

आरबीआई ने बैंकों एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में पर्याप्त नकदी बनाए रखने के लिए इस महीने खुला बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत एक लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करने का निर्णय लिया। केंद्रीय बैंक इस माह 5 अरब डॉलर की तीन-वर्षीय डॉलर/रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली करेगा। इसमें 15 दिसंबर को देय अग्रिम कर भुगतान की किस्त के लिए बैंकिंग प्रणाली के व्यय से नकदी संकट कम करने में मदद मिलेगी।

आरबीआई की दर कटौती से आगे और राहत के दरवाजे खुले : बैंकर

मुंबई, एजेंसी

वरिष्ठ बैंक अधिकारियों ने कहा कि आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कटौती से जीडीपी वृद्धि को लंबे समय तक मजबूत करने के लिए आगे और राहत के दरवाजे खुले हैं। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि भविष्य में ब्याज दरों में कटौती के लिए दरवाजे खुले रखते हुए इस बार कटौती का निर्णय अर्थव्यवस्था को अप्रत्याशित झटकों या प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाने में मदद करेगा।

शेट्टी ने कहा कि ब्याज दरों में कटौती, तटस्थ रुख और लक्षित तरलता हस्तक्षेप का उद्देश्य मूल्य और वित्तीय स्थिरता की रक्षा करते हुए आर्थिक गति को बनाए रखना है। यह नीति आश्वस्त संदेश देती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है, जिसमें अच्छी वृद्धि के साथ मुद्रास्फीति नियंत्रित है। आरबीआई द्वारा पिछली ब्याज दरों में कटौती से बैंकों के लिए यह साल चुनौतीपूर्ण रहा है। उनका शुद्ध ब्याज लाभ कम हो गया, जिससे उनकी मुख्य आय प्रभावित हुई है। एक तर्क यह भी है कि कम ऋण दरों से अधिक लोग ऋण लेने को प्रेरित होंगे और उच्च ऋण मात्रा बैंकों को घाटे की भरपाई में मदद कर सकती है। इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के एमडी एवं सीईओ अजय श्रीवास्तव ने कहा कि नीति समीक्षा से आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिला है। कटौती से ऋण लागत कम होगी, आवास और रियल एस्टेट में मांग बढ़ेगी, एमएसएमई को समर्थन मिलेगा और वाहन ऋण वृद्धि को बनाए रखा जा सकेगा। श्रीवास्तव ने लोकपाल संबंधी लंबित शिकायतों के समाधान के लिए एक जनवरी से आरबीआई द्वारा शुरू दो महीने के अभियान का स्वागत किया।

एसबीआई ने कहा- अर्थव्यवस्था को झटकों या प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाने में करेगा मदद

बैंक ऑफ बड़ौदा ने की रेपो आधारित ब्याज दर में कटौती

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा प्रमुख नीतिगत दर में कटौती के कुछ ही घंटों बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने शुक्रवार को रेपो दर से जुड़े ऋणों पर ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने की घोषणा की।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि बड़ौदा रेपो आधारित ऋण दर (बीआरएलएलआर) मौजूदा 8.15 प्रतिशत से घटकर 7.90 प्रतिशत हो जाएगी। बैंक ने कहा कि नई दर छह दिसंबर से प्रभावी होगी। एक अन्य सरकारी ऋणदाता इंडियन बैंक ने इस सप्ताह की शुरुआत में तीन दिसंबर से प्रभावी, एक वर्ष की अवधि के लिए सीमांत निधि लागत आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) में 0.05 प्रतिशत की कटौती कर इसे 8.80 प्रतिशत कर दिया। आरबीआई ने शुक्रवार को रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर इसे 5.25 प्रतिशत कर दिया।

रेपो रेट : आर्थिक स्थिति को नियंत्रित करने का साधन

रेपो रेट वह ब्याज दर है जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश के बैंकों को कुछ समय के लिए कर्ज देता है। जब अर्थव्यवस्था में महंगाई, मंदी जैसी स्थिति बनती है तो आरबीआई रेपो दर में या तो कटौती करता है या बढ़ोतरी। रेपो रेट में कटौती का सीधा असर बैंकों की कर्ज लेने की लागत पर पड़ता है, जिससे वे जनता को दिए जाने वाले लोन की ब्याज दरें कम कर सकते हैं। इसका फायदा होम, कार और बिजनेस लोन जैसे क्षेत्रों में मिलता है। रेपो रेट घटने से आम लोगों की ईएमआई सस्ती होती है और बाजार में पैसा बढ़ता है, जिससे अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलती है। यही वजह है कि रेपो रेट का फैसला आम जनता की जेब और आर्थिक माहौल को प्रभावित करता है। रेपो रेट देश की आर्थिक स्थिति को नियंत्रित करने का एक अहम साधन है। इसके घटने या बढ़ने से बाजार की गति, आम लोगों की जेब और बैंकिंग व्यवस्था पर सीधा असर पड़ता है।

क्या है रेपो रेट

रेपो रेट वह ब्याज दर है जिस पर आरबीआई देश के वाणिज्यिक बैंकों को बहुत कम अवधि, आमतौर पर रातभर के लिए, कर्ज देता है। जैसे किसी बैंक को पैसे की कमी से गुजरते हैं, तो वे अपने बॉण्ड या सिक्योरिटीज गिरवी रखकर आरबीआई से पैसा लेते हैं। इस पर जो ब्याज देना होता है उसे ही रेपो रेट कहते हैं। जैसे आम लोग बैंक से लोन लेते हैं, वैसे ही बैंक आरबीआई से लोन लेते हैं।

कैसे तय करते हैं बैंक ब्याज दरें

आईबीआई के रेपो रेट घटाने से बैंकों को कर्ज लेना सस्ता पड़ता है। इससे बैंक लोन की बेस ब्याज दरें कम करते हैं। होम लोन और कार लोन जैसे ज्यादातर लोन अब रेपो लिंक्ड रेट से जुड़े होते हैं। इसलिए रेपो रेट घटते ही 1-3 महीने में ईएमआई कम हो जाती है। बैंक अपनी लागत, डिपॉजिट ब्याज दर और बाजार को देखकर यह फैसला लेते हैं।

कटौती से जनता को लाभ

- **ईएमआई कम होना :** होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन सस्ते हो जाते हैं, जिससे नकदी प्रवाह बढ़ता है।
- **आसानी से नई खरीद :** लोग को कम ब्याज पर लोन मिलने से वह घर, वाहन और बिजनेस आसानी से शुरू कर पाते हैं।
- **महंगाई पर नियंत्रण :** रेपो रेट का संतुलित उपयोग देश की अर्थव्यवस्था और कीमतों को स्थिर रखता है।

क्यों की जाती है कटौती

- **महंगाई :** यदि महंगाई ज्यादा हो, तो केंद्रीय बैंक रेपो रेट बढ़ाती है ताकि बाजार में पैसे का बहाव कम और महंगाई नियंत्रण में आए।
- **आर्थिक विकास :** अगर अर्थव्यवस्था धीमी हो, तो केंद्रीय बैंक रेपो रेट घटाती है ताकि लोग सस्ती ब्याज दर पर लोन लें और खर्च बढ़े।
- **बाजार में तरलता :** यदि बैंकों के पास पैसा कम होने पर रेपो रेट में कटौती कर केंद्रीय बैंक उन्हें राहत देती है।
- **वैश्विक हालात :** विदेश में मंदी या संकट होने पर भी रिजर्व बैंक रेपो रेट घटाकर घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की कोशिश करता है।

दर में कटौती से छोटे उद्योगों को मिलेगा समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी

रेपो दर में कटौती से कर्ज की लागत कम होने, आवास मांग बढ़ने और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) को समर्थन मिलने की उम्मीद है। बैंक एवं वित्तीय सेवा विशेषज्ञों ने यह बात कही।

आरबीआई ने आर्थिक स्थिति और वैश्विक परिस्थितियों पर गौर करते हुए रेपो दर में कटौती की है। इंडियन ओवरसीज बैंक के एमडी एवं सीईओ अजय श्रीवास्तव ने कहा कि हम आरबीआई के तटस्थ रुख बनाए रखते हुए रेपो दर को घटाने के निर्णय का स्वागत करते हैं। नीतिगत दर में कटौती से कर्ज लागत कम होगी, आवास एवं रियल एस्टेट में मांग बढ़ेगी, एमएसएमई को समर्थन मिलेगा तथा व्यक्तिगत व मोटर वाहन ऋण वृद्धि को बनाये रखने में मदद मिलेगी।

इंडियन बैंक के सीईओ बिनोद कुमार ने कहा कि मुद्रास्फीति में कमी और दूसरी तिमाही में मजबूत जीडीपी वृद्धि को देखते हुए सोच-विचार कर नीतिगत दर में कटौती की गई है। यह कमजोर होते रुपये के मुकाबले घरेलू मांग को और मजबूत करेगा।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ त्रिभुवन अधिकारी ने कहा कि नई रेपो दर एक स्वागत योग्य कदम है और इससे मकान खरीदारों को और राहत मिलेगी।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के संस्थापक, एमडी एवं सीईओ संजय अग्रवाल ने कहा कि 2025-26 की दूसरी छमाही में देश की वृद्धि संभावनाओं पर बाहरी अनिश्चितताओं के प्रभाव की आशंका को देखते हुए रेपो दर में कटौती का निर्णय वृद्धि के लिए सक्रिय कदम है।

एसबीआईएम बैंक (इंडिया) के प्रमुख मंदार पिटाले ने कहा कि वृद्धि-मुद्रास्फीति गतिशीलता तथा कुछ प्रमुख संकेतकों में कमजोरी के उभरते संकेतों ने वृद्धि की गति को समर्थन देने के लिए नीतिगत गुंजाइश बनायी है।

यूनियन एसेट मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड में फिक्स्ड इनकम के प्रमुख पारिजात अग्रवाल ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर में कटौती के साथ-साथ टिकाऊ नकदी के उपाय भी किए हैं जो समग्र आर्थिक वृद्धि के लिए अच्छे संकेत हैं।

बैंक अधिकारियों ने दर में की गई कटौती का स्वागत करते हुए इसे ऋण वृद्धि में मददगार बताया

कर्ज सस्ता होने से बढ़ेगी रियल एस्टेट में मांग

जमीन, मकान के विकास से जुड़ी कंपनियों तथा विशेषज्ञों ने शुक्रवार को कहा कि आरबीआई के नीतिगत दर में कटौती से आवास ऋण सस्ता होगा और मकानों की मांग को बढ़ावा मिलेगा। रियल एस्टेट क्षेत्र के शीर्ष निकाय नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने रेपो दर में कटौती को अर्थव्यवस्था और रियल एस्टेट क्षेत्र को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। क्रेडाई के अध्यक्ष शेखर पटेल ने कहा कि इस कदम से सकारात्मक बाजार धारणा को और मजबूती मिलेगी। सीबीआरई के चेयरमैन अंशुमान मैगजीन, कोलियर्स इंडिया में राष्ट्रीय निदेशक विमल नादर, सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल, अंसल हाउसिंग निदेशक कुशाग्र अंसल, कृष्णा ग्रुप एवं क्रिसुमी के चेयरमैन अशोक कपूर, भूमिका ग्रुप के चेयरमैन उद्धव पोद्दार निराला वर्ल्ड के चेयरमैन सुरेश गर्ग, सतया ग्रुप के प्रबंध निदेशक विकास भसीन ने कटौती की सराहना की।

दर में कटौती से बाजार ने पकड़ी रफ्तार

सेंसेक्स में आया 447 अंक का उछाल, निफ्टी 153 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

रेपो दर में कटौती और नकदी बढ़ाने के लिए रिजर्व बैंक के नीतिगत कदमों की घोषणा से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में खासी तेजी रही। सेंसेक्स 447 अंक उछल गया जबकि निफ्टी में 153 अंकों की बढ़त दर्ज की गई।

चढ़कर 85,712.37 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 531.4 अंक तक उछल गया था। एनएसई का निफ्टी 152.70 अंक बढ़कर 26,186.45 अंक पर पहुंचा। यह शेयर बाजार में तेजी का लगातार दूसरा दिन रहा। दर कटौती और नकदी बढ़ाने के उपायों से बैंक, वाहन और रियल एस्टेट क्षेत्रों में तेजी देखी गई। सेंसेक्स की कंपनियों में से एसबीआई, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, मारुति, एचसीएल टेक, एलएंडटी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इन्फोसिस लाभ में रहे। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इटर्नल, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और सन फार्मा में गिरावट दर्ज हुई। बीएसई मिडकैप में 0.21 प्रतिशत की तेजी रही जबकि स्मालकैप सूचकांक में 0.67 प्रतिशत की गिरावट रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में फोकस आईटी खंड 0.90 प्रतिशत चढ़ गया जबकि बैंकिंग खंड में 0.86 प्रतिशत, वित्तीय सेवा खंड में 0.84 प्रतिशत, धातु खंड में 0.74 प्रतिशत और प्रौद्योगिकी खंड में 0.73 प्रतिशत की तेजी रही।

डीआईआई ने की 3,661.05 करोड़ की खरीदारी

शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 1,944.19 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,661.05 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में बंद हुए जबकि जापान का निक्की सूचकांक गिरावट में रहा। यूरोपीय बाजारों में दोपहर कारोबार में बढ़त का रुख था।

सरकार का लक्ष्य

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा- निश्चित रणनीति के तहत 50 करोड़ सहकारी सदस्य बनाने का लक्ष्य

देश की जीडीपी में सहकारिता की हिस्सेदारी बढ़ाकर करेंगे तीन गुना

गांधीनगर, एजेंसी

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि अपनी 'निश्चित रणनीति' के तहत सरकार का लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करना और 50 करोड़ से ज्यादा सक्रिय सहकारी सदस्य बनाना है।

शाह ने गांधीनगर के ''महात्मा मंदिर'' सम्मेलन केंद्र में आयोजित 'अर्थ समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने वर्ष 2030 तक वैश्विक जैविक बाजार में भारत का हिस्सा 20 प्रतिशत और वर्ष 2035 तक 40 प्रतिशत तक बढ़ाने का भी लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे देश में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करना चाहती है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार बनने के बाद ग्रामीण विकास, खेती, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र को देश के आर्थिक प्रणाली और पूरे विकास के जरूरी हिस्सों के तौर पर पहचाना गया। शाह ने कहा कि पूरी तरह से विकसित भारत के दृष्टिकोण में हर नागरिक की भलाई शामिल है, और उस लक्ष्य को पाने के लिए सहकारिता, खेती, पशुपालन और ग्रामीण विकास क्षेत्र पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक निश्चित रणनीति के तहत, हमने तय किया है कि कुछ ही साल में हम हर पंचायत में एक सहकारिता संस्था बनाएंगे। हम 50 करोड़ से ज्यादा सक्रिय सहकारी सदस्य बनाएंगे और देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करेंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात में बनास डेयरी ने डेयरी सेक्टर में संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल वाली अर्थव्यवस्था का एक मॉडल बनाया है और यह मॉडल अब पूरे देश में इस्तेमाल के लिए उपलब्ध है।

गांधीनगर के महात्मा मंदिर सम्मेलन केंद्र में आयोजित अर्थ समिट को किया संबोधित

प्राकृतिक खेती में किसानों के लिए बहुत संभावनाएं

शाह ने कहा कि अब सहकारिता मंत्रालय देश में गन्ना क्षेत्र के लिए भी ऐसा ही मॉडल तैयार करने पर काम कर रहा है। ताजा आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताते हैं कि देश में 49 लाख किसान पहले ही प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं और किसानों के लिए इसमें बहुत संभावनाएं हैं। शाह ने कहा कि भारत ऑर्गेनिक्स और अमूल के समर्थन से हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के हिसाब से किसानों की जमीन और उपज के जैविक परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं की एक श्रृंखला बना रहे हैं। गेहूं और चावल जैसे करीब 40 जैविक उत्पाद पहले से ही ऑनलाइन बेचे जा रहे हैं। हमने एक लक्ष्य रखा है कि 2030 तक भारत का वैश्विक जैविक बाजार में 20 प्रतिशत से ज्यादा और 2035 तक 40 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा होगा। इस मकसद के लिए हमने दो बहु-राज्य सहकारिता बनाए हैं। उनमें से एक किसानों से जैविक उत्पाद खरीदेगी, जबकि दूसरी उन्हें बेचेगी। पैसा सीधे किसानों के बैंक खाते में जमा किया जाएगा।

सहकारी टैक्सी सेवा योजना से जुड़ चुके हैं 51,000 ड्राइवर

सहकारी टैक्सी सेवा का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि करीब 51,000 ड्राइवर पहले ही इससे लिए अपना पंजीकरण करा चुके हैं। शाह ने कहा कि हमारे टैक्सी ड्राइवरों को उनकी पूरी कमाई उनके बैंक खाते में मिलेगी। मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाले समय में यह टैक्सी सेवा सहकारिता पर चलने वाली देश की सबसे बड़ी टैक्सी कंपनी बन जाएगी। उन्होंने कहा कि हम एक सहकारिता बीमा सेवा भी ला रहे हैं। चाहे वह स्वास्थ्य बीमा हो, जीवन बीमा हो, खेती हो, या दुर्घटना बीमा हो, सभी तरह का बीमा सहकारिता आधार पर होगा। यह गांव में तीन युवा सहकारिता बीमा के लिए 'एवेंसडर' के तौर पर काम करेंगे। हम पूरे देश में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करना चाहते हैं।

यूपीआई को मंजूरी के लिए 8 अन्य देशों से बातचीत जारी : वित्तीय सेवा सचिव

भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, यूएई, श्रीलंका और फ्रांस में हो रहा उपयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त सेवा सचिव एम. नागराजू ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपने डिजिटल भुगतान मंच यूपीआई को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए आठ देशों के साथ बातचीत कर रहा है। फिलहाल भारत की लोकप्रिय भुगतान प्रणाली यूपीआई को आठ देशों में स्वीकार्य किया गया है। इनमें भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), श्रीलंका और फ्रांस शामिल हैं। इससे भारतीय पर्यटक विदेशों में लेन-देन के लिए यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नागराजू ने कहा कि हम अब यूपीआई लेनदेन को संभव बनाने के लिए सात-आठ देशों से बातचीत कर रहे हैं जिनमें पूर्वी एशिया के कई देश शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भारत कुछ देशों के साथ व्यापार वार्ताओं के दौरान यूपीआई को भी शामिल कर रहा है। नागराजू ने कहा कि कुछ देशों के साथ जिन व्यापार वार्ताओं को हम आगे बढ़ा रहे हैं, उनमें यूपीआई का भी पहलू रखने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि इस क्षेत्र में शामिल वित्तीय-प्रौद्योगिकी उद्योग भी अपनी भूमिका निभा सके। उन्होंने कहा कि भारत को लागत और पैमाने के स्तर पर बढ़त हासिल है और इस लाभ का उपयोग देश के हित में करना चाहते हैं।

समस्याओं के लिए एआई समाधान बनाएं कंपनियां

आईटी और आईटी आधारित सेवा (आईटीईएस) कंपनियों को विभिन्न क्षेत्रों की खास समस्याओं के लिए एआई आधारित समाधान बनाने चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि ऐसा करने से नई नौकरियां पैदा होने की संभावना है। नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्मार्ट गवर्नमेंट (एनआईएसजी) के सम्मेलन में उन्होंने कहा कि लोग सोच सकते हैं कि बड़ी कंप्यूट सुविधाओं की कमी से भारत एआई के बड़े मॉडल बनाने की दौड़ में पीछे रह गया है, लेकिन भारत एआई मॉडल के जरिये आम लोगों की जरूरतों के समाधान बनाकर बढ़त हासिल कर सकता है। कृष्णन ने कहा कि बहुत बड़े मॉडल की जरूरत नहीं है। जरूरत है क्षेत्र विशेष के लिए बने सीमित मॉडल की, जो उस क्षेत्र में लागू हों और उसकी समस्याओं को हल करें।

वर्ल्ड ब्रीफ

एअर एंबुलेंस नहीं पहुंची, अब बीमार जिया कल जाएंगी लंदन

ढाका। गंभीर रूप से बीमार बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की उपचार के वास्ते लंदन रवानगी रविवार तक के लिए टल गई है। कतर की पेशकश वाली 'एअर एंबुलेंस' के यहां नहीं पहुंच पाने के कारण यह देरी हुई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की 80 वर्षीय प्रमुख जिया को 23 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वह बृहस्पतिवार देर रात या शुक्रवार तड़के लंदन रवाना होने वाली थीं। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा, 'अगर सब कुछ ठीक रहा तो एअर एम्बुलेंस कल शनिवार पहुंचने की संभावना है। यदि मैडम का मेडिकल बोर्ड इसकी मंजूरी देता है तो इंशाअल्लाह वह रविवार को लंदन के लिए उड़ान भरेंगी।

इजराइल ने थाईलैंड को वायु रक्षा प्रणाली देने की घोषणा की

यरूशलम। इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि वह रॉयल थाई वायु सेना को एक एडवांस्ड वायु रक्षा प्रणाली की आपूर्ति करेगी। बयान में वायु रक्षा प्रणाली की रकम और आपूर्ति की तारीख का कोई उल्लेख नहीं किया गया है लेकिन इजराइली मीडिया की मानें तो यह पूरी डील लगभग 107 मिलियन अमेरिकी डॉलर की है। आईएआई ने बताया कि उसका बराक एमएक्स इंटीग्रेटेड एयर- और मिसाइल-डिफेंस सिस्टम थाईलैंड को पहली मीडियम-रेंज एयर-डिफेंस क्षमता देगा, जो बैलिस्टिक और हवाई दोनों तरह के खतरों से पूरी सुरक्षा देगा। यह प्रणाली थाई एयरस्पेस को ड्रोन, फाइटर जेट, क्रूज मिसाइलों और 150 किलोमीटर तक की रेंज वाली मिसाइलों से बचाएगी।

अमेरिका : पुतिन के करीबी से जुड़ी कंपनी पर 71 लाख डॉलर जुर्माना

वाशिंगटन। अमेरिका के वित्त विभाग ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी उद्योगपति ओलेग देरिपस्का की आलीशान रियल एस्टेट संपत्तियों का प्रबंधन करके पाबंदियों का उल्लंघन करने के आरोप में न्यूयॉर्क में स्थित एक कंपनी पर 71 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है। वित्त विभाग के विदेशी संपत्तियां नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने कहा कि ग्रेसटाउन इंक नामक संपत्ति प्रबंधन कंपनी को देरिपस्का के स्वामित्व वाली एक कंपनी की ओर से अप्रैल 2018 से मई 2024 के बीच 24 बार भुगतान के जरिए कुल 31,250 अमेरिकी डॉलर की राशि हासिल हुई। ओएफएसी ने कहा कि उसने ग्रेसटाउन को नोटिस जारी कर कहा था कि देरिपस्का के साथ लेनदेन पर प्रतिबंध है, लेकिन कंपनी लेनदेन करती रही।

पाकिस्तान: हिंदू छात्राओं को धमकी पढ़ना है तो इस्लाम धर्म अपनाओ

कराची, एजेंसी

- छात्राओं के अभिभावकों ने लगाया आरोप, सरकार के शिक्षा मंत्री ने दिया जांच का आदेश

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कुछ हिंदू स्कूली छात्राओं पर पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला गया और उन्हें स्कूल में कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। छात्राओं के अभिभावकों की ओर से जताए गए विरोध के बाद मामला मीडिया के जरिए जानकारी में आने पर सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं।

नवंबर के अंत में, सिंध के मिरपुर साक्रो में स्थित सरकारी उच्च विद्यालय की कुछ हिंदू छात्राओं के माता-पिता ने मीडिया को बताया था कि स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने हिंदू छात्राओं से कहा था कि वे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपना लें। माता-पिता ने आरोप लगाया कि हिंदू छात्राओं को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया और उनके धर्म का मजाक उड़ाया गया। इस आरोप के बाद आक्रोश फैल गया। माता-पिता ने यह दावा भी किया कि इस्लाम धर्म अपनाने या कलमा पढ़ने से इन्कार करने पर कुछ छात्राओं को उनके घर लौटा दिया गया। धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री खीसो मल खील दास ने बृहस्पतिवार को संसद के उच्च सदन सीनेट को बताया कि प्रांतीय शिक्षा मंत्री ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है।

भारत के लिए नए भविष्य की उम्मीद

अमेरिका के साथ लगातार कटु होते संबंधों और व्यापार तनाव के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान कई प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और संचार के क्षेत्रों में किए गए इन समझौतों का उद्देश्य भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को सौ बिलियन डॉलर तक ले जाना और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। भारत ने इन समझौतों के साथ पश्चिमी देशों को अपनी रणनीतिक स्वायत्ता का स्पष्ट संदेश तो दिया ही है, अपने सुदृढ़ भविष्य के लिए एक नया मार्ग भी प्रशस्त किया है। माना जा रहा है कि भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए एक जटिल संतुलन बनाने की कोशिश की है, इससे अमेरिका से संबंधों पर तो कुछ असर पड़ सकता है, लेकिन भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को इससे मजबूती मिलेगी।

रूस के साथ समझौते

2030 तक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम

भारत-रूस का 2030 तक व्यापार-निवेश का विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी कार्यक्रम, लक्ष्य व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना।

भारत के लिए परिणाम

- भारत का लक्ष्य रूस को फार्मास्यूटिकल्स, कृषि उत्पाद और मशीनरी का निर्यात बढ़ाकर व्यापार असंतुलन को कम करना है।
- द्विपक्षीय बस्तियों की प्रणाली विकसित करने से अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम होगी, प्रतिबंधों के प्रभाव से बचा जा सकेगा।
- महत्वपूर्ण खनिजों, उर्वरकों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के लिए भारत की आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने में मदद मिलेगी।

रक्षा-सैन्य तकनीकी सहयोग

रक्षा संबंधों को नया रूप देने पर सहमति, लॉजिस्टिक सपोर्ट का पारस्परिक आदान-प्रदान भी शामिल।

भारत के लिए परिणाम

- युद्धपोतों, सैन्य विमानों को एक-दूसरे के बंदरगाहों व सैन्य सुविधाओं तक पहुंच, परिचालन पहुंच बढ़ेगी।
- रक्षा उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा इससे भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमता मजबूत होगी।
- भारत को सोवियतयुग के सैन्य हार्डवेयर को उन्नत रूसी प्रौद्योगिकी के साथ आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी।
- रूस से मजबूत रक्षा संबंध पश्चिमी देशों के दबाव के बाद भी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने में मदद करेंगे।

ऊर्जा भागीदारी, परमाणु सहयोग

भारत को तेल, गैस और कोयले की निर्बाध आपूर्ति का आश्वासन, कुडनकुलम की शेष इकाइयों के निर्माण और नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थलों पर चर्चा में प्रगति।

भारत के लिए परिणाम

- रूस से निरंतर ऊर्जा आपूर्ति भारत की बढ़ती अर्थ व्यवस्था के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करती है।
- परमाणु ऊर्जा सहयोग से भारत को अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी मदद मिलेगी।

कनेक्टिविटी, मोबिलिटी

अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे समेत परिवहन गलियारों में सहयोग।

भारत के लिए परिणाम

- मध्य एशिया और यूरोप के लिए एक छोटा और सस्ता व्यापार मार्ग मिलने से भारतीय निर्यातकों को लाभ।
- ये गलियारे भारत की पहुंच को यूरेशिया तक बढ़ाते हैं, जिससे क्षेत्रीय संपर्क और प्रभाव में वृद्धि होती है।
- भारतीय श्रमिकों, रूसी पर्यटकों की यात्रा को आसान बनाएंगे, सांस्कृतिक-व्यक्तिगत संबंध मजबूत होंगे।

अमेरिका के नजरिए से...

समझौते दर्शाते हैं कि भारत अमेरिकी दबाव के बावजूद रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ने रूस से ऊर्जा आयात बढ़ाना जारी रखा है और रुपये-रूबल व्यापार तंत्र को परिष्कृत कर रहा है, जो अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने का एक तरीका है।

गांधी की समाधि पर पुतिन नतमस्तक अहिंसा व सच्चाई के लिए किया याद

लिखा- नई, निष्पक्ष और बहुध्रुवीय दुनिया के सिद्धांत का प्रभाव आज भी कायम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत यात्रा पर आए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि पर शीश नवाया और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके साथ रूसी राष्ट्रपति ने बापू की समाधि की परिक्रमा भी की। उन्होंने भारत की आजादी के सर्वोच्च नायक को अहिंसा और सच्चाई के लिए याद किया और उनकी समाधिक पर पुष्पचक्र चढ़ाने के साथ उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

पुतिन ने राजघाट पर रखी स्मारिका में रूसी भाषा में लिखा, महात्मा गांधी ने अहिंसा और सच्चाई के जरिए हमारी धरती पर शांति के लिए एक अनमोल योगदान दिया, जिसका प्रभाव आज भी कायम है। उन्होंने लिखा कि महात्मा गांधी ने एक नई, ज्यादा निष्पक्ष और बहुध्रुवीय दुनिया की व्यवस्था का रास्ता दिखाया, जो अब बन रही है। रूस के राष्ट्रपति ने स्मारिका में लिखा, समानता, आपसी सम्मान और सहयोग पर अपनी शिक्षाओं में आज भी भारत दुनिया के लोगों के साथ मिलकर और अंतरराष्ट्रीय मंच पर इन्हीं सिद्धांतों और मूल्यों की रक्षा करता है। उन्होंने यह भी लिखा, रूस भी ऐसा ही करता है।

राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे पुतिन।

राष्ट्रपति भवन में पुतिन का किया गया औपचारिक स्वागत

नई दिल्ली। भारत की यात्रा पर आए रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन का प्रधानमंत्री मोदी के साथ होने वाली शिखर वार्ता से पहले शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पुतिन ने एक-दूसरे का अपने-अपने देश के गणमान्य व्यक्तियों से परिचय कराया। पुतिन ने सलामी गारद का भी निरीक्षण किया। गुरुवार शाम यहां पहुंचे पुतिन का खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पालम हवाई अड्डे पर पहुंचकर गले लगकर स्वागत किया था। हवाईअड्डे से दोनों नेता मोदी के सरकारी आवास तक एक ही कार में गए, जहां निजी रात्रिभोज का आयोजन किया गया था।

रूसी राष्ट्रपति ने मोदी से कहा- मुझे आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद

- अपने भारत दौरे के सकारात्मक नतीजा निकलने की उम्मीद जताई

नई दिल्ली। पुतिन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान उन्हें भारत आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के दौरान पुतिन ने कहा, प्रिय प्रधानमंत्री, प्रिय दोस्तों, सबसे पहले निमंत्रण और कल की बहुत अच्छी शाम के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यूक्रेन मुद्दे पर शांति के प्रति रूस की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए पुतिन ने विश्वास जताया कि भारत में उनके इस दौरे के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। उन्होंने रूस और भारत के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए यूक्रेनी मुद्दे को हल करने में मदद के लिए मोदी के प्रयासों की सराहना की। साथ ही शांतिपूर्ण समाधान के संबंध में रूस और अमेरिका की कार्रवाइयों के बारे में भी सूचित करते हुए कूटनीति और बातचीत का उल्लेख किया।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन की यह पहली भारत यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश तेजी से जटिल होते भू-राजनीतिक परिदृश्य से गुजर रहे हैं। रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के दबाव में है और भारत रूस के साथ ऐतिहासिक संबंधों को संतुलित करते हुए अमेरिका के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने के लिए काम कर रहा है।

मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ न्यूयॉर्क टाइम्स ने पेंटागन पर ठोका मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी मीडिया हाउस 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने गुरुवार को अमेरिकी रक्षा विभाग के खिलाफ मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंधात्मक नियमों को लेकर मुकदमा दायर किया है। अखबार का आरोप है कि मंत्रालय की यह नीति संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के प्रथम संशोधन का उल्लंघन करती है। कोलंबिया के जिला न्यायालय में दायर इस मुकदमे में रक्षा विभाग, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल को प्रतिवादी बनाया गया है।

शिकायत में बताया गया है कि छह अक्टूबर को मंत्रालय ने पेंटागन फैसिलिटी अल्टरनेट क्रेडेंशियल्स पर एक नई नीति जारी की, जिसे पेंटागन बैज या बिल्डिंग पास भी कहा जाता है। यह नीति मंत्रालय के अधिकारियों को असीमित विवेक प्रदान करती है। इसके अंतर्गत वे वैध समाचार संकलन में शामिल पत्रकार की मान्यता को तुरंत निलंबित और अंततः रद्द तक कर सकते हैं। यह नियम पेंटागन परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगह पत्रकारिता गतिविधियों पर लागू होता है, या यदि कोई पत्रकार ऐसी जानकारी प्रकाशित करता है जिसे विभाग के अधिकारियों ने मंजूरी नहीं दी है। शिकायत में कहा है, यह नीति पहले संशोधन का उल्लंघन करते हुए पत्रकारों की उस क्षमता को प्रतिबंधित करने का प्रयास करती है जो वे हमेशा करते आए हैं। यानी सरकारी कर्मचारियों से सवाल पूछना या ऐसी खबरों के लिए जानकारी जुटाना जो जनता को सिर्फ आधिकारिक घोषणाओं से परे ले जाएं।

- रक्षा मंत्री हेगसेथ, उनके प्रवक्ता समेत कई को बनाया प्रतिवादी

रक्षा मंत्री पर गोपनीय सैन्य योजना लीक करने का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यमन में हूती विद्रोहियों पर होने वाले सैन्य हमले से संबंधित संवेदनशील योजनाएं अपने निजी फोन से साझा करके अमेरिकी सैनिकों को जोखिम में डाल दिया। पेंटागन के महानिरीक्षक की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में गैरअनुमोदित मैसेजिंग ऐप और उपकरणों के इस्तेमाल को लेकर भी उन पर सवाल उठाए गए हैं। महानिरीक्षक ने पाया कि हेगसेथ के पास 'सिग्नल चैट' नामक मैसेजिंग ऐप में साझा की गई जानकारी को 'डी-क्लासिफाई' यानी गोपनीय श्रेणी से हटाने का अधिकार था। रिपोर्ट में कहा गया है कि हूती विद्रोहियों पर होने वाले हमले का संवेदनशील विवरण जारी करना, पेंटागन के आंतरिक नियमों का उल्लंघन है।

मस्क के सोशल मीडिया मंच एक्स पर 12 करोड़ यूरो जुर्माना

लंदन। यूरोपीय संघ के नियामकों ने शुक्रवार को एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर डिजिटल नियमों का पालन न करने के लिए 12 करोड़ यूरो (लगभग 14 करोड़ डॉलर) का जुर्माना लगाया। यूरोपीय आयोग ने यह निर्णय दो साल पहले ''एक्स'' (पूर्व में ट्विटर) के खिलाफ शुरू की गई जांच के बाद लिया है। यह जांच 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम (डीएसए) के तहत की गई थी। डीएसए एक व्यापक कानून है जो सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन मंच से कहता है कि यूरोप के उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए वे ज्यादा जिम्मेदारी लें और अपनी साइट पर आने वाली हानिकारक या गैर-कानूनी सामग्री तथा उत्पादों को तुरंत हटाएं। अगर वे ऐसा नहीं करते तो बहुत भारी जुर्माना लग सकता है।

आयोग ने कहा कि वह सोशल मीडिया मंच एक्स को डीएसए की पारदर्शिता आवश्यकताओं के तीन अलग-अलग उल्लंघनों के कारण दंडित कर रहा है। नियामकों ने कहा कि 'एक्स' के नीले टिक निशान नियमों का उल्लंघन करते हैं क्योंकि उनका भ्रामक डिजाइन उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी और गलत जानकारी के जोखिम में डाल सकता है।

पराजित देश के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाए जापान: चीन

बीजिंग। चीन ने जापान से द्वितीय विश्व युद्ध में पराजित देश के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने, युद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती देना बंद करने तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचाने से बचने का आग्रह किया।

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जियांग बिन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह टिप्पणी जापानी सरकार की ओर से रक्षा व्यय में वृद्धि को मंजूरी देने और फिलीपींस के साथ जापानी मिसाइल के निर्यात पर बातचीत करने के संदर्भ में की। जियांग बिन ने जापान की आलोचना करते हुए कहा कि हाल के वर्षों में जापान ने बार-बार अपने शांतिवादी संविधान के तहत दी गई प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन ,रक्षा बजट में भारी वृद्धि और घातक हथियारों के निर्यात को बढ़ावा दिया है तथा अपने तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों में संशोधन करने का प्रयास किया है। कहा, जापान ने सैन्य विकास पर लगी पाबंदियों को तेजी से ढीला किया है, जिससे वहां सैन्यवाद के फिर उभरने का खतरा पैदा हो गया है।

विश्व कप, ओलंपिक और निवेशक वीजा आवेदनों को प्राथमिकता देगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी

- दुनिया भर में 400 अतिरिक्त कांसुलर अधिकारी तैनात किए

ट्रंप प्रशासन ने दुनिया भर में अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को निर्देश दिया है कि वे उन विदेशियों के वीजा आवेदनों को प्राथमिकता दें जो अमेरिका में निवेश करना चाहते हैं या 2026 विश्व कप, 2028 ओलंपिक और अन्य प्रमुख खेल आयोजनों में भाग लेने आ रहे हैं। अमेरिका ने इसके साथ वीजा आवेदन संभालने के लिए दुनिया भर में 400 से अधिक अतिरिक्त कांसुलर अधिकारी भी तैनात किए हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, अमेरिका में महत्वपूर्ण निवेश पर विचार कर रहे व्यापारियों और अमेरिकी उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने वाले प्रमुख खेल आयोजनों में भाग लेने के लिए यात्रा करने वालों के वीजा आवेदन प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर होंगे। यह कदम अमेरिका में होने वाले बड़े खेल आयोजनों से पहले प्रशंसकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। नए निर्देशों के तहत, विश्व कप के प्रशंसकों के आवेदनों को सभी अन्य बी1/बी2 आवेदनों पर प्राथमिकता दी जाएगी। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि वीजा आवेदन संभालने के लिए दुनिया भर में 400 से अधिक अतिरिक्त कांसुलर अधिकारियों को तैनात किया गया है।

ट्रंप प्रशासन ने उच्च कौशल वाले विदेशी श्रमिकों के एच-1बी वीजा आवेदनों पर विचार के लिए नए मानदंड निर्धारित किए हैं। उन आवेदकों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है जो ऑनलाइन या अन्य माध्यमों से अमेरिकी नागरिकों की सेंसरशिप में शामिल या उसके लिए जिम्मेदार रहे हैं।

अमर्यादित भाषा: आप्रवासियों को कचरा कहने पर घिरे ट्रंप

न्यूयॉर्क। सोमालिया के आप्रवासियों को 'कचरा' कहने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान की काफी आलोचना हो रही है। मिनेसोटा राज्य के डेमोक्रेटिक पार्टी के गवर्नर टिम वाल्ज ने ट्रंप के बयान की निंदा करते हुए इसे भद्दा बताया।

वाल्ज ने बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रंप ने मिनेसोटा के सभी निवासियों को बदनाम किया, जहां अमेरिका के दूसरे राज्यों की तुलना में सबसे अधिक सोमालियाई आप्रवासी रहते हैं। उन्होंने कहा कि सोमालियाई आप्रवासियों के प्रति ऐसी नफरत भरी टिप्पणियां पहले कभी किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने नहीं कीं। वाल्ज ने कहा, आज हमारे छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जा रहे हैं, जबकि उनके ही राष्ट्रपति उन्हें कचरा कह रहे हैं। कई बुद्धिजीवियों ने भी ट्रंप की इस टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की है। एल्बनी में स्थित न्यूयॉर्क स्टेट यूनिवर्सिटी में इतिहास के प्रोफेसर कार्ल बोन टेम्पो ने कहा, उन्होंने रोजमर्रा की बातचीत में इस तरह की भाषा को ज्यादा सामान्य बना दिया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 दिसंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 6 दिसंबर 21.25 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

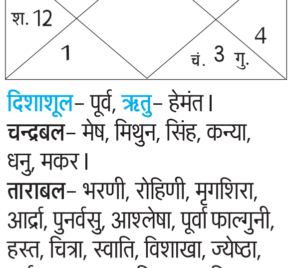

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मृगशिरा 08.48 तक तत्पश्चात आर्द्रा 07 दिसंबर 06.13 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज भूमि-संपत्ति को लेकर महत्वपूर्ण अनुबंध हो सकते हैं। नया ज्ञान अर्जित करने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। आपके जनसंपर्क का दायरा बढ़ेगा। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

वृष — आज धन अनावश्यक बर्बाद हो सकता है। किसी बड़े कार्य को लेकर परेशानी दूर होगी। व्यवसाय में जल्दबाजी के कारण नुकसान हो सकता है। आपकी बातों का लोग बुरा मान सकते हैं। मित्रों के साथ आप काफी समय बिताएंगे।

मिथुन — आज आपका पारिवारिक जीवन अत्यंत सुखमय रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने के लिए आप काम से छुट्टी भी ले सकते हैं। मानसिक रूप से सुकून का अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

कर्क — आज पोषण की कमी के कारण शरीर में थकावट महसूस होगी। प्रेम संबंधों को लेकर मन थोड़ा विचलित रहेगा। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे आपको बाद में पछताना पड़े। अपने मन की बातें सभी से शेयर न करें। लोग आपका मजाक भी बना सकते हैं।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र की चुनौतियां दूर होंगी। दूर के रिश्तेदारों से मुलाकात होने के योग बन रहे हैं। आप लोगों की सहायता करने को लेकर तत्पर रहेंगे। लोहा और शराब कारोबारियों के लिए दिन विशेष रूप से बहुत ही अच्छा है।

कन्या — आज विरोधी आपके सामने कमजोर पड़ जाएगें। समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा। आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। दिनचर्या सुव्यवस्थित रहेगी। मन में थोड़ी-बहुत कन्फ्यूजन की स्थिति रहेगी। अपने काम से संतुष्ट नहीं रहेंगे।

तुला — आज कारोबार में आपको बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। घरेलू खर्चों को कम करने की आवश्यकता है। अनावश्यक यात्राएं हो सकती हैं। आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य छूट सकता है। गूढ़ विषयों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — आज आपको किसी योग्य व्यक्ति से परामर्श लेना चाहिए। मन में नकारात्मक विचार और अज्ञात भय व्याप्त हो सकता है। आर्थिक दृष्टिकोण से समय अच्छा नहीं है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

धनु — आज आप अपने कार्य की गुणवत्ता पर अत्यधिक ध्यान देंगे। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बहुत शानदार रहेगा। अपने निर्णयों को दूसरों पर थोपने से बचें। विवाह योग्य लोगों को उत्तम रिश्ते मिल सकते हैं।

मकर — आज आप अपने करियर को लेकर थोड़े चिंतित रहने वाले हैं। सरकारी नौकरी करने वालों को उत्तम सफलता मिलेगी। विदेश यात्रा की संभावना बन रही है। आप नई तकनीक का प्रयोग सीखने का प्रयास करेंगे।

कुंभ — आज नई परियोजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना बन रही है। पेट में वायु विकार उत्पन्न होने की संभावना है। दोस्तों के साथ आप घूमने जा सकते हैं। अपने भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

मीन — आज का दिन आपके लिए शुभ नहीं है। आपके सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। काम को लेकर आपको यात्रा करनी पड़ेगी। सोशल मीडिया पर अधिक समय बर्बाद न करें। अजीबोगरीब स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू-182

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			2				
4								
		5						
1								
		2						
	6				9			
	8						7	

सुडोकू - 181 का हल

1	2	5	3	6	8	4	9	7
8	3	9	1	4	7	2	5	6
4	6	7	9	2	5	8	3	1
3	9	6	2	7	1	5	4	8
5	1	2	8	3	4	7	6	9
7	8	4	5	9	6	3	1	2
2	5	3	6	8	9	1	7	4
9	4	8	7	1	3	6	2	5
6	7	1	4	5	2	9	8	3

"उमरान मलिक एक बेहतरीन गेंदबाज है। मुझे लगता है कि आईपीएल में छोटे मैदान और अच्छी पिचें होने के कारण आपको तेज गेंदबाजी के लिए एक एक्स फैक्टर की जरूरत होती है। मुझे लगता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा।"
–सुनील नारायण

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com
लखनऊ, शनिवार, 6 दिसंबर 2025

हाइलाइट

सेंथिलकुमार और अनाहत चैंपियन बने

चेन्नई। राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार ने शुक्रवार को यहां स्क्वाश इंडियन टूर 4 में पुरुष वर्ग का और अनाहत सिंह ने महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया। शीर्ष वरीय और दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिलकुमार ने मिस्र के एडम हवाल को 11-7, 11-9, 9-11, 11-4 से हराकर पुरुषों का खिताब जीता। महिलाओं के फाइनल में दिल्ली की अनाहत सिंह (दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी) ने अनुभवी हमवतन जोशना चिनप्पा (पूर्व नंबर 10) को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 11-8, 11-13, 11-3, 11-6, 11-8 से शिकस्त दी।

बेंगलुरु में खेला जाएगा टेनिस का मुकाबला

बेंगलुरु। भारत और नीदरलैंड के बीच सात-आठ फरवरी को होने वाले डेविस कप क्वालीफायर की मेजबानी का अधिकार शुक्रवार को बेंगलुरु को मिला जिसने बोली में दिल्ली को पीछे छोड़ दिया। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में दिलचस्पी दिखाई थी। बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी। कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने हाल में शहर में बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी। भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफायर चरण में जगह बनाई जबकि नीदरलैंड दूसरे दौर में अर्जेंटीना से इसी अंतर से हार गया था।

आईपीबीएल: मुंबई ने जीत का खाता खोला

नई दिल्ली। मुंबई स्पैरर्स ने कैपिटल वॉरियर्स गुड़गांव को 4-2 से हराकर इंडियन पिकलबॉल लीग (आईपीबीएल) में अपनी पहली जीत के साथ नॉकआउट में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा। दिन के दूसरे मैच में हैदराबाद रॉयल्स ने वापसी करते हुए बेंगलुरु ब्लास्टर्स को 3-3 से बराबरी पर रोक दिया। इस परिणाम से नॉकआउट की तीन दावेदार टीम टाई अंक, मैच अंक और आपसी मुकाबले के परिणाम के मामले में बराबरी पर आ गयी। अंतिम नॉकआउट स्थान के लिए मुंबई, गुड़गांव और बेंगलुरु के बीच तीन टीम का प्ले-इन होगा। शनिवार प्ले-इन मुकाबलों की विजेता टीम चौथे स्थान पर अपनी जगह पक्की कर क्वालीफायर एक में तीसरे स्थान की टीम से भिड़ेगी।

फखर जमां ने आचार संहिता तोड़ी

दुबई : पाकिस्तान के बैटर फखर जमां पर मैच फीस का 10 परसेंट जुर्माना लगाया गया है। उन्हें 29 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ ट्राई-सीरीज फाइनल के दौरान आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने का दोषी पाया गया। जमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.8 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो प्लेयर्स और प्लेयर सपोर्ट स्टाफ के लिए है, जो इंटरनेशनल मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से जुड़ा है।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 44 रनों की बढ़त

एशेज सीरीज : दूसरा दिन

- इंग्लैंड ने पांच कैच छोड़े, रूट 138 रन बनाकर नाबाद रहे
- ऑस्ट्रेलिया के वेदरॉल्ड, लाबुशेन और स्मिथ ने ठोके अर्धशतक

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड : 334/10 (पहली पारी)
ऑस्ट्रेलिया : 378/6 (पहली पारी जारी)

ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम के सभी बल्लेबाजों को मिली अच्छी शुरुआत से शुक्रवार को यहां एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन स्टंप तक इंग्लैंड के खिलाफ छह विकेट पर 378 रन बनाकर पहली पारी में 44 रन की बढ़त हासिल कर ली।

इंग्लैंड को खराब गेंदबाजी और कम से कम पांच कैच छूटने से काफी नुकसान हुआ जिससे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फायदा उठाने में सफल रहे। सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी की तेज शुरुआत कराते हुए 72 गेंद में 78 रन बनाए जबकि मार्नस लाबुशेन (65) ने लगातार दूसरा अर्धशतक पूरा किया और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने 61 रन बनाए। गाबा की पिच में कुछ असमान उछाल के बावजूद दिन में बल्लेबाजों का दबदबा रहा। एलेक्स कैरी का दो बार कैच छूटा। एक बार जब उन्होंने खाता भी नहीं खोला था और फिर 25 रन पर उनका कैच छूटा जिससे वह स्टंप तक 45 गेंद में 46 रन बनाकर खेल रहे हैं। माइकल नेसर को भी एक जीवनदान मिला जिससे वह 7वें विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी में 15 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। पर्थ में सीरीज का पहला मैच दूसरे ही दिन खत्म हो गया था जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीत हासिल की थी। पर ब्रिस्बेन में यह दिन-रात्रि टेस्ट लंबा चलता दिख रहा है। इंग्लैंड ने दूसरे दिन सुबह नौ विकेट पर 325 रन से आगे खेलना शुरू किया, पर 11वें नंबर के खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर के आउट होने से पहले स्कोर में 14 गेंद में नौ रन और जोड़े। रूट ने 135 रन से खेलना शुरू किया पर जब आखिरी विकेट के लिए 70 रन की भागीदारी खत्म हुई तो वह 138 रन बनाकर नाबाद रहे जो ऑस्ट्रेलिया में उनका पहला एशेज शतक है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत के नायक रहे ट्रेविस हेड ने नौवें ओवर में विकेटकीपर स्मिथ द्वारा आर्चर की गेंद पर तीन रन पर कैच छूटने के बाद 30 रन और जोड़े।

रोहित-कोहली से फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक मुकाबला आज दोपहर 1.30 बजे से, गेंदबाजों की होगी कड़ी परीक्षा

विशाखापत्तनम, एजेंसी

भारत विराट कोहली और रोहित शर्मा से फिर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके श्रृंखला अपने नाम करने की कोशिश करेगा। भारत के कुछ युवा खिलाड़ी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और ऐसे में उन पर दबाव होगा। दक्षिण अफ्रीका टेस्ट श्रृंखला जीतने के बाद अब वनडे श्रृंखला जीतने में भी कसर नहीं छोड़ेगा और ऐसे में भारतीय टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत है।

भारत अगर इस मैच में जीत हासिल करता है तो पिछले कुछ समय से टीम को लेकर चल रही अटकलों पर भी विराम लग जाएगा। इसके लिए कोहली और रोहित को फिर से अपना महत्वपूर्ण योगदान देना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि इन दोनों का वनडे क्रिकेट में कोई सानी नहीं है और उन्हें इस तरह के दबाव वाले मैच में खेलने का अच्छा अनुभव है। इसलिए भारत की जीत में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। रोहित और कोहली अपनी करियर के अवसान पर हैं और वह इसमें एक और गौरवशाली अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगे। कोहली ने अपनी पिछली तीन पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया है, जबकि रोहित ने अपनी पिछली चार पारियों में एक शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। उन्हें कुछ युवा बल्लेबाजों का अच्छा सहयोग मिल रहा है जैसा कि पिछले मैच में रुतुराज गायकवाड़ ने अपना योगदान दिया था। उन्होंने अपना पहला वनडे शतक लगाया था। लेकिन यशस्वी जायसवाल को अभी भी इस श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन करना बाकी है। यह प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने के लिए उत्सुक होगा।

जायसवाल को बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ जूझना पड़ रहा है फिर चाहे वह वेस्टइंडीज के जेडन सील्स हों या इस श्रृंखला में मार्को यानसन और नांद्रे बर्गर। वह अपने करियर में 30 बार बाएं हाथ के गेंदबाजों का शिकार बने हैं।

जायसवाल और टीम प्रबंधन इससे अनजान नहीं रह सकते और इसमें सुधार करने का काम शायद पहले ही शुरू हो चुका है। लेकिन अगर वह सुधार नहीं कर पाए तो टीम को अन्य विकल्पों पर विचार करने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। टीम के पास गायकवाड़ के रूप में एक अदद सलामी बल्लेबाज मौजूद है। एसीए-वीडीसीए स्टेडियम की पिच अक्सर बल्लेबाजों के

अनुकूल होती है और भारत का यहां शानदार रिकॉर्ड रहा है। उसने यहां 2005 से 10 एकदिवसीय मैचों में से सात में जीत हासिल की है लेकिन यहां खेले गए पिछले मैच में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत वाशिंगटन सुंदर को विश्राम देकर उनकी जगह तिलक वर्मा को मध्यक्रम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए अंतिम एकादश में शामिल करने पर भी गंभीरता से विचार करेगा। ऋषभ पंत भी एक विकल्प हो सकते हैं लेकिन तिलक स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं और वह बेहतरीन क्षेत्ररक्षक भी हैं। कप्तान केएल राहुल ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन इस श्रृंखला में ओस के कारण टॉस की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। भारत वनडे में पिछले 20 मैच से टॉस नहीं जीत पाया है जिसका खामियाजा उसे रायपुर में दूसरे वनडे में भुगतना पड़ा। भारतीय गेंदबाज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। अब भारत को उम्मीद होगी कि उनके युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा अच्छा प्रदर्शन करेंगे और प्रभावशाली अर्शदीप सिंह का पूरा साथ देंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका सीरीज जीतने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन वह तेज गेंदबाज बर्गर और बल्लेबाज टोनी डी जॉर्जी की फिटनेस को लेकर चिंतित है। यह देखना होगा कि ये दोनों खिलाड़ी इस मैच के लिए पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं।

टीम

भारत : केएल राहुल (कप्तान/विकेट कीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को यान्सेन, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, प्रेनेलन सुब्रायन।

टेस्ट में हार के बाद वनडे सीरीज में जीतने की बेताबी : डोएशे

विशाखापत्तनम : सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने शुक्रवार को कहा कि टेस्ट सीरीज में उम्मीद से खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज जीतने के लिए कुछ हद तक 'बेताब' है।

भारत हाल ही में दक्षिण अफ्रीका से से दो मैचों की टेस्ट सीरीज 0-2 से हार गया था और वनडे सीरीजअब 1-1 से बराबर है। डोएशे ने एकदिवसीय सीरीज के निर्णायक तीसरे वनडे की पूर्व संध्या पर कहा, खिलाड़ियों का यह एक बहुत ही अलग समूह है, लेकिन खिलाड़ी अपनी जिम्मेदारी को लेकर पूरी तरह से जागरूक है।

लोकेश राहुल की कप्तानी में भारतीय टीम ने रांची में पहला वनडे 17 रन से जीता लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने रायपुर में चार विकेट की जीत से शानदार वापसी की। डोएशे ने कहा हम हमेशा जीतना चाहते हैं। जब कुछ हार का सिलसिला शुरू हो जाता है और प्रदर्शन हमारी अपेक्षा से कम हो जाता है तो निश्चित तौर पर मुझे लगता है कि यह श्रृंखला के दृष्टिकोण से थोड़ी हताशा है। डोएशे ने हालांकि कि कहा कि इस टीम के खिलाड़ी ऐसे दबाव भरे हालात से निपटने के आदी हो चुके हैं।

मैक्सवेल, रसेल, अश्विन समेत कई बड़े नाम रहेंगे गायब

अबू धाबी, एजेंसी

- अबू धाबी में आज होगी आईपीएल 2026 की नीलामी
- 10 फ्रेंचाइजी के 77 स्लॉट भरने के लिए होगी जोरआजमाइश

1355 क्रिकेट खिलाड़ियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

अबू धाबी में 6 दिसंबर को होने वाली आईपीएल 2026 नीलामी में 10 फ्रेंचाइजी 77 स्लॉट भरने के लिए एक-दूसरे को पछाड़ती नजर आएंगी। इसमें 31 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। कुल 1355 क्रिकेट खिलाड़ियों - जिसमें 1,062 भारतीय और 293 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं- ने पहले ही आने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया है।

नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की फाइनल शॉर्टलिस्ट 5 दिसंबर के बाद सभी टीमों की दिलचस्पी जानने के बाद तय की जाएगी। हालांकि, कुछ बड़े नाम आने वाली आईपीएल नीलामी से गायब रहेंगे क्योंकि कई हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों, जिन्हें उनकी संबंधित टीमों ने रिलीज कर दिया था, ने आईपीएल 2026 नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराने का फैसला किया है। कुछ और जाने-पहचाने चेहरे भी लीग या क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट के कारण से पूरी तरह रिटायरमेंट के कारण भविष्य के आईपीएल सीजन में वापस नहीं आएंगे। यहां उन टॉप क्रिकेटरों की पूरी लिस्ट दी गई है जो आईपीएल 2026 नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे। ग्लेन मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट स्टार ग्लेन मैक्सवेल ने आईपीएल 2026 नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराने का फैसला किया है, जिससे फ्रेंचाइजी टी20 क्रिकेट लीग में उनके लगातार 13 सीजन का सिलसिला खत्म हो गया, जो 2012 में दिल्ली कैपिटल्स के साथ शुरू हुआ था।

साल की शुरुआत में आर. अश्विन ने ले लिया था संन्यास

इस साल की शुरुआत में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद, अश्विन आईपीएल नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे। यह ऑफ-स्पिनर पहले सीजन से ही आईपीएल का हिस्सा रहे हैं, जब सीएसके ने उन्हें एक घरेलू खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया था, पर उन्होंने 2009 में डेब्यू किया था। तब से, अश्विन 2017 के सीजन को छोड़कर हर आईपीएल सीजन का हिस्सा रहे हैं- यह वह सीजन था जो उन्होंने पुणे टीम में होने के बावजूद चोट के कारण मिस कर दिया था।

खेल मंत्री ने घुड़सवारी पदक विजेताओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली : खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में थाईलैंड में एफईआई एशियाई घुड़सवारी चैंपियनशिप में एक व्यक्तिगत स्वर्ण सहित पांच पदक जीतने वाली भारतीय 'इवेंटिंग' और 'ड्रेसेज' टीमों को सम्मानित किया और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए घोड़ों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने हेतु एक वर्ष के अंदर देश में एक पृथकवास केंद्र स्थापित करने का वादा किया।

पटाया में आयोजित प्रतियोगिता में छह सदस्यीय भारतीय टीम ने भाग लिया था जिसमें से आशीष लिमये ने दो पदक जीते।

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए शेफाली नामांकित

दुबई, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में 87 रन की तेजतर्रार पारी खेलने और दो महत्वपूर्ण विकेट लेने वाली भारतीय क्रिकेटर शेफाली वर्मा को नवंबर महीने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल हो जाने के कारण शेफाली को भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्हें फाइनल में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था और अब वह महिलाओं के पुरस्कार के लिए नामांकित की गई तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग का पुरस्कार हासिल करने के लिए उन्हें संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओझा और थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में भिड़ते भारत (नीली जर्सी) और बेल्जियम के खिलाड़ी। एजेंसी

जूनियर हॉकी विश्व कप

खचाखच भरे मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में 4-3 से जीत दर्ज की, अब सात दिसंबर को जर्मनी से होगा मुकाबला

बेल्जियम को हराकर भारत शान से पहुंचा सेमीफाइनल में

चेन्नई, एजेंसी

- शूटआउट में भारत के लिए शारदानंद तिवारी ने तीन और अंकित पाल ने किया एक गोल

निर्धारित समय में आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद भारतीय टीम ने बेल्जियम को शुक्रवार को यहां शूटआउट में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह के शानदार प्रदर्शन के दम पर 4-3 से हराकर जूनियर हॉकी विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत का सामना अब सात दिसंबर को जर्मनी से होगा, जबकि स्पेन की भिड़ंत अर्जेंटीना से होगी।

निर्धारित समय तक स्कोर 2-2 से बराबर था। भारतीय टीम को आखिरी सीटी बजने से एक मिनट पहले कोताही बरतने का खामियाजा भुगतना पड़ा और रोजे नाथन के गोल की मदद से बेल्जियम ने मैच को शूटआउट तक खींच दिया।

शूटआउट में भारत के लिए शारदानंद तिवारी ने तीन (पेनल्टी स्ट्रोक पर) और अंकित पाल ने एक गोल किया जबकि बेल्जियम के लिये ह्युगो लाबुशेर, जी हाआक्स और चार्ल्स एल ने गोल दागे। इससे पहले मैच में 45वें मिनट तक बेल्जियम ने अपनी सटीक पासिंग और गेंद पर नियंत्रण से भारत को दबाव में रखा लेकिन तीसरे क्वार्टर में कप्तान रोहित ने आखिरी मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर जैसे ही बराबरी का गोल दागा, मैच की तस्वीर बदल गई।

खचाखच भरे मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में मौजूद दर्शकों में मानो उत्साह का संचार हो गया। इससे दो मिनट पहले मिले पेनल्टी कॉर्नर पर रोहित का प्रयास नाकाम रहने से मिली निराशा भी दूर हुई। बेल्जियम को आखिरी मिनट में लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारतीय डिफेंस ने इस बार कोई चूक नहीं की। चौथे क्वार्टर की शुरुआत बेल्जियम ने काफी आक्रामक की और पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया लेकिन बढ़त नहीं बना सकी। भारत को जवाबी हमले में 48वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला और शारदानंद तिवारी ने जैसे ही भारत को बढ़त दिलाई, पूरा स्टेडियम 'इंडिया इंडिया' के शोर से गूंज उठा।

यह इत्तेफाक ही है कि शारदानंद के निर्णायक गोल की मदद से ही भारतीय जूनियर टीम भुवनेश्वर में चार साल पहले हुए टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में इसी प्रतिद्वंद्वी को एक गोल से हराकर अंतिम चार में पहुंची थी। इससे पहले शुरुआती क्वार्टर में भारत को छठे ही मिनट में गोल करने का सुनहरा मौका मिला लेकिन मनमीत के शॉट को बेल्जियम के गोलकीपर ने बचा लिया। मेजबान टीम को चार मिनट बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन शारदानंद तिवारी का प्रयास नाकाम रहा।

दूसरी ओर बेल्जियम टीम ने जवाबी हमला करने में देर नहीं की और इसका फायदा मिला जब तेरहवें मिनट में कोर्नेज ने शानदार फील्ड गोल करके टूर्नामेंट में अब तक कोई चुनौती नहीं झेलने वाले भारतीय डिफेंस की कलई खोल दी। दाहिने फ्लैंक से गेंद लेकर कोर्नेज ने सर्कल के भीतर पास दिया। गेंद भीतर से फिर बायीं तरफ बाहर को आई और भारत के सारे डिफेंडर दूसरी तरफ थे जिसका फायदा उठाकर कार्नेज ने तेजी से भागते हुए गेंद गोल के भीतर डाल दी। गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह पूरी तरह चकमा खाकर बायीं ओर डाइव लगाकर गोल बचाने में नाकाम रहे।

नीदरलैंड के खिलाफ जीत का जश्न मनाते अर्जेंटीना के खिलाड़ी। एजेंसी

अर्जेंटीना, जर्मनी व स्पेन भी अंतिम चार में

चेन्नई : सात बार की चैंपियन जर्मनी ने जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के रोमांचक क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को पिछली उपविजेता फ्रांस को शूटआउट में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि स्पेन और अर्जेंटीना ने भी अंतिम चार में जगह बना ली। स्पेन ने न्यूजीलैंड को 4-3 से और अर्जेंटीना ने नीदरलैंड को 1-0 से हराया। दो साल पहले खेले गए फाइनल की यादें ताजा करते हुए जर्मनी ने एक बार फिर जोश से भरी फ्रांस टीम पर अपना दबदबा कायम रखा। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर यह मुकाबला देखने के लिए दोनों यूरोपीय दिग्गज टीमों के खिलाड़ियों के परिजन मौजूद थे जो लगातार हौसलाअफजाई कर रहे थे।